स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 12.08.2024 से 18.08.2024 ▶ वर्ष-41 ▶ अंक-33 ▶ मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

इंदौर और जबलपुर में सिटी फॉरेस्ट बनाने की तैयारी

भोपाल, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग द्वारा इंदौर और जबलपुर शहरी क्षेत्र में नगर वन (सिटी फॉरेस्ट) विकसित करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिये विभाग द्वारा योजनाबद्ध तरीके से तेजी से कार्य किया जा रहा है। विभाग द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 की कार्य योजना में नगर वन विकसित करने संबंधी प्रस्ताव रखा गया है। लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग द्वारा नेशनल टेक्सटाइल कॉर्पोरेशन से इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं बुरहानपुर जिले की बंद मिलों की भूमि को पुनः राज्य शासन के पक्ष में बंदोबस्त कर लिया गया है। इसके विरुद्ध नेशनल टेक्सटाइल कॉर्पोरेशन ने इंदौर, उज्जैन एवं भोपाल की भूमि के संबंध में उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

प्रदेश में 6.53 लाख से अधिक महिलाओं को नि:शुल्क लाइसेंस

भोपाल, प्रदेश में महिलाओं को आत्मसम्मान के साथ रोज़गार के साधन दिलाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा महिलाओं के लिये नि:शुल्क ड्रायविंग लाइसेंस की योजना चलाई जा रही है। योजना के माध्यम से अब तक 6 लाख 53 हजार से अधिक महिलाओं को नि:शुल्क ड्रायविंग लाइसेंस जारी किये गये हैं। विभाग द्वारा 7 लाख 52 हजार 600 से अधिक लर्निंग लाइसेंस जारी किये गये हैं। महिलाएं सुरक्षित रूप से सार्वजनिक सेवा की बसों में यात्रा कर सकें, इसके लिये बसों में हेल्प लाइन नंबर 1091 अंकित कराया गया है।

अलीराजपुर और अमरवाड़ा की निर्वाचन प्रक्रिया स्थगित

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष अलीराजपुर और जनपद पंचायत अध्यक्ष अमरवाड़ा के रिक्त पद के निर्वाचन हेतु 21 अगस्त की तारीख नियत की गई थी। जनपद पंचायतों के उप निर्वाचन के कार्यक्रम घोषित होने के कारण जिला पंचायत अध्यक्ष अलीराजपुर और जनपद पंचायत अध्यक्ष अमरवाड़ा के निर्वाचन का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने बताया है कि निर्वाचन की आगामी तिथि पृथक से जारी की जायेगी।

पंचायत एवं नगरीय निकाय उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उप निर्वाचन के लिये मतदान 11 सितंबर, 2024 को होगा।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री ने बेंगलुरु में इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश को किया संबोधित

उद्यमियों और उद्योगों को प्रोत्साहन तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

बेंगलुरु में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मध्यप्रदेश के इंटरैक्टिव सेशन में आमंत्रित कंपनियों के साथ एमओयू हुआ

बेंगलुरु, बेंगलुरु में इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश का आयोजन किया गया। इस सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश की प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों और उद्योगपतियों को संबोधित किया। सत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्यमशीलता, परिश्रम, व्यवस्थित कार्य पद्धति और सबको साथ लेकर चलने की क्षमता के परिणामस्वरूप ही भारत विश्व में सोने की चिड़िया के रूप में विख्यात रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उपलब्ध संसाधनों और बौद्धिक क्षमता के बल पर देश को विश्व की पहली 5 अर्थव्यवस्थाओं में स्थान दिलाया है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और विजन का परिणाम है। इंटरैक्टिव सत्र में मध्यप्रदेश को लगभग 3200 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर है

मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते परिदृश्य में देश के सम्मुख अनुकूल अवसर होने के साथ चुनौतियां भी विद्यमान हैं। उन्होंने कहा कि अपनी क्षमताओं के आधार पर यह विश्वास है कि हमारा भविष्य उज्ज्वल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनी केन्द्र सरकार के मार्गदर्शन में देश प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि उचित मार्गदर्शन, अद्यतन तकनीक के उपयोग, आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति, लगन और परिश्रम के साथ नवीन अनुसंधान की परंपरा के बल पर भारत औद्योगिक केंद्र के रूप में विश्व में अपना स्थान बना रहा है।

मध्यप्रदेश गारमेंट इंडस्ट्री के लिए है सर्वाधिक सूटेबल डेस्टिनेशन

बेंगलुरु, मध्यप्रदेश निवेशकों और उद्योगपतियों के लिये रेडीमेड गारमेंट का सर्वाधिक सूटेबल डेस्टिनेशन है। प्रदेश में कपास की बुआई के रकबे में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। यहाँ का कॉटन सबसे बेहतरीन है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश के इंदौर में वर्षों पूर्व कॉटन मिल्स का बोलबाला रहा है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बेंगलुरु में इन्वेस्ट मध्यप्रदेश रोड शो में रेडीमेड गारमेंट पर केंद्रित राउंडटेबल मीट को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश, देश के मध्य में होने से पूरे देश में ट्रांसपोर्टेशन के लिये इसकी कनेक्टेविटी और अधिक उपयोगी बनती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश रेडीमेड गारमेंट इंडस्ट्री के लिए सूटेबल डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। वर्तमान में कई प्रमुख कंपनियां, जैसे बेस्ट कॉर्प और गोकलदास, राज्य में निवेश कर रही हैं। रेडीमेड इंडस्ट्री में निवेश से मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। राज्य में रोज़गार के नए अवसर उत्पन्न होंगे और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रमुख परिधान कंपनियों की उपस्थिति से राज्य में औद्योगिक बुनियादी ढांचे में सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने किया साइबर तहसील 2.0 का शुभारंभ

एण्ड टू एण्ड ऑनलाइन सिस्टम से मिलेगा त्वरित निराकरण

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश सरकार की अभिनव पहल साइबर तहसील 2.0 का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में सुशासन के अंतर्गत संचालित साइबर तहसील 1.0 की सफलता के बाद प्रदेश सरकार की यह अभिनव पहल है।

साइबर तहसील 2.0 में संपदा से प्राप्त अविवादित आंशिक खसरों के क्रय विक्रय आधारित नामांतरण प्रकरणों में क्षेत्रीय तहसील स्तर पर एण्ड टू एण्ड ऑनलाइन सिस्टम के माध्यम से त्वरित निराकरण किया जायेगा। प्रमुख राजस्व आयुक्त श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में प्रतिवर्ष अविवादित नामांतरण के प्रकरणों में औसतन 2 लाख प्रकरण संपूर्ण खसरे के क्रय विक्रय के और 6 लाख प्रकरण आंशिक क्रय-विक्रय संबंधित होते हैं।

साइबर तहसील 1.0 के अंतर्गत अब तक संपूर्ण क्रय-विक्रय वाले खसरों का ऑनलाइन नामांतरण तो हो ही रहा था, लेकिन अब साइबर तहसील 2.0 के अंतर्गत आंशिक क्रय विक्रय संबंधी प्रकरणों को भी ऑनलाइन व्यवस्था से जोड़ दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने आध्यात्मिक गुरु से मध्यप्रदेश में यूनिवर्सिटी खोलने का किया अनुरोध

बेंगलुरु, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बेंगलुरु में आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर के साथ आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर के सत्संग में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान गुरु श्रीश्री रविशंकर के साथ अन्नकूट क्षेत्र का अवलोकन भी किया।

आध्यात्मिक गुरु ने कहा कि मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश के उज्जैयिनी नगरी से संबंध रखते हैं, जो कि 12 ज्योर्तिलिंगों में से एक महाकालेश्वर और महान न्यायप्रिय सम्राट विक्रमादित्य की अवंतिका नगरी के रूप में विख्यात है। उज्जैन नगर काल की गणना के रूप में विख्यात रहा है। उन्होंने कहा कि उज्जैन नगरी की भव्यता आज देखते ही बनती है। पूरे क्षेत्र का वातावरण धार्मिक और आध्यात्मिक माहौल से परिपूर्ण है। आध्यात्मिक गुरु ने कहा कि मध्यप्रदेश की आर्थिक समृद्धि के लिये आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर हमेशा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे वर्तमान समय के एक अद्भुत जीवन दृष्टा और आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर के आश्रम में आये हैं। भक्तों के साथ मिलने का मौका मिला। यहाँ जो अनुभव किया, वह जीवन भर स्मृतियों में रहेगा। गुरुजी आध्यात्मिक चेतना की मशाल हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि परमात्मा करे गुरुजी सदैव इसे प्रज्वलित रखें। उन्होंने गुरुजी से मध्यप्रदेश में आकर विश्वविद्यालय खोलने का अनुरोध किया।

हर घर तिरंगा अभियान

जन उत्सव के रूप में मनाया जाये स्वतंत्रता दिवस का अभियान

भोपाल, प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान और स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को जन उत्सव के रूप में मनाया जाए। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश स्तरीय बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि किसी भी वार्ड या ग्राम में तिरंगे झंडों की कमी न हो, शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्व-सहायता समूहों के माध्यम से व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रक्षाबंधन और जन्माष्टमी का पर्व सामाजिक समरसता के भाव के साथ उत्साह और उल्लास से मनाया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जारी वर्षा को देखते हुए सावधानियां बरतने और आवश्यक निगरानी व मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए।

तिरंगा यात्राएं निकाली जाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की

संकल्पना है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी का पर्व केवल एक दिन के औपचारिक रूप से न मनाया जाए। ये दिन लंबी गुलामी के बाद मिली स्वतंत्रता का प्रतीक है। अतः शासकीय संस्थाओं के साथ संपूर्ण समाज को साथ लेकर इन राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन हो। इन पर्वों के समान ही हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियों का संचालन पूर्ण गरिमा के साथ किया जाए।

लहराया जाएगा 78 फीट ऊँचा तिरंगा

मुख्यमंत्री ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत देशभक्ति की भावना पर केंद्रित तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैली, तिरंगा मैराथन, तिरंगा संगीत कार्यक्रम, तिरंगा कैनवास, तिरंगा सेल्फी एवं तिरंगा मेले जैसी गतिविधियां जनभागीदारी से संचालित की जाएंगी। हर घर पर तिरंगा लगाने, तिरंगे के साथ डीपी लगाने के साथ ही वेबसाइटों पर तिरंगा बैनर लगाने की गतिविधियों को जन अभियान बनाया जाएगा। देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर इंदौर, भोपाल, ग्वालियर एवं जबलपुर में 78 फीट ऊँचा तिरंगा लहराया जाएगा।

3 अगस्त

मोबाइल नेटवर्क नहीं होने पर ग्राहकों को मुआवजा देंगी टेलीकॉम कंपनियां

● ब्रॉडबैंड या टेलीफोन सेवा जिलास्तर पर 24 घंटे से अधिक बाधित रही तो टेलीकॉम

Telecom Regulatory Authority of India TRAI

कंपनियों को ग्राहकों को हर्जाना देना होगा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने गुणवत्ता मानकों को पूरा न करने पर जुर्माना राशि पचास हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी है। ट्राई के द्वारा जारी किए गए नए नियम 6 महीने के बाद लागू होंगे। नए नियम के अनुसार जिले में नेटवर्क गायब होने के मामले में दूरसंचार ऑपरेटरों को पोस्टपेड ग्राहकों को बिल में छूट और प्रीपेड ग्राहकों को कनेक्शन की वैधता अवधि में राहत देनी पड़ेगी।

● पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण एयर इंडिया ने तेल अवीव (इजरायल) आने-जाने वाली अपनी उड़ानों पर रोक लगा दी। एयर इंडिया ने कहा कि वह लगातार तेल अवीव की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। एयरलाइन ने यह भी कहा कि वह तेल अवीव आने और जाने की कंफर्म बुकिंग वाले यात्रियों की सहायता कर रही है। इन यात्रियों को उन्हें रिशेड्यूलिंग और निरस्तीकरण में एक बार की छूट प्रदान की गई है।

4 अगस्त

एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे किए घोषित

● भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रैल-जून में बैंक को 17,035 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ हुआ है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 0.9 प्रतिशत अधिक है। एसबीआई को पिछले वर्ष समान तिमाही में 16,884.29 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। एसबीआई ने बताया कि उसकी कुल आमदनी जून तिमाही में बढ़कर 1,22,688 करोड़ रुपये हो गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,08,039 करोड़ रुपये थी।

● पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण अमेरिका इस क्षेत्र में जल्द अतिरिक्त युद्धपोत और लड़ाकू विमान भेजेगा। यह जानकारी अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने दी है। पेंटागन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को किसी भी हमले से निपटने में अमेरिका की पूरी मदद का भरोसा दिया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बैलेस्टिक मिसाइल को आकाश में ही मार गिराने वाले उपकरणों से लैस युद्धपोतों को पश्चिम एशिया में भेजने की अनुमति दे दी है।

5 अगस्त

जोधपुर में तैनात होंगे अपाचे हेलीकॉप्टर

● राडार को चकमा देने वाले अत्याधुनिक एएच-64 ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर की पश्चिमी सीमा पर तैनाती होने जा रही है। भारतीय सेना के अनुसार अक्टूबर से जोधपुर मिलिट्री स्टेशन पर 6 अपाचे हेलीकॉप्टर की तैनाती शुरू होगी। इसके लिए 50 पायलट और तकनीकी स्टाफ को अमेरिका में ट्रेनिंग मिली है। अमेरिकी कंपनी बोइंग ने इस हेलीकॉप्टर को तैयार किया है। हेलीफायर और स्टिंगर जैसे घातक हथियार और मिसाइल लगी हैं। ये हेलीकॉप्टर रात, खराब मौसम और कठिन परिस्थितियों के बावजूद टारगेट को नष्ट करने की क्षमता रखता है।

● इजराइल एवं लेबनान के बीच तनाव के चलते अमेरिका और ब्रिटेन ने अपने नागरिकों को तुरंत लेबनान छोड़ने को कहा है। दरअसल, लेबनान ने दूसरे देशों की ज्यादातर उड़ानें बंद कर दी हैं। ऐसे में अमेरिकी दूतावास और ब्रिटिश सरकार ने अपने नागरिकों से कहा है कि जो भी पहला विकल्प मिले, उससे लेबनान से निकल आएं। अमेरिका की इस सलाह के बाद इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध की आशंका और ज्यादा बढ़ गई है।

6 अगस्त

कच्छ में चौकसी के लिए बीएसएफ ने तैयार किया 'रणवीर'

● गुजरात के कच्छ जिले में रण क्षेत्र स्थित पाकिस्तान सीमा पर चौकसी करने के लिए 3 करोड़ रुपये के इजरायली वाहन का इस्तेमाल किया जा रहा था। यही काम करने के लिए ग्वालियर स्थित बीएसएफ के केंद्रीय मोटर गाड़ी प्रशिक्षण स्कूल ने सिर्फ 15 लाख रुपये से 'रणवीर' (ऑल टेरेन व्हीकल) तैयार किया है। रणवीर वाहन को सीमा पर तैनात भी किया जा चुका है। रणवीर का वजन 300 किलो है। रोल केज डिजाइन वाले इस ऑल टेरेन व्हीकल में लो प्रेशर टायर लगे हैं। यह टायर ऊंट के पैर की तरह नीचे से गुदगुदे रहते हैं, जिससे वे दलदल में नहीं फंसते। 999 सीसी के इंजन में तेज टॉर्क प्रेशर बनता है, जिससे दलदल में फंसने का खतरा नहीं रहता।

● यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी से गुजर रहे एक मालवाहक जहाज पर मिसाइल से हमला किया। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला अदन से लगभग 225 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में अदन की खाड़ी के उस हिस्से में हुआ, जहां हूती विद्रोही पहले भी कई जहाजों को निशाना बना चुके हैं। अदन की खाड़ी में लाइबेरिया के झंडे वाले मालवाहक जहाज ग्रोटन को निशाना बनाया गया, जो संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा से सऊदी अरब के जेद्दा के लिए रवाना हुआ था। हालांकि ग्रोटन के यूनानी प्रबंधकों ने घटनाक्रम पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

7 अगस्त

विदेश में पढ़ाई करने वाले भारतीय विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि

● विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विदेश राज्यमंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में बताया कि वर्ष 2024 में लगभग 13,35,878 भारतीय छात्र विदेश में उच्च अध्ययन कर रहे हैं। यह संख्या वर्ष 2023 में 13.18 लाख और वर्ष 2022 में 9.07 लाख थी। श्री वर्धन ने बताया कि इस वर्ष सबसे ज्यादा छात्रों ने कनाडा में प्रवेश लिया है।

● दिल्ली के कोचिंग सेंटर में हादसे के बाद केंद्र सरकार ने राज्यों को कोचिंग संस्थानों से जुड़े दिशा-निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सरकार ने कोचिंग संस्थानों की जांच पड़ताल करने के निर्देश भी दिए हैं। केंद्र सरकार ने इसी साल जनवरी में कोचिंग संस्थानों को लेकर यह दिशा-निर्देश जारी किए थे। दिशा-निर्देश में कोचिंग संस्थानों को 16 साल से कम उम्र के छात्रों को दाखिला न देने का निर्देश दिया गया था। इसके साथ ही कोचिंग में प्रति छात्र को कम से कम एक वर्ग मीटर क्षेत्र आवंटित करने को भी कहा है।

8 अगस्त

सम्पत्ति पर कैपिटल गेन टैक्स के नियम में हुआ संशोधन

● केन्द्र सरकार ने आम बजट में लाए गए सम्पत्ति से जुड़े कैपिटल गेन टैक्स नियम को वापस ले लिया है। केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने कहा कि इस नए नियम का उद्देश्य राजस्व में बढ़ोत्तरी करना नहीं था। उन्होंने कहा कि हम सम्पत्ति से जुड़े लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स नियम को सरल बनाना चाहते थे, लेकिन आम जनता की मांग पर इसमें संशोधन किया गया है।

● भारतीय वायु सेना की मेजबानी में पहला बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' शुरू हो गया है। इस अभ्यास में 12 देशों की वायु सेनाएं शामिल होंगी। पहले चरण का अभ्यास दक्षिण भारत के सुलूर में शुरू हो गया है। यह 14 अगस्त तक चलेगा। इसमें भाग लेने के लिए जर्मनी, फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन की वायु सेनाएं पहुंच चुकी हैं। दूसरा चरण 29 अगस्त से 14 सितंबर तक जोधपुर में होगा, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, बांग्लादेश, सिंगापुर और यूएई की वायु सेनाएं शामिल होंगी। इस अभ्यास में भारत अपने स्वदेशी लड़ाकू विमानों और उपकरणों का प्रदर्शन करेगा।

9 अगस्त

नौ राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों पर 3 सितंबर को होगा चुनाव

● भारत निर्वाचन आयोग ने 9 राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, उपचुनाव तीन सितंबर को होंगे। 10 सीटें राज्यसभा सदस्यों के लोकसभा चुनावों में जीतने से खाली हुई थीं, जबकि दो अन्य रिक्तियां राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे से हुई हैं। उपचुनाव छह सितंबर से पहले संपन्न हो जाना चाहिए। आयोग के अनुसार, जिन 9 राज्यों की 12 सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें असम की दो, बिहार की दो, महाराष्ट्र की दो और हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, तेलंगाना और ओडिशा की एक-एक सीट शामिल है।

● नीट पीजी 2024 परीक्षा 11 अगस्त को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के लिए नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने एडमिट कार्ड जारी किया है। एनबीईएमएस ने सोशल मीडिया पर नीट पीजी के पेपर लीक होने की खबरों को अफवाह बताया है। एनबीईएमएस ने कहा कि टेलीग्राम पर पैसे लेकर पेपर देने का दावा किया जा रहा है। ऐसे में छात्र ऐसे तत्वों के झांसे में न आएं। फर्जी सूचना देने वालों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

● यूपीआई में अब ओटीपी और पिन की जगह फिंगरप्रिंट से ट्रांजेक्शन की सुविधा मिल सकती है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) इसके लिए कुछ स्टार्टअप के संपर्क में है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने भी बैंकों को ओटीपी और कार्ड से लेनदेन के लिए नए विकल्प को खोजने को कहा है। नई प्रणाली लागू होने पर यूजर एंड्रॉयड डिवाइस पर फिंगरप्रिंट और आईफोन पर फेस आईडी से लेनदेन कर सकेंगे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 41, अंक 33 12.08.2024 से 18.08.2024

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

मुख्यमंत्री की पहल पर प्रदेश में उद्योगपतियों को निवेश का मिला स्वर्णिम अवसर

किसी भी राज्य की आर्थिक और सामाजिक ढांचे की मजबूती ही उस राज्य की विशिष्ट पहचान होती है। बेहतर से बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करना और उद्योगपतियों को निवेश के बेहतर अवसर देना राज्यों की प्राथमिकता में रहा है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए निवेशकों को प्रदेश में आमंत्रित करने की पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शुरू हुई इस पहल के निरंतर सकारात्मक परिणाम सामने आये हैं। पिछले दिनों कोयंबटूर में हुए 'इन्वेस्ट एमपी-इंटरएक्टिव सत्र के बाद बेंगलुरु में उद्योगपतियों के साथ चर्चा का सत्र रखा गया। खास बात यह है कि इस सत्र में आईटी और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कार्य कर रही अग्रणी कंपनियों ने प्रदेश में निवेश के लिये रुचि दिखाई है। देश की नामचीन कंपनियों द्वार प्रदेश में निवेश के लिये जो रुझान देखने को मिला है वह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निरंतर प्रयास का परिणाम है। यही नहीं मध्यप्रदेश में पहली बार स्पेस टेक कंपनियों ने भी निवेश के लिए रुचि दिखाई है। स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर में मध्यप्रदेश में पहली बार निवेश प्राप्त करने के लिए कदम बढ़ाया है। स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम कर रही कंपनियां उपग्रह चित्रण और डाटा एनालिटिक्स की सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। उपग्रह के माध्यम से वैश्विक निगरानी और डाटा की शुद्धता में सुधार होता है। यह कंपनियां अंतरिक्ष में प्रदूषण और कक्षीय वस्तुओं पर निगरानी के लिए नवीनतम तकनीक विकसित कर रही हैं। इन कंपनियों का उद्देश्य अंतरिक्ष में सुरक्षा को बढ़ाना है। इन्वेस्टर रोड शो में पिक्सल, दिगंतरा, गैलेक्स आई, सेटस्योर कलाइड ईओ एवं स्काई सर्वर जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए और उन्होंने मध्यप्रदेश में निवेश की संभावना पर चर्चा की। सेटस्योर कंपनी सैटेलाइट इमेज उपलब्ध कराती है जो कृषि क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी है। इसी प्रकार पिक्सल कंपनी पृथ्वी के चित्रों पर आधारित छोटे सैटेलाइट का निर्माण और संचालन करती है। मुख्यमंत्री ने आईटी सेक्टर की कंपनियों से भी संवाद किया और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान कॉग्निजेंट, नेसकॉम, किंड्रील, इंफोसिस, टीसीएस, विसेन टेक्नोलॉजी, सीसा इंफोसेक, हैपिएस्ट माइंड्स, डेल्टा कैपिटा, नीमन मारकस एवं मोवाटे जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री ने लगातार बैठके कीं। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने वैश्विक ऑपरेशन को बेहतर तरीके से संचालन करने के लिए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करती हैं। यह सेंटर आर्थिक प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, आईटी सपोर्ट, डाटा एनालिटिक्स और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता की सेवाएं और संचालन की दक्षता प्रदान करते हैं। वे लागत में कमी लाने में भी मदद करते हैं और स्थानीय बाजार में निवेश के अवसर सृजन करने में सहायक होते हैं। मुख्यमंत्री की मंशा है कि ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स को भोपाल और इंदौर में स्थापित करें। इससे स्थानीय रोज़गार के अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। इन केंद्रों की स्थापना से राज्य की प्रतिभाओं का उपयोग किया जा सकेगा जिससे कुशल कार्यबल की उपलब्धता भी बढ़ेगी। इन केंद्रों से शहरों में तकनीकी नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूती मिलेगी। मध्यप्रदेश में गारमेंट इंडस्ट्री की संभावनाओं को देखते हुए बेंगलुरु में प्रमुख परिधान और वस्त्र (टेक्सटाइल) कंपनियों ने भी रुचि दिखाई है। गारमेंट इंडस्ट्री में निवेश से मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और रोज़गार के नए अवसर सृजित होंगे। आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। गारमेंट इंडस्ट्री में निवेश से मध्यप्रदेश को यूनिवर्सल गारमेंट सेक्टर में एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने में मदद मिलेगी।

खगोल वैज्ञानिकों के अनुसार 14 अगस्त को दो ग्रहों के करीब से गुजरने के संकेत

आगामी सप्ताह में खगोल वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड में खगोलीय घटना होने के संकेत मिले हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार सौरमंडल के दो सबसे चमकीले ग्रह एक दूसरे के करीब से गुजरते हुए दिखाई देंगे। बृहस्पति और मंगल की इस दुर्लभ घटना को रात के अंधेरे में आसानी से देखा जा सकता है। ये दोनों ग्रह आकाश में मात्र एक तिहाई डिग्री की दूरी पर होंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार अंतरिक्ष में ऐसे मौके बहुत कम आते हैं, जब दो या दो से अधिक ग्रह एक दूसरे के करीब दिखाई देते हैं। इसे स्थानीय समयानुसार रात्रि 2 बजे से देखा जा सकेगा। इस दौरान बृहस्पति, मंगल से लगभग 20 गुना अधिक चमकीला होगा। दोनों ग्रहों को साफ आसमान में आसानी से देखा जा सकेगा। वैज्ञानिकों ने कहा है कि दूरबीन या छोटे दूरबीन की मदद से इस पूरी घटना को प्रभावी ढंग से देखा जा सकता है। दूरबीन से देखने में न सिर्फ आपको ये दोनों ग्रह साफ नजर आएंगे बल्कि बृहस्पति के चंद्रमा गैनीमीड और कैलिस्टो बृहस्पति के दोनों ओर होंगे साथ ही अत्यधिक ज्वालामुखीय चंद्रमा आयो और संभावित रूप से मानव के रहने योग्य यूरोपा भी दिखाई देगा।

खगोल वैज्ञानिकों के अनुसार दोनों ग्रहों को पृथ्वी से देखने में ऐसा लगेगा कि वे आसपास स्थित हैं। जबकि वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। मंगल, बृहस्पति से करीब 500 मिलियन किलोमीटर आगे पृथ्वी की ओर स्थित होगा। बृहस्पति का आकार मंगल से कई गुना बड़ा है ऐसे में दूर स्थित होने के बावजूद वह बड़ा और चमकदार दिखाई देगा।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

78वां स्वतंत्रता दिवस

उत्सव आयोजन के साथ सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण का संकल्प भी आवश्यक

15 अगस्त भारत की स्वतंत्रता के उत्सव का दिन है। सैकड़ों वर्ष बाद भारतीयों ने इसी दिन स्वतंत्रता का स्वर्णिम सूर्योदय देखा था। इस दिन जितना उत्सव मनाया जाये वह कम है, लेकिन उत्सव के साथ देश के स्वर्णिम भविष्य का निर्माण, सुरक्षा और समृद्धि के संकल्प के विषय पर विचार भी आवश्यक है। हमारे भविष्य की यात्रा ऐसी होनी चाहिए कि आने वाली पीढ़ियों के सामने वैसा संकट न आये जैसा हमारे पूर्वजों ने देखा है।

15 अगस्त संपूर्ण भारत के एकत्व का दिन है। अन्य दिनों में भले हम अपने क्षेत्र, प्रदेश, भाषा या भूषा की बातें करें, लेकिन 15 अगस्त को पूरा भारत एक रंग में होता है, भारत राष्ट्र के एकत्व स्वरूप का रंग। यह रंग है एक स्वर में स्वतंत्रता के गान का, एक ही भाव से उत्सव और आनंद का। सबके अंदाज अलग होते हैं, पर सबके स्वर एक होते हैं। और क्यों न हों, भारत में स्वतंत्रता के लिये हर क्षेत्र में असंख्य बलिदान हुए। जितना संघर्ष हिमालय परिक्षेत्र में हुआ उतना ही सुदूर दक्षिण में महासागर के किनारे। सबका स्वर एक था 'अंग्रेजों भारत छोड़ो'। यह संघर्ष जितना असाधारण था उतनी ही गहन और क्रूरता से भरी और दासत्व से भरे अंधकार की महारात्रि भारतीयों ने गुजारी थी। छल, बल, क्रूरता, कुटिलता और षडयंत्रों की कोई सीमा नहीं थी। भारत पर राज करने वाली हरेक हमलावर सत्ता दमनकारी रही। अंतर इतना था कि किसी ने सीधा विध्वंस और दमन किया तो किसी ने कुटिलता का मोहक मुलम्मा चढ़ाकर दमन किया। यह क्रम सैकड़ों साल चला। दुनिया के लगभग सभी देशों ने आक्रमण झेले हैं, विदेशी सत्ता झेली है। पर जितने आक्रमण भारत पर हुए, दमन, विध्वंस और क्रूरता का जो कुचक्र भारत में चला इसका उदाहरण संसार में नहीं मिलता। उस दमन से मुक्ति का दिवस है 15 अगस्त। इसलिये यह अनंत उत्सव का दिन है, लेकिन इसके साथ ही अतीत के अनुभवों से सावधान होकर भविष्य की यात्रा के लिये शपथ संकल्प लेने का दिन भी है। उन पीढ़ियों का सुख या खुशी कभी स्थाई नहीं होती जो अतीत को विस्मृत कर देते हैं। अतीत के अनुभवों से भविष्य की यात्रा निर्धारित करने वाला समाज ही अपनी आने वाली पीढ़ियों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करता है। इसलिये 15 अगस्त पर स्वतंत्रता उत्सव के साथ भविष्य की सावधानियों पर भी मंथन आवश्यक है।

सैंकड़ों वर्ष तक चला था आक्रमणों का सिलसिला

इतिहास के पन्नों में भारत पर हुए आक्रमणों की बहुत लंबी सूची है। यह क्रम लगभाग दो हजार वर्षों तक चला और देश की धरती सिकुड़ती चली गई। भारत में पहला आक्रमण 516 ईसा पूर्व डेरियस प्रथम का हुआ था। वह कंधार के रास्ते भारत में घुसा और सिंधु क्षेत्र तक आ गया था। भारत के एक बड़े भू-भाग पर उसने अधिकार भी कर लिया था। लेकिन, भारतीय शासकों ने एकजुट होकर संघर्ष किया और भारत की भूमि हमलावरों से मुक्त हो गई। आक्रमणकारी भारत के रंग में ढल कर यहीं रच बस गये। दूसरा बड़ा आक्रमण यूनान के अलेक्जेंडर का हुआ। यह आक्रमणकारी एशिया में सिकन्दर के नाम से प्रसिद्ध है। इसके बाद शकों और हूणों के आक्रमण हुए। इन सभी आक्रमणों का उद्देश्य अपने साम्राज्य का विस्तार करना था। लेकिन, भारत की सहिष्णुता से सभी प्रभावित हुए। सांस्कृतिक, सामाजिक आदान-प्रदान हुए और आक्रमणों पर विराम लगा।

भारत पर आक्रमणों का दूसरा दौर ईस्वी सन् 712 से आरंभ हुआ। मोहम्मद बिन कासिम की अगुवाई में यह आक्रमण सिंध पर हुआ। इसका उद्देश्य लूट और विध्वंस था। वह अकूत संपत्ति लूटकर और भारतीय स्त्री, बच्चों को अपहृत कर लौट गया था। लूट विध्वंस और भारतीय स्त्री बच्चों का अपहरण कर गुलामों के बाजार में बेचने का यह सिलसिला कई वर्ष चला। मेहमूद गजनवी के आक्रमण और लूट का उद्देश्य भी यही रहा। आक्रमण का तीसरा क्रम मोहम्मद गौरी के आक्रमण के साथ आरंभ हुआ। जिसमें लूट और विध्वंस के साथ अपनी सत्ता स्थापित करना भी था। गौरी ने अपने एक गुलाम कुतुबुद्दीन को प्रतिनिधि बनाकर दिल्ली में बिठाया। इसी कुतुबुद्दीन ने भारत में गुलाम वंश की नींव रखी और भारत में विदेशी सत्ता आरंभ हुई। आक्रमणों का चौथा दौर यूरोपियन्स से चला। पुर्तगीज, डच, फ्रांसीसी तथा अंग्रेज व्यापारी बनकर भारत आये और भारत में सत्ताधीश बनकर बैठ गये। अंतिम विदेशी सत्ता अंग्रेजों की रही। उन्होंने मुगल सल्तनत से व्यापार की अनुमति ली और वर्ष 1613 में पहली व्यापारिक चौकी गुजरात के सूरत में स्थापित की। इसके बाद अपनी योजनानुसार व्यापारिक चौकियों के माध्यम से भारत के अधिकांश हिस्सों में नेटवर्क खड़ा कर लिया। सुरक्षा के लिये सैनिक तैनात करना आरंभ किये। पहले उनके सैनिक और तकनीक स्थानीय शासकों को सहायता करने लगी। धीरे-धीरे अंग्रेजों ने सत्ताओं में हस्तक्षेप करना आरंभ किया। वर्ष 1757 में प्लासी युद्ध के बाद अंग्रेज खुलकर खेलने लगे। अंग्रेजों ने धीरे-धीरे दायरा बढ़ाया और पूरे भारत पर अधिकार कर लिया। अंग्रेजों के दौर में पुराने विदेशी शासकों की भांति भारतीयों का दमन, शोषण और संपत्ति हरण यथावत रहा। इसके साथ ही उन्होंने भारत को भारत में समाप्त करने के लिये सांस्कृतिक, मानसिक और बौद्धिक परिवर्तन का अभियान भी चलाया।

स्वतंत्रता के लिये सतत संघर्ष

यह एक पक्ष है कि भारत में दमन विध्वंस और पराधीनता की अंधेरी रात बहुत लंबी थी। लेकिन, इसका दूसरा पक्ष भी है, वह है स्वतंत्रता के लिये सतत संघर्ष का। दमन और दासत्व का अंधकार जितना सघन हुआ, संघर्ष भी उतना ही प्रबल हुआ। यह संघर्ष सशस्त्र और सामूहिक भी हुए और व्यक्तिगत भी। स्वतंत्रता के लिये अंग्रेजों से हुए संघर्ष की यह विशेषता थी कि जितना संघर्ष रियासतों या उनकी सेना ने किया इससे अधिक जनसामान्य ने किया। जनसामान्य के संघर्ष में तीन प्रकार की झलक मिलती है। एक संगठित सशस्त्र संघर्ष, क्रांतिकारी संघर्ष और फिर अहिसंक आंदोलन। भारत का शोषण और दमन करने के लिये अंग्रेजों ने एक विशेष कूटनीति अपनाई थी। उन्होंने पहले अपनी 'बांटों और राज्य करो' नीति के अंतर्गत स्थानीय शासकों में अविश्वास, ईर्ष्या या प्रतिस्पर्धा पैदा कर उन्हें अलग-अलग किया। फिर जमींदारों और साहूकारों का नेटवर्क बनाया। अंग्रेज इनके माध्यम से शोषण और दमन करते थे। यही उनकी सत्ता संचालन की नीति थी। इसीलिए आरंभिक जनजातीय संघर्ष में जमींदारों और साहूकारों के विरुद्ध संघर्ष की झलक दिखाई देती है। लेकिन, भारतीय समाज को अंग्रेजों की यह कूटनीति समझ आई और वे अंग्रेजों के विरुद्ध सीधे संघर्ष के लिये एकजुट हुए। इसी एकजुटता का स्वरूप थी वर्ष 1857 की सशस्त्र क्रांति। जिसमें राजा भी थे और सैनिक भी, राजरानियाँ भी थीं और नगर वधुएं भी। वनवासी भी थे और नगर वासी भी। इस संघर्ष में भारतीय सामान्यजन की अद्‌भुत एकजुटता थी। लेकिन, कुछ स्थानीय कारणों से संघर्ष सफल न हो सका।

भारत के भविष्य निर्माण का संकल्प दिवस भी

15 अगस्त का दिन भारत की स्वतंत्रता के लिये हर्ष उल्लास और आनंदोत्सव का दिन तो है ही साथ ही भविष्य के भारत निर्माण के संकल्प का भी दिन है। अतीत में भारत ज्ञान और धन संपन्नता के शिखर पर रहा है। इसीलिए पूरे संसार ने इसे 'विश्व गुरु' और 'सोने की चिड़िया' कहकर पुकारा था। अब भारत और भारतीयों के पास अपने पुराने सम्मान को पुन: प्राप्त करने का अवसर है। भारत के पास संसार में सर्वाधिक युवा शक्ति है। युवाओं में प्रतिभा है। भारतीय युवाओं की प्रतिभा और मेधा की झलक आज दुनिया का प्रत्येक देश देख रहा है। इन युवाओं की शक्ति से भारत ने अपनी विकास गति तेज की है। यह तेजी केवल विश्व की पांचवीं शक्ति बनने में ही नहीं है अपितु भारत अंतरिक्ष विज्ञान, प्रतिरक्षा तकनीक और औषधि निर्माण में भी उत्कृष्टता की ओर बढ़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं के निदान में भी अब भारत की राय महत्वपूर्ण हो गई है। यह विकास गति वर्ष 2047 तक भारत के विश्व शक्ति बनने का सुखद संकेत दे रही है।

यदि हमें 2047 तक विकसित राष्ट्र के स्थान पर पहुँचना है, तो 'श्रेष्ठ भारत' मंत्र को जीवन में डालकर आगे बढ़ना होगा। इसके लिये भारत के प्रत्येक नागरिक के जीवन में दोनों प्रकार के संकल्प आवश्यक हैं। एक निजी जीवन का संकल्प और दूसरा सार्वजनिक जीवन का संकल्प। व्यक्तिगत जीवन में सत्य, स्वत्व का जागरण करते हुए सभी भारतीय नागरिकों को आत्म अनुशासित होकर स्वदेशी और स्थानीय वस्तुओं के उपयोग को प्राथमिकता देनी होगी। दूसरा अपने नागरिक कर्तव्यों के पालन का आदर्श व्यवहार, तीसरा पर्यावरण का संरक्षण ताकि वातावरण शुद्ध रहे और आरोग्य की स्थिति सशक्त हो। चौथी सामाजिक समरसता। परस्पर कोई भेदभाव न हो और अपने परिवार एवं कुटुम्ब का सशक्तिकरण। इन पांच सूत्रों के पालन का संकल्प व्यक्तिगत जीवन में हो और सार्वजनिक जीवन में शुचिता एवं कार्यशैली आदर्श हो। हम जो कार्य कर रहे हैं वह किसी कार्यालय में काम करने का हो, सड़क पर चलने का हो अथवा किसी कारखाने में कोई वस्तु उत्पादन का कार्य हो, इन सबमें ईमानदारी और गुणवत्ता होनी चाहिए। हमारा यह बाह्य व्यवहार भारत के सम्मान को बढ़ाने वाला होगा। इस दिशा में वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वे दोनों मंत्र 'लोकल फॉर वोकल' और 'जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट।' पर अमल करना होगा। यदि हमारे विचार, हमारी भाव भाषा, हमारा आचरण हमारे कर्म और कर्तव्य श्रेष्ठ होंगे, हमारा उत्पादन और सेवाएं गुणवत्तापूर्ण होंगी तो भारत को सर्वश्रेष्ठ स्थान पर पहुंचने से कोई रोक नहीं पायेगा। यदि भारत प्रगति कर रहा है, वर्ष 2047 में विश्व शक्ति के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। विश्व की विघ्नसंतोषी शक्तियां इसमें अवरोध खड़े करने के षडयंत्र करेंगी इसके निशान भविष्य की दीवार पर उभरने भी लगे हैं। इसलिये प्रत्येक भारतवासी को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इसके लिये स्वाधीनता दिवस के उत्सव के साथ सावधानी और भविष्य के लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प भी साथ लेना होगा।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक : 6396/30/2024/चयन इंदौर, दिनांक : 07.08.2024

कराधान सहायक परीक्षा-2022
चयन-सूची (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)
पदनाम - कराधान सहायक

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 54/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, **वाणिज्यिक कर विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद - कराधान सहायक के कुल - 100 पद (अनारक्षित-27, अ.जा.-16, अ.ज.जा.-20, अ.पि.वर्ग-27, ई.डब्ल्यू.एस.-10) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित पद-अनारक्षित-09, अ.जा.-05, अ.ज.जा.-07, अ.पि.वर्ग-09, ई.डब्ल्यू.एस.-03 एवं इनमें से भूतपूर्व सैनिक हेतु आरक्षित पद- अनारक्षित-03, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-02, अ.पि. वर्ग-03, ई.डब्ल्यू.एस.-01 (कुल विज्ञापित पदों में से दिव्यांगजन के लिए आरक्षित पद - अस्थिबाधित - निरंक, दृष्टिबाधित-02, श्रवणबाधित-04 एवं बहु-दिव्यांग-निरंक पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **कराधान सहायक परीक्षा-2022 दिनांक 25.02.2024 को** आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 05.04.2024 को घोषित किया गया। उक्त पदों हेतु अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **22.07.2024 से 30.07.2024 तक** आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, वाणिज्यिक कर विभाग से प्राप्त रिक्ति विवरण अनुसार आयोग द्वारा उक्त विज्ञापन क्रमांक 54/2022 दिनांक 30.12.2022 में ही उक्त विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, चयन परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त विज्ञापन में उल्लेखित पद विवरण तालिका में अंकित टीप के परिप्रेक्ष्य में प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात घोषित किया जाएगा।
3. राज्य शासन के उक्त पत्र दिनांक 29.09.2022 के संदर्भ में आयोग द्वारा घोषित उक्त लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 05.04.2024 के पैरा 04 के बिन्दु क्रमांक 02 में उल्लेखित बिन्दु के परिपालन में साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए अभिवचन पत्र के अनुसार मुख्य भाग-87 प्रतिशत एवं प्रावधिक भाग -13 प्रतिशत में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे।
5. अतएव, लिखित परीक्षा + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है -

कराधान सहायक

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	**27**	**16**	**20**	**14**	**10**	**87**
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	9	5	7	5	3	
इनमें से भू.पू. सैनिक के लिए आरक्षित	3	1	2	3	1	
कुल पदों में से दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद						2
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद						4

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat		श्रेणी
1.	111345	SIDDHARTH MITTAL	M	UNR		UNR
2.	109453	ABDUL BARY	M	UNR		OBC
3.	111149	PRAMOD SINGH TOMAR	M	UNR		EWS
4.	106226	POOJA DWIVEDI	F	UNRF		UNR
5.	102444	ASHWIN RATHORE	M	UNR		OBC
6.	102851	RAJKUMAR RAJPUT	M	UNR		UNR
7.	103648	VISHAL SINGH	M	UNR		UNR
8.	111759	DEEPENDRA GURJAR	M	UNR		OBC
9.	109620	RAHUL KUMAR PATEL	M	UNR		OBC
10.	109414	AMIT PATEL	M	UNR		OBC
11.	105890	AKSHAY JAIN	M	UNR		UNR
12.	110912	RAHUL KUMAR YADAV	M	UNR		OBC
13.	106695	RAJ GUPTA	M	EWS		EWS
14.	110051	BHARAT KUMAR SONI	M	OBC		OBC
15.	101469	HARSH ASATI	M	EWS		EWS
16.	102477	SOURABH PARMAR	M	OBC		OBC
17.	109469	SAKSHI TIWARI	F	UNRF		EWS
18.	108671	SHIVANI BASEDIA	F	UNRF		UNR
19.	102763	OMKAR DUBEY	M	EWS		EWS
20.	106185	ANUBHAV GAUTAM	M	EWS		EWS
21.	103128	SHUBHAM PATEL	M	OBC		OBC
22.	101350	NENSI JAIN	F	UNRE		UNR
23.	101826	SHIVANEE MEHAR	F	UNRF		OBC
24.	100717	VANSHIKA WADHWA	F	UNRE		UNR
25.	100665	ARCHNA GOUR	F	UNRF		OBC
26.	103900	RAJUL JAIN	F	UNRF		EWS
27.	100077	SHOBHIT SONI	M	OBC		OBC
28.	102313	SHRASHTI BUNDELA	F	UNRF		UNR
29.	108591	DHURVENDRA KUMAR	M	OBC		OBC
30.	108498	BHARTI BELVANSHI	F	SCF		SC
31.	101327	RUCHIKA MODI	F	EWSF		EWS
32.	110199	PRASHANT PITALE	M	EWS		EWS
33.	107863	PRAJJWAL PANDEY	M	EWS		EWS
34.	102232	HARSHA SOLANKI	F	SCF		SC
35.	107669	PARIDHI SONI	F	OBCF		OBC
36.	106198	NIDHI PANDEY	F	EWSF		EWS
37.	103865	SURYA PANDEY	F	EWSF		EWS
38.	103853	SHWETA PATIDAR	F	OBCF		OBC
39.	107303	SANJANA PATIDAR	F	OBCF		OBC
40.	105777	HIMANSHU GURDE	M	ST		ST
41.	101107	NAVIN MESHRAM	M	SC		SC
42.	107245	MALTEE AHIRWAR	F	SCF		SC
43.	101746	ANSHUL PANWAR	M	SC		SC
44.	108239	PRIYANKA YADAV	F	OBCF		OBC
45.	100699	BHAVNA PANWAR	F	OBCF		OBC
46.	102348	SUNNY DEWAL	M	ST		ST
47.	101898	MONIKA GIRJE	F	SCF		SC
48.	102595	MOHIT SINGH DHURWEY	M	ST		ST
49.	110938	NARESH KUMAR PRAJAPATI	M	SC		SC
50.	100228	SALONI KAJRE	F	SCF		SC
51.	103130	NITIN DAWAR	M	ST		ST
52.	104326	NIVEDIKA TIWARI	F	UNRHD	श्रवणबाधित	UNR
53.	102842	RITESH BANDIYA	M	SC		SC
54.	106361	SANDEEP BHUMARKAR	M	SC		SC
55.	101984	RAJ KAROLE	M	SC		SC
56.	100889	HITESH TAYDE	M	SC		SC
57.	104745	ANKITA ASATI	F	UNRHB	दृष्टिबाधित	UNR
58.	100648	DEVENDRA KUMAR MARKAM	M	ST		ST
59.	103759	SAHIL GAJBHIYE	M	SC		SC
60.	100323	DEEKSHA NIKADJE	F	SC		SC
61.	106456	VAISHNAVI MARKAM	F	STF		ST
62.	104645	MANISHA NARGESH	F	STF		ST
63.	108465	RAKESH KUMRE	M	ST		ST
64.	110175	ROHIT SINGH DHURWEY	M	ST		ST
65.	107349	KULDEEP UIKEY	M	ST		ST
66.	109975	SUYANT SINGH MARAWI	M	ST		ST
67.	103683	NEHA RAIKWAR	F	STF		ST
68.	108448	SAPNA MARAVI	F	STF		ST
69.	111238	ARUN BHAGAT	M	ST		ST
70.	100893	SANJAY RADAL	M	ST		ST
71.	102173	JYOTI MANDLOI	F	STF		ST
72.	109670	DURGESH PRASAD MISHRA	M	UNREx	EX	UNR
73.	106974	SHEETAL ASHKE	F	STF		ST
74.	107615	HEEMA	F	STF		ST
75.	103673	HIMANSHU M DHANDE	M	OBCHB	दृष्टिबाधित	OBC
76.	101943	NEERENDRA SINGH SENGAR	M	UNREx	EX	UNR
77.	101897	KULDEEP BHAWSAR	M	OBCEx	EX	OBC
78.	101551	DHARMRAJ BANDHU LOAT	M	SCHD	श्रवणबाधित	SC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		श्रेणी
1.	110985	BHARAT SINGH CHAUHAN	M		UNR
2.	106641	ABHIJEET SINGH SIKARWAR	M		UNR
3.	105099	SHIVDEEP KUMAR MISHRA	M		UNR
4.	107361	ABHISHEK LODHI	M		UNR
5.	100284	VIPIN VISHWAKARMA	M		OBC
6.	100464	RAHUL SINGH	M		OBC
7.	100964	JAGRITI SINGH	F		UNR
8.	100647	PRIYANKA JAIN PATNI	F		UNR
9.	111393	DEVENDRA SINGH BHADOURIYA	M		EWS
10.	104755	ALOK KUMAR JAIN	M		EWS
11.	102159	RISHIKA MALPANI	F		EWS
12.	106306	SWATI SINGH	F		EWS
13.	102649	PIHU JAISWAL	F		OBC
14.	106587	NIDHI THAKUR	F		OBC
15.	106768	ANIL KAMDE	M		SC
16.	107987	BRAJESH JATAV	M		SC
17.	100217	SHIVI PANTHI	F		SC
18.	110499	ANJALI NERALIYA	F		SC
19.	100242	RANI KANADE	F		SC
20.	102298	NITESH CHAREL	M		ST
21.	100195	DEEPPRAKASH BHURIYA	M		ST
22.	108371	SHUBHAM BHAWEDI	M		ST
23.	109575	REKHA PARASTE	F		ST
24.	103435	REENA DODWE	F		ST
25.	104039	MRADUL AGRAWAL	M	दृष्टिबाधित	UNR
26.	105312	SATYAM	M	दृष्टिबाधित	OBC

टीप -

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हो। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए

(शेष अगले पृष्ठ पर)

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल-462026 (मप्र)

BARKATULLAH VISHWAVIDYALA, BHOPAL- 462026

ADMISSION IN UNIVERSITY TEACHING DEPARTMENTS SESSION 2024-2025

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के शैक्षणिक विभागों में संचालित विभिन्न प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया सत्र 2024-2025) हेतु रिक्त सीटों पर प्रवेश **दिनांक 15.08.2024 तक** जारी हैं। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.bubhopal.ac.in** पर विस्तृत विवरण प्राप्त कर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं।

P.G., U.G. and Diploma/Certificate Courses		
P.G. Course	**U.G. Course**	**P.G. Diploma/Certificate Course**
M.A.: Arabic; Sanskrit; Linguistics; English; Hindi; Persian; Urdu; Education; Psychology; Clinical Psychology; Economics; Geography; History; Sociology; Social Work; Political Science; Women Studies; Human Consciousness & Yogic Science; Sport Psychology **M.Com.:** Commerce **M.Sc.:** Bioscience; Biotechnology; Biochemistry; Genetics; Environmental Science; Limnology; Microbiology; Botany; Agronomy; Zoology; Human Consciousness & Yogic Science; Applied Geology; Geoinformatics; Computer Science; Information Technology; Electronics; Physics; Chemistry; Mathematics **M.F.Sc.:** Applied Aquaculture **M.Sc. (Tech.):** Remote Sensing **LL.M.:** Human Right; Criminal Law	**B.A.** (Hons.) Sociology **B.A.LL.B.** (Hons.) **B.Sc.** (Hons.) Zoology **B.Sc.** Agriculture **B.Sc.** (Hons.) Physics **B.Com.** (Hons.) Commerce **B.B.A.** (Hons.) **BCA** **B.P.E.S.** **B.Voc.** Renewable Energy	**PG Diploma in** ● Modern Arabic Language ● Yoga Therapy ● Stress Management ● Yogic Science ● Guidance and Counselling. ● Animal Resource Management ● Guidance and Counselling ● AI & Machine Learning **Certificate in** ● Modern Arabic Language ● Yogic Science ● Energy Audit & Management

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा, जिसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.bubhopal.ac.in** पर जाकर ऑनलाइन पंजीयन करें। अर्हकारी परीक्षा के परिणाम न आने की स्थिति में प्रविधिक प्रवेश हेतु अंतिम उत्तीर्ण परीक्षा के अंक भरें।

Courses under DET and Department of Higher Education, M.P. Government	
P.G. Course	**U.G. Course**
M.Tech.: Materials Science; Nano-Technology; Computer Science & Engineering; Digital Communication; Product Design; Information Technology **MCA** **MBA** **M. Pharma** **M.P.Ed.**	**B.E.:** Civil Engineering; Computer Science & Engineering; Electronics and Communication Engineering; Information Technology; Mechanical Engineering **B.Pharma** **B.P.Ed.**

Note : 1. For admission to PG and UG courses through Common University Entrance Test CUET (PG and UG)-2024 visit **website : https://www.nta.ac.in**
2. The candidate can apply for online registration on Barkatullah University online portal. Details of admission rules, fee and other informations can be viewed on university **website www.bubhopal.ac.in.**
3. Reservation will be followed as per M.P. Government rules.
4. The University reserves the right to withdraw/change intakes in the Advertised Admission Program.

***New registration open for all U.G. and P.G. Courses (CUET/NON CUET).**

M.P. Madhyam/115763/2024 R-49935/2024 **REGISTRAR**

कार्यालय प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, (अनु. जा.) श्यामला हिल्स, भोपाल

E-mail : petcs.cbpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

क्र./प्रशि/न.क्र.-36/2024/171 **भोपाल, दिनांक : 5.08.2024**

SSC/रेलवे के प्रशिक्षण हेतु नि:शुल्क प्रशिक्षण

कार्यालय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र श्यामला हिल्स भोपाल में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये एस.एस.सी./रेलवे का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिनांक 01.08.2024 से प्रारंभ हो चुका है। संस्थान में प्रवेश हेतु अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान में व्यक्तिगत रूप से आकर या केन्द्र के दूरभाष क्रमांक 0755-2666615 एवं केन्द्र के ई-मेल **petcsc.bpl@gmail.com** पर कार्यालयीन दिवस व कार्यालयीन समय में सम्पर्क कर सकते हैं।

जी-14707/49924/2024 **प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल**

पिछले पृष्ठ का शेष)

बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किए जाने का प्रावधान प्रावधानित है।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. विज्ञापन में वर्णित कुल विज्ञापित पदों में से पद विवरण तालिका में उल्लेखित मुख्य भाग-87 प्रतिशत हेतु विज्ञापित कुल 87 पदों में से भूतपूर्व सैनिक श्रेणी हेतु 10 पद (अनारक्षित-03, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-02, अ.पि. वर्ग-03, ई.डब्ल्यू.एस.-01) विज्ञापित हैं, परन्तु इस श्रेणी के योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने से 07 पद (अनारक्षित-01, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-02, अ.पि. वर्ग-02, ई.डब्ल्यू.एस.-01) रिक्त रहे हैं। कुल विज्ञापित पदों में से दिव्यांग श्रेणी हेतु 06 पद (श्रवणबाधित-04 एवं दृष्टिबाधित-02) विज्ञापित हैं, परन्तु इस श्रेणी के योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने से 02 पद (श्रवणबाधित-02) रिक्त रहे हैं। शासन निर्देश के परिपालन में दिव्यांगजनों के पद रिक्त रहने की स्थिति में अनारक्षित वर्ग के विज्ञापित पदों में से उतने ही पद रिक्त रखे जाने का प्रावधान है। अत: कुल 02 पद दिव्यांगजन के रिक्त पद के विरुद्ध अनारक्षित वर्ग से रिक्त रखे गये। इस प्रकार कुल 07+02=09 पद रिक्त रहे हैं।
5. घोषित चयन परिणाम माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक एस.एल.पी. 12398/2023, मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 5901/2019, याचिका क्रमांक 25181/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। इसी प्रकार ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के चयन की अभ्यर्थिता विज्ञापन के परिशिष्ट-एक में वर्णित कंडिका तीन में उल्लेखित याचिका क्रमांक 2108/2022 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगी।

प्रभारी सचिव

जी-14785/R-49947/2024 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर**

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग), जिला खण्डवा

E-mail : actw.khd@mp.gov.in

क्र./आदिम/निर्माण/2024-25/3506 **खण्डवा, दिनांक : 07.08.2024**

ई-निविदा विज्ञप्ति आमंत्रण

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना (ऑनलाइन ई-निविदा प्रथम आमंत्रण)

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर निविदायें, फार्म 'ए' पर लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से तालिका में अंकित निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की प्रचलित दर अनुसूची (भवन, इलेक्ट्रिफिकेशन कार्य हेतु) जो परियोजना संचालक लोक निर्माण विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा जारी एवं दिनांक 1 जनवरी 2024 से प्रभावशाली है (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) पर निम्नानुसार जोनल निविदाएं वर्ष 2024-25 ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाइन निविदा पत्र विक्रय की **प्रारंभ तिथि 12.08.2024** एवं ऑनलाइन निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि 26.08.2024 तक** है। निविदा की विस्तृत शर्तें, निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारियां **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य अवधि
1.	2024_TWD_360008	जनजातीय सीनियर एवं जूनियर छात्रावासों में लघु निर्माण कार्य, मरम्मत कार्य, परिसम्पत्ति संधारण कार्य एवं निविदा लागत सीमा तक के नवीन निर्माण कार्य।	200.00	2.00	15000.00	लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली/ समतुल्य सक्षम श्रेणी में पंजीकृत	तीन माह
2.	2024_TWD_360009	जनजातीय आश्रमों में लघु निर्माण कार्य, मरम्मत कार्य, परिसम्पत्ति संधारण कार्य एवं निविदा लागत सीमा तक के नवीन निर्माण कार्य।	100.00	1.00	15000.00	लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली/ समतुल्य सक्षम श्रेणी में पंजीकृत	तीन माह
3.	2024_TWD_360010	जनजातीय विभाग द्वारा संचालित हायर सेकेंडरी, हाई-स्कूलों एवं आवासीय विद्यालयों में लघु निर्माण कार्य, मरम्मत कार्य, परिसम्पत्ति संधारण कार्य एवं निविदा लागत सीमा तक के नवीन निर्माण कार्य।	200.00	2.00	15000.00	लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली/ समतुल्य सक्षम श्रेणी में पंजीकृत	तीन माह
4.	2024_TWD_360011	जनजातीय महाविद्यालयीन छात्रावासों में लघु निर्माण कार्य, मरम्मत कार्य, परिसम्पत्ति संधारण कार्य एवं निविदा लागत सीमा तक के नवीन निर्माण कार्य।	100.00	1.00	15000.00	लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली/ समतुल्य सक्षम श्रेणी में पंजीकृत	तीन माह
5.	2024_TWD_360012	अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन, सीनियर एवं जूनियर छात्रावासों में लघु निर्माण कार्य, मरम्मत कार्य, परिसम्पत्ति संधारण कार्य एवं निविदा लागत सीमा तक के नवीन निर्माण कार्य।	100.00	1.00	15000.00	लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली/ समतुल्य सक्षम श्रेणी में पंजीकृत	तीन माह

नोट :-

1. उक्त निविदाओं में ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से भाग लिया जा सकता है ऑनलाइन निविदा प्रपत्र वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** के माध्यम से क्रय किया जा सकता है।
2. दिनांक 12.08.2024 से 26.08.2024 दिनांक तक निविदा प्रपत्र क्रय किया जाकर बिड प्रस्तुत की जा सकती है।
3. वित्तीय प्रस्ताव किसी भी स्थिति में ऑफलाइन मान्य नहीं किया जायेगा एवं ऐसे निविदाकार को अपात्र माना जायेगा।
4. निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर ही किया जायेगा तथा संशोधन में पृथक से समाचार पत्रों में कोई प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
5. ऑनलाइन वेबसाइट में होने वाली किसी भी समस्या के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

Key Dates :-

S.No.	Department Stage	Date	Time
1.	Bid Purchase Start Date	12.08.2024	10.00 am
2.	Bid Submission Start Date	12.08.2024	10.00 am
3.	Bid Purchase and Submission End Date	26.08.2024	18.00 pm
4.	Bid Open Date	28.08.2024	11.00 am

6. समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्तानुसार निर्धारित समय सीमा में निविदा शर्तों अनुसार बिड जमा करें।
7. निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी वेबसाइट एवं कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग में कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है।
8. Check list of Document

कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित **सहायक आयुक्त**

G-14795/R-49948/2024 **जनजातीय कार्य विभाग, जिला खण्डवा**

भारतीय नौसेना

सूचना प्रौद्योगिकी (कार्यपालक शाखा) में अल्प सेवा कमीशन के लिए अविवाहित पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित करता है - जनवरी 25 पाठ्यक्रम

प्रारंभ होने की तिथि 02 अगस्त 24 **ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त 24**

1. भारतीय नौसेना भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए), एझीमाला, केरल में **जनवरी 2025** से शुरु होने वाले विशेष नौसेना अभिमुखन पाठ्यक्रम के अंतर्गत भारतीय नौसेना की सूचना प्रौद्योगिकी (कार्यपालक शाखा) में अल्प सेवा कमीशन प्रदान करने के लिए पात्र अविवाहित पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं. अभ्यर्थी को भारत सरकार द्वारा यथा निर्धारित राष्ट्रीयता की शर्तों को अवश्य पूरा करना चाहिए.

पात्रता शर्तें

2. **शैक्षिक योग्यताएं**

शाखा/काडर	इन तिथियों के बीच पैदा हुआ हो (दोनों तिथियां शामिल)	पात्रता/योग्यताएं	रिक्तियां	लिंग	ऑनलाइन जमा करने की तिथि
एसएससी अधिशासी (सूचना प्रौद्योगिकी)	02 जन. 2000 से 01 जुलाई 2005	अभ्यर्थी के पास X या XII में अंग्रेजी में न्यूनतम 60% अंक हों और निम्नलिखित में से किसी संयोजन में न्यूनतम 60% समग्र अर्हक अंक के साथ नीचे उल्लिखित शैक्षिक योग्यता में से एक हो :- **(क)** एमएससी/बी.ई/बी.टेक/एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान/कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी/कंप्यूटर इंजीनियरी/सूचना प्रौद्योगिकी/सॉफ्टवेयर प्रणाली/साईबर सुरक्षा/प्रणाली प्रशासन एवं नेटवर्किंग/कंप्यूटर प्रणाली एवं नेटवर्किंग/डाटा विश्लेषिकी/कृत्रिम आसूचना) **या** **(ख)** बीसीए/बीएससी (कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी) के साथ एमसीए.	18	पुरुष एवं महिला	**02 अगस्त 2024 से 16 अगस्त 2024**

नोट (1) (क) ये रिक्तियां अस्थायी हैं और प्रशिक्षण स्लॉटों की उपलब्धता के आधार पर बदल सकती हैं.

(ख) एनसीसी अभ्यर्थी : एनसीसी 'सी' प्रमाणपत्र धारकों को एसएसबी के लिए अल्पसूचीयन में कट ऑफ अंकों में 5% की छूट दी जाएगी, बशर्ते कि वे निम्नलिखित मानदंड को पूरा करते हों :

(i) न्यूनतम 'बी' ग्रेड के साथ नौसेना/थल सेना/वायु स्कंध का एनसीसी 'सी' प्रमाणपत्र हो.

(ii) वरिष्ठ प्रभाग, एनसीसी का नौसेना/थल सेना/वायु स्कंध में कम से कम दो अकादमिक वर्ष की सेवा की हो.

(iii) 'सी' प्रमाणपत्र **01 जनवरी 2022** से पहले का न हो.

नोट (2) अंतिम चयन इसकी वैधता के लिए डीजी एनसीसी/संबंधित एनसीसी इकाई द्वारा जारी प्रमाणपत्र के सत्यापन की शर्त पर होगा. असत्य घोषणा, गलत सूचना, सूचना को छिपाने के मामले में चयन/प्रशिक्षण/पोस्ट कमीशनिंग किसी चरण पर व्यक्ति की अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकती है.

3. **चिकित्सा मानदंड/लंबाई एवं वजन में छूट/टैटू:** एसएसबी द्वारा संस्तुत सभी अभ्यर्थियों को उनके प्रवेश के लिए लागू चिकित्सा परीक्षण से गुजरना अपेक्षित है. चिकित्सा मानदंड के लिए दिशानिर्देश भारतीय नौसेना वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध हैं. किसी भी आधार पर चिकित्सा मानदंड में कोई छूट नहीं होगी. किसी भी स्थिति में चिकित्सा अस्पताल/केंद्र के परिवर्तन की अनुमति नहीं है.

4. **कौन आवेदन कर सकता है?**

- वे अभ्यर्थी, जो न्यूनतम 60% अंक या समतुल्य सीजीपीए के साथ स्नातक/स्नातकोत्तर हों या अंतिम वर्ष में हो (नियमित/समेकित)
- ऊपर उल्लिखित के लिए विश्वविद्यालय भारत में केंद्रीय या राज्य विधानमंडल के अधिनियम द्वारा निगमित हो या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित अन्य शैक्षिक संस्थान हो या यूजीसी अधिनियम, 1956; आईआईटी अधिनियम, 1961; एआईसीटीई अधिनियम, 1987; एनआईटीएसईआर अधिनियम, 2007; आईआईआईटी अधिनियम, 2014 के अंतर्गत मानित विश्वविद्यालय/स्वशासी विश्वविद्यालय के रूप में घोषित हो.

या

- वे अभ्यर्थी, जिन्होंने विदेशी विश्वविद्यालय/कॉलेज/संस्थान से न्यूनतम 60% अंक या समतुल्य सीजीपीए के साथ इंजीनियरी की डिग्री प्राप्त की हो (नियमित/समेकित)
- विश्वविद्यालय/कॉलेज/संस्थान एआईयू अधिनियम, 1973 के अंतर्गत स्थापित भारतीय विश्वविद्यालय एसोसिएशन से इस उद्देश्य के लिए या इंजीनियरी डिग्री/समतुल्य प्रमाणपत्र के लिए भारत सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त हो.

नोट (3)

(क) किसी भी चरण पर चयन प्रक्रिया के लिए ऊपर पैरा 2 में उल्लिखित के अलावा बीई/बी.टेक की किसी समतुल्य धारा/अन्य योग्यताओं को वैध नहीं माना जाएगा.

(ख) प्रवेश के लिए अंतिम मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थियों को दिसंबर 24 तक ईमेल पता **officer@navy.gov.in** पर ईमेल भेजकर न्यूनतम 60% अंक के साथ अर्हकारी डिग्री पूरा करने का प्रमाण जमा करना अपेक्षित होगा. निर्धारित शैक्षिक मानदंड को पूरा करने में विफल अभ्यर्थियों को आईएनए, एझीमाला में कार्यग्रहण की अनुमति नहीं होगी. इस संबंध में किसी पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा.

5. **चयन प्रक्रिया: चयन प्रक्रिया इस प्रकार है : -**

(क) आवेदन का अल्पसूचीयन अर्हकारी डिग्री में अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त सामान्यीकृत अंक पर आधारित होगा. अर्हकारी डिग्री में अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंकों को वेबसाइट **https://www.joinindiannavy.gov.in/files/normalisation.pdf** पर उल्लिखित सूत्र का प्रयोग करके सामान्यीकृत किया जाएगा.

(ख) बीई/बी.टेक: बीई/बी. टेक पूरा कर चुके या अंतिम वर्ष वाले अभ्यर्थियों के लिए पांचवें सत्र तक प्राप्त अंकों पर एसएसबी अल्पसूचीयन के लिए विचार किया जाएगा.

(ग) स्नातकोत्तर डिग्री प्रोग्राम : एमएससी/एमसीए/एम.टेक पूरा कर चुके अभ्यर्थियों के लिए सभी सत्रों में प्राप्त अंकों पर विचार किया जाएगा. एमएससी/एमसीए/एम.टेक के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए अंतिम वर्ष के पहले तक प्राप्त अंकों पर विचार किया जाएगा.

(घ) एसएसबी साक्षात्कार के लिए उनके अल्पसूची में शामिल किए जाने की सूचना अल्पसूची में शामिल अभ्यर्थियों को ईमेल या एसएमएस द्वारा दी जाएगी (अभ्यर्थी द्वारा उनके आवेदन पत्र में प्रदत्त). अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे चयन प्रक्रिया पूरा होने तक अपना ईमेल/मोबाइल नंबर नहीं बदलें.

(ड.) परीक्षा/साक्षात्कार के लिए एसएसबी केंद्र के परिवर्तन की किसी भी स्थिति में अनुमति नहीं है.

(च) अभ्यर्थी को एनएचक्यू/डीएमपीआर से एसएमएस/ईमेल से सूचना (अभ्यर्थी द्वारा उनके आवेदन पत्र में प्रदत्त) प्राप्त होने पर बुलावा पत्र डाउनलोड करना होगा. एसएसबी की तिथियों में परिवर्तन के संबंध में कोई पत्राचार बुलावा पत्र प्राप्त होने पर संबंधित एसएसबी के कॉल अप ऑफिसर को संबोधित किया जाए.

(छ) एसएसबी साक्षात्कार के दौरान परीक्षणों के परिणाम स्वरूप किसी चोट के मामले में कोई क्षतिपूर्ति देय नहीं है.

(ज) किसी खास प्रकार के कमीशन के लिए पहली बार शामिल होने के लिए एसएसबी साक्षात्कार के लिए एसी 3 टीयर रेल किराया देय है. अभ्यर्थियों को एसएसबी के लिए शामिल होने के दौरान पास बुक के पहले पृष्ठ या चेक पत्रा की फोटो कॉपी, जिसमें नाम, खाता सं. एवं आईएफएससी ब्यौरा उल्लिखित हो, लाना होगा.

(झ) एसएसबी प्रक्रिया का विवरण भारतीय नौसेना की वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध है.

6. **मेरिट सूची :** मेरिट सूची एसएसबी अंक के आधार पर तैयार की जाएगी. चिकित्सा परीक्षण में फिट घोषित अभ्यर्थियों को पुलिस सत्यापन, चरित्र सत्यापन और प्रवेश में रिक्तियों की उपलब्धता की शर्त पर नियुक्त किया जाएगा.

7. **कमीशन की अवधि:** चयनित अभ्यर्थियों को प्रारंभ में 10 वर्ष के लिए अल्प सेवा कमीशन दिया जाएगा, जिसे अधिकतम 04 वर्ष (02 वर्ष + 02 वर्ष) सेवा अपेक्षा, निष्पादन, चिकित्सा पात्रता और अभ्यर्थियों की इच्छा की शर्त पर बढ़ाया जाएगा.

(शेष अगले पृष्ठ पर)

Computer Proficiency Certification Test
Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation Limited
Exam Registration Opens

MPSEDC/CPCT/Exam/2024/

"म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड"

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु **संविदा/नियमित नियुक्तियों** के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा तिथि : 06 एवं 08 सितम्बर, 2024 **पंजीयन तिथि : 7 अगस्त, 2024 से 19 अगस्त, 2024**

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि : 21 अगस्त, 2024 से 23 अगस्त, 2024

- CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी।
- CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं।
- CPCT नियम पुस्तिका में नि:शक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है।
- CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल **(www.cpct.mp.gov.in)** पर उपलब्ध है।
- मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कम्प्यूटर एवं टाइपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है।
- CPCT परीक्षा का संचालन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान परीक्षा कराने के संबंध में जारी दिशा निर्देशों के अनुसार किया जायेगा।

परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए **आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे।** आवेदक अपना पंजीयन MP-Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

R-49936/2024

मुख्य महाप्रबंधक
मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSeDC)
म.प्र. माध्यम/115772/2024 **स्टेट आई टी सेंटर, 47-A, अरेरा हिल्स भोपाल-462011**

Note : MPSeDC द्वारा प्रदेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।

उद्योगों के सहयोग से मध्यप्रदेश और देश सभी क्षेत्रों में बढ़ेगा आगे

बेंगलुरु, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश निवेश प्रोत्साहन के लिये बेंगलुरु में आयोजित 'राउंड टेबल सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटी इन मध्यप्रदेश' में उद्योगपतियों से संवाद करते हुए कहा कि उद्योगों की स्थापना और उद्यमियों को प्रोत्साहन से मध्यप्रदेश सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसमें उद्योगों का अहम योगदान रहा है। उद्योगों के सहयोग से ही मध्यप्रदेश और भारत प्रधानमंत्री श्री मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना का साकार करेगा। बेंगलुरु में राउंड टेबल सेशन में मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिये अवसर, संभावनाओं और नीतियों पर उद्योगपतियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें उद्योगपतियों ने अपने अनुभव साझा किये। राउंड टेबल सेशन में चेयरमैन नैसकॉम और सीईओ कॉग्निजेंट श्री राजेश नांबियार ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए पर्याप्त अवसर मौजूद हैं। सुकून और शांति के टापू मध्यप्रदेश में उनकी कंपनी निश्चित ही उद्योग स्थापित करेगी।

M.P. RURAL ROAD DEVELOPEMENT AUTHORITY
IIIrd Floor, Vikas Bhavan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011

No.10150/Training/MPRDA/2024 Bhopal, Dated 09.08.2024

NOTICE INVITING TENDER (NIT)

(TWO ENVELOPE BIDDING PROCESS WITH E-PROCUREMENT)

MPRRDA on behalf of MPRRA (Madhya Pradesh Rural Road Academy) invites online item rate Bids for following work as given below on the terms and conditions of the Bidding Document.

S. No.	Description of Equipment	Quantity	Bid Security (in Rs.)	Cost of Bid Document including 18% GST	Consignee
1	Maintenance of Integrated Web Solution of M.P. Rural Road Academy, Bhopal and enhancements therein	As per List attached in RFP	50000/-	5000/-	MPRRA

The Bidding Documents containing detailed terms & conditions is available for free download on e-Procurement Portal **https://mptenders.gov.in** starting from 09.08.2024 from 17.30 hrs.

M.P. Madhyam/115849/2024 **R-49949/2024** **CHIEF GENERAL MANAGER**

एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
क्षेत्रीय कार्यालय, टी व्ही टावर के पास, उद्योग भवन, कटंगा, जबलपुर
फोन : 0761 4004207, 4004209

क्रमांक-एमपी आयडीसी/क्षे.का./तक/2024/2305 जबलपुर, दिनांक : 05.08.2024

द्वितीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पोर्टल **mptenders.gov.in- MPIDC RO Jabalpur** के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	अनुमानित राशि	बयाना राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्यावधि
औद्योगिक क्षेत्र उमरिया डुंगरिया फेस 1 एवं 2 जिला जबलपुर की जल प्रदाय योजना का एक वर्ष की अवधि में संचालन व संधारण करने का कार्य।	रु. 43.80 लाख प्लस जी एस टी अतिरिक्त	रु. 0.88 लाख	रु. 5900/- जीएसटी सहित	01 वर्ष वर्षाकाल सहित

किसी भी निविदा या समस्त निविदायें बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने, निविदा की तिथि बढ़ाने का अधिकार निगम कार्यालय के कार्यकारी संचालक के पास सुरक्षित है। टेंडर डाक्यूमेंट उपरोक्त ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल **mptenders.gov.in** के माध्यम से निर्धारित तिथि तक डाउनलोड व क्रय किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115759/2024 **R-49933/2024** **कार्यकारी संचालक**

(पिछले पृष्ठ का शेष)

8. प्रशिक्षण:

(क) अभ्यर्थियों को सब लेफ्टिनेंट के रैंक में नियुक्ति किया जाएगा.

(ख) चयनित अभ्यर्थियों को नौसेना अकादमी, एझीमाला में छह सप्ताह का नौसेना अभिमुखन पाठ्यक्रम पूरा करना होगा. इसके बाद मौजूदा विनियमनों के अनुसार नौसेना जहाजों और प्रशिक्षण स्थापनाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण होगा.

(ग) केवल अविवाहित अभ्यर्थी ही प्रशिक्षण के लिए पात्र हैं. यदि यह पाया जाता है कि कोई अभ्यर्थी विवाहित है या प्रशिक्षण के दौरान विवाह कर लेता है, तो उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा और वह स्वयं द्वारा आहरित पूरा वेतन एवं भत्ते और सरकार द्वारा अभ्यर्थी पर किया गया अन्य खर्च वापस करने के लिए दायी होगा.

(घ) यदि अभ्यर्थी प्रारंभिक प्रशिक्षण से स्वेच्छा से अपना नाम वापस ले लेता है या परिवीक्षा अवधि के दौरान त्यागपत्र दे देता है, तो उसे सरकार द्वारा यथा निर्धारित पूरा या आंशिक प्रशिक्षण खर्च और सरकारी ऋण के लिए लागू दर से उक्त राशि पर परिगणित ब्याज के साथ सरकार से उनके द्वारा वेतन एवं भत्ते के रूप में प्राप्त राशि वापस करनी होगी.

9. परिवीक्षा अवधि: एसएससी (आईटी) अधिकारियों के लिए परिवीक्षा अवधि दो वर्ष है. परिवीक्षा अवधि की गणना सब लेफ्टिनेंट का रैंक प्रदान करने की तिथि से शुरू होगी और इसका निर्धारण दो वर्ष के बाद या प्रारंभिक प्रशिक्षण पूरा करने (जो भी बाद में हो) होगा. परिवीक्षा अवधि के दौरान किसी चरण पर असंतोषजनक निष्पादन के मामले में कार्यमुक्त कर दिया जाएगा.

10. अधिकारियों के वेतन एवं भत्ते/समूह बीमा एवं ग्रेच्युटी/अवकाश पात्रता/अधिकारियों के कर्तव्य: ब्यौरे भारतीय नौसेना वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध हैं.

11. कैसे आवेदन करें :

अभ्यर्थी 02 अगस्त 24 से नौसेना वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर रजिस्टर करें और आवेदन भरें. आवेदन जमा करने की खिड़की के दौरान समय की बचत के लिए अभ्यर्थी अग्रिम रूप से अपना ब्यौरा भर सकते हैं और प्रलेख अपलोड कर सकते हैं. आवेदन को इस प्रकार ऑनलाइन जमा करना है :-

(क) ई-आवेदन भरते समय निम्नलिखित के लिए संगत प्रलेख तैयार रखने की सलाह दी जाती है :-

(i) व्यक्तिगत विवरण सही भरने के लिए. ब्योरे मैट्रिक प्रमाणपत्र में दिए अनुसार भरा जाना है.

(ii) ईमेल पता, मोबाइल नंबर जैसे क्षेत्र अनिवार्य क्षेत्र हैं और इन्हें भरा जाना है.

(iii) भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा आधार कार्ड.

(ख) सभी संगत प्रलेख (अधिमानतः मूल रूप में), अंक पत्र (अंतिम वर्ष में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए), क्रमशः नियमित एवं समेकित बीई/बी.टेक पाठ्यक्रमों के लिए 5वें एवं 7वें सत्र तक और सभी सत्रों के लिए (उन अभ्यर्थियों के लिए जिन्होंने अपनी डिग्री पूरी कर ली है), जन्म तिथि प्रमाण (10वीं एवं 12वीं प्रमाणपत्र के अनुसार), बीई/बी.टेक के लिए सीजीपीए परिवर्तन सूत्र, राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा जारी एनसीसी 'सी' प्रमाणपत्र और हाल का पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटो आवेदन भरने के समय संलग्न करने के लिए मूल जेपीजी/टीआईएफएफ फॉर्मेट में स्कैन किया जाए. अभ्यर्थी आवेदन का प्रिंट ले लें और एसएसबी साक्षात्कार के लिए शामिल होने के दौरान साथ लाएं.

(ग) यदि कोई स्कैन किया गया प्रलेख किसी कारण से साफ/पठनीय नहीं है, तो आवेदन को अस्वीकृत कर दिया जाएगा.

(घ) एक बार जमा किया गया आवेदन अंतिम होगा और संशोधन/परिवर्तन के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा.

नोट (4): (क) अंतिम रूप से अपना आवेदन जमा करने से पहले वेबसाइट पर दिए गए अनुदेशों को पढ़ें.

(ख) यदि चयन के किसी चरण पर कोई घोषणा गलत पाई जाती है, तो आपकी अभ्यर्थिता निरस्त हो जाएगी.

(ग) स्वापक का प्रयोग/इसे रखना प्रतिबंधित है. एसएसबी चयन/चिकित्सा परीक्षण/प्रशिक्षण और बाद में सेवा के दौरान शरीर में ड्रग्स की जांच के लिए अभ्यर्थियों का परीक्षण किया जाएगा. यदि चयन/ चिकित्सा परीक्षण/प्रशिक्षण/ सेवा के दौरान किसी समय स्वापक का प्रयोग/रखना पाया जाता है, तो अभ्यर्थी को भारतीय नौसेना में कार्यग्रहण से वारित कर दिया जाएगा या यदि कार्यग्रहण कर चुके हैं, तो सेवा से निकाल दिया जाएगा.

(घ) आपका आवेदन बाद में पूरी छानबीन की शर्त पर है और यदि किसी समय अयोग्य/अवैध पाया जाता है तो आवेदन को अस्वीकृत कर दिया जाएगा.

(नोट : ऑनलाइन आवेदन करने के लिए इस क्यूआर कोड को स्कैन करें)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 6113/30/2022/चयन इन्दौर, दिनांक : 01.08.2024

राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021

चयन सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

पदनाम - सहायक यंत्री (विद्युत) एवं सहायक यंत्री (विद्युत/यांत्रिकी)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 16/2021 दिनांक 30.12.2021 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में अद्यतन पदों के विवरण हेतु जारी शुद्धिपत्र क्रमांक 07/16/2021 दिनांक 11.08.2023 के बिन्दु क्रमांक 02 में वर्णित तालिका अनुसार म.प्र. शासन के विभिन्न 04 विभागों के पदनाम - सहायक यंत्री (विद्युत), सहायक यंत्री (विद्युत/यांत्रिकी) एवं सहायक यंत्री (यांत्रिकी) के कुल 41 पद विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए आयोग द्वारा, राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021 दिनांक 03.07.2022 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 04.11.2022 एवं अतिरिक्त परीक्षा परिणाम दिनांक 30.11.2022 एवं 12.08.2023 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 10.7.2024 से 12.07.2024 तक आयोजित किए गए हैं।

2. आयोग द्वारा उक्त घोषित लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 04.11.2022 के पैरा-4 के ऊपर वर्णित * में उल्लेखित बिन्दु के परिप्रेक्ष्य में उक्त पैरा में उल्लेखित कुल विज्ञापित पदों में से लोक निर्माण विभाग के लिए विज्ञापित कुल पद संख्या - 28 एवं मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के लिए विज्ञापित कुल पद संख्या - 02 के लिए उक्त परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों को सम्मिलित करते हुए पद हेतु पात्रताधारित अभ्यर्थियों की अग्रमान्यता के आधार पर अंतिम चयन परिणाम तैयार किया गया है।
3. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में शासन के संबंधित विभिन्न विभागों से प्राप्त रिक्ति विवरण अनुसार आयोग द्वारा जारी शुद्धिपत्र क्रमांक 07/16/2021 दिनांक 11.08.2023 के बिन्दु क्रमांक 03 एवं 04 में वर्णित तालिका अनुसार उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 16/2021 दिनांक 30.12.2021 के अंतर्गत विज्ञापित कुल पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 11.08.2023 में उल्लेखित टीप के परिप्रेक्ष्य में प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।
4. राज्य शासन के उक्त पत्र दिनांक 29.09.2022 के संदर्भ में आयोग द्वारा घोषित उक्त लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 04.11.2022 के पैरा 04 के बिन्दु क्रमांक 05 में उल्लेखित बिन्दु के परिपालन में साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए अभिवचन पत्र के अनुसार मुख्य भाग-87 प्रतिशत एवं प्रावधिक भाग -13 प्रतिशत में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे।
5. अतएव, लिखित परीक्षा + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम में से आवेदकों से प्राप्त अग्रमान्यता के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की विभागवार चयन सूची घोषित की जाती है -

सहायक यंत्री (विद्युत/यांत्रिकी) (लोक निर्माण विभाग)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई. डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	7	4	6	4	3	24
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	2	1	2	2	1	

कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांजगनों के लिए आरक्षित पद	1
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांजगनों के लिए आरक्षित पद	1

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	123765	NIVESH SHARMA	M	UNR	UNR
2.	122814	VESTA KANESH	M	UNR	ST
3.	124935	SHYAM SINGH PATEL	M	UNR	OBC
4.	123534	VIVEK BILAVADIYA	M	OBC	OBC
5.	125673	MINI GUPTA	F	UNRF	UNR
6.	124871	SHANU MAJUMDAR	M	EWS	EWS
7.	122922	SHUBHAM	M	OBC	OBC
8.	123829	CHAITRALI DHOK	F	UNRF	OBC
9.	125717	PANKAJ SHARMA	M	EWS	EWS
10.	125193	NEELAM KUSHWAHA	F	OBCF	OBC
11.	125088	MANSI SINGH	F	OBCF	OBC
12.	125032	RAHUL KUMAR BHARDWAJ	M	SC	SC
13.	123443	ASHUTOSH TANWER	M	SC	SC
14.	125500	NAWAB PARIHAR	M	SC	SC
15.	122875	PRIYANKA AGARWAL	F	EWSF	EWS
16.	122736	MULIRAM SOLANKI	M	ST	ST
17.	123557	SHREYANSH UIKEY	M	ST	ST
18.	122953	AKSHAY THAKUR	M	ST	ST
19.	123050	KRASHNKANT UIKE	M	ST	ST
20.	123210	PINKY BAMNIYA	F	STF	ST
21.	125718	DEEKSHA RAJORIA	F	SCF	SC
22.	125092	AKANSHA UIKEY	F	STF	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	125084	VIKRANT KUMAR BRAHMAN	M	UNR
2.	125245	KARTIK KUMAR PAROHA	M	UNR
3.	123720	LEKHRAJ NAGAR	M	OBC
4.	123664	DEEPAK PATEL	M	OBC
5.	122719	AMIT TIWARI	M	EWS
6.	123573	NARENDRA KUMAR SHUKLA	M	EWS
7.	123834	RITU SINGH	F	OBC
8.	122849	RUPAL SHRIVASTAVA	F	UNR
9.	123750	SARIKA SAHU	F	OBC
10.	124727	ANKITA PATEL	F	OBC
11.	122673	DEEPAK DAS	M	SC
12.	124257	VIRENDRA SINGH BAGRI	M	SC
13.	124530	SWAPNIL KUMAR	M	ST
14.	122750	RAJKUMAR BAGHEL	M	ST
15.	125494	RINKEE GUPTA	F	EWS
16.	123649	SUMIT KUMAR ARMO	M	ST
17.	125380	SURESH KUMAR JAMURE	M	ST
18.	134698	VARSHA GHORE	F	SC

सहायक यंत्री (विद्युत) (म.प्र.गृ.नि एवं अ.वि. मंडल)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ईडब्ल्यूएस.	योग
कुल पदों की संख्या	1	0	0	1	0	2

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	125084	VIKRANT KUMAR BRAHMAN	M	UNR	UNR
2.	123720	LEKHRAJ NAGAR	M	OBC	OBC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	123911	SOMESH SINGH THAKUR	M	OBC
2.	123884	BHARAT HARI SHIVHARE	M	OBC

टीप :–

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किए जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. घोषित चयन परिणाम माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक एस.एल.पी. 12398/2023, मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 5901/2019, याचिका क्रमांक 25181/2019, याचिका क्रमांक 11397/2022 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। इसी प्रकार ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के चयन की अभ्यर्थिता शुद्धिपत्र दिनांक 20.05.2022 में उल्लेखित याचिका क्रमांक 2108/2022 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगी।
5. कुल विज्ञापित पदों में से शुद्धिपत्र दिनांक 11.08.2023 में उल्लेखित मुख्य भाग-87 प्रतिशत हेतु विज्ञापित लोक निर्माण विभाग के कुल 24 पदों में से 02 पद दिव्यांग श्रेणी (अस्थिबाधित के लिए-01 एवं श्रवणबाधित के लिए-01) हेतु विज्ञापित है, परन्तु दिव्यांग श्रेणी हेतु पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण (अस्थिबाधित-01 एवं श्रवणबाधित-01 पद) कुल 02 पद रिक्त रहे हैं। शासन निर्देश के परिपालन में दिव्यांगजनों के पद रिक्त रहने की स्थिति में अनारक्षित वर्ग के विज्ञापित पदों में से उतने ही पद रिक्त रखे जाने का प्रावधान है। अतः कुल 02 पद दिव्यांगजनों के रिक्त पद के विरुद्ध अनारक्षित वर्ग से रिक्त रखे गए हैं।

सचिव
म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर

जी-14493/49912/2024

कौशल विकास संचालनालय म.प्र.

विज्ञप्ति

म.प्र. राज्य एवं राज्य के बाहर के इच्छुक आवेदक विभाग के पोर्टल (**www.dsd.mp.gov.in**) पर ''प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2024'' पर जाकर रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटिसुधार एवं च्वाईस फिलिंग कर सकेंगे। पूर्व से रजिस्टर्ड अप्रवेशित आवेदकों को भी सूचित किया जाता है कि वे रिक्त सीटों के अनुरूप नवीन च्वाईस फिलिंग अवश्य करें। निर्धारित समय सारणी अनुसार प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटिसुधार एवं च्वाईस फिलिंग के लिए पोर्टल पर प्रक्रिया दिनांक 07.08.2024 से पुनः प्रारंभ की जा रही है।

म.प्र. की शासकीय/प्रायवेट आईटीआई में प्रवेश 2024 हेतु आगामी समय चक्र

स.क्र.	गतिविधियां	तिथियां
1.	ओपन (कन्वर्जन) राउण्ड - म.प्र. राज्य एवं राज्य के बाहर के आवेदकों द्वारा प्रवेश पोर्टल पर आवेदन हेतु नवीन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटि सुधार। इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम का चयन करना/इच्छित संस्थाओं में प्राथमिकता के क्रम में त्रुटि सुधार (च्वाईस लॉक करने के पूर्व तक)	07.08.2024 से **14.08.2024**
2.	कामन रैंक आवेदकों के लॉगिन पर प्रदर्शित की जायेगी।	16.08.2024
3.	कामन रैंक में यदि प्राप्तांकों में त्रुटि हो तो सुधार हेतु आवेदकों द्वारा ईमेल mpiticounselling2024@gmail.com के माध्यम से सायं 05 बजे तक त्रुटि सुधार किया जा सकेगा। आवेदक द्वारा रजिस्ट्रेशन क्रमांक एवं संबंधित अंकसूची संलग्न करना अनिवार्य होगा।	17.08.2024 से 19.08.2024
4.	पंचम चयन सूची ओपन (कन्वर्जन) राउण्ड समस्त सीटों के कन्वर्जन सहित एवं राज्य के बाहर के आवेदकों को जोड़ते हुए मेरिट सूची जारी करना।	21.08.2024
5.	पंचम चयन सूची के आवेदकों का प्रवेश। सीटों के कन्वर्जन सहित।	22.08.2024 से 24.08.2024

प्रवेश पोर्टल पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करें

फोन नं. : 9171257462, 8982018733, 9111749057, **ई-मेल :** mpliticounselling2024@gmail.com

संयुक्त संचालक
कौशल विकास संचालनालय, म.प्र.

जी-14602/49916/2024

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 6112/29/2022/चयन इन्दौर, दिनांक : 01.08.2024

राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021

चयन सूची (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

पदनाम - सहायक यंत्री (यांत्रिकी) एवं सहायक यंत्री (विद्युत/यांत्रिकी)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 16/2021 दिनांक 30.12.2021 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में अद्यतन पदों के विवरण हेतु जारी शुद्धिपत्र क्रमांक 07/16/2021 दिनाक 11.08.2023 के बिन्दु क्रमांक 02 में वर्णित तालिका अनुसार म.प्र. शासन के विभिन्न 04 विभागों के पदनाम - सहायक यंत्री (विद्युत), सहायक यंत्री (विद्युत/यांत्रिकी) एवं सहायक यंत्री (यांत्रिकी) के कुल 41 पद विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए आयोग द्वारा, राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021 दिनांक 03.07.2022 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 04.11.2022 एवं अतिरिक्त परीक्षा परिणाम दिनांक 30.11.2022 एवं 12.08.2023 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 28.08.2023 एवं 10.07.2024 से 12.07.2024 तक आयोजित किए गए हैं।

2. आयोग द्वारा उक्त घोषित लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 04.11.2022 के पैरा-4 के ऊपर वर्णित * में उल्लेखित बिन्दु के परिप्रेक्ष्य में उक्त पैरा में उल्लेखित कुल विज्ञापित पदों में से जल संसाधन विभाग के लिए विज्ञापित कुल पद संख्या - 06 एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के लिए विज्ञापित कुल पद संख्या 05 (6+5=11) के लिए शैक्षणिक अर्हता विद्युत/यांत्रिकी विषय में होने के कारण दोनों ही विषयों के लिखित परीक्षा में पात्र अभ्यर्थियों को निम्नांकित पदों के लिए सम्मिलित किया जाकर अंतिम चयन परिणाम तैयार किया गया है।
3. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में शासन के संबंधित विभिन्न विभागों से प्राप्त रिक्ति विवरण अनुसार आयोग द्वारा जारी शुद्धिपत्र क्रमांक 07/16/2021 दिनांक 11.08.2023 के बिन्दु क्रमांक 03 एवं 04 में वर्णित तालिका अनुसार उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 16/2021 दिनांक 30.12.2021 के अंतर्गत विज्ञापित कुल पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 11.08.2023 में उल्लेखित टीप के परिप्रेक्ष्य में प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।
4. राज्य शासन के उक्त पत्र दिनांक 29.09.2022 के संदर्भ में आयोग द्वारा घोषित उक्त लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 04.11.2022 के पैरा 04 के बिन्दु क्रमांक 05 में उल्लेखित बिन्दु के परिपालन में साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए अभिवचन पत्र के अनुसार मुख्य भाग-87 प्रतिशत एवं प्रावधिक भाग -13 प्रतिशत में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे।
5. अतएव, लिखित + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम में से आवेदकों से प्राप्त अग्रमान्यता के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की विभागवार चयन सूची घोषित की जाती है -

सहायक यंत्री (यांत्रिकी) (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई. डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	3	0	2	0	0	5
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	0	1	0	0	
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद						1

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat		श्रेणी
1.	128157	AYUSH AGRAWAL	M	UNR		UNR
2.	127716	PRACHI SAHU	F	UNRF		OBC
3.	126279	SOURABH THAKUR	M	ST		ST
4.	127369	MITASHA NARNOURE	F	STF		ST
5.	126391	SANDEEP KUMAR TRIPATHI	M	UNRHD	श्रवणबाधित	UNR

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	127710	KISHAN KUMAR SONI	M	OBC
2.	128469	ANKITA DUBEY	F	UNR
3.	127139	DEEP NARAYAN VERMA	M	ST
4.	127705	POOJA ARMO	F	ST

सहायक यंत्री (विद्युत/यांत्रिकी) (जल संसाधन विभाग)

पद विवरण तालिका (मुख्य माग 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	2	1	1	1	0	5
इनमें से महिलाओं को लिए आरक्षित पद	1	0	0	1	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	127710	KISHAN KUMAR SONI	M	UNR	OBC
2.	127087	RICHA PATHAK	F	UNRF	UNR
3.	128837	MALESH PARA	M	SC	SC
4.	128994	SOMYA YADAV	F	OBCF	OBC
5.	127712	NISHANT MARAVI	M	ST	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	127609	NITIN BANKEY	M	OBC
2.	126733	RAJBIR SINGH	M	SC
3.	126716	UNEZA KHAN	F	UNR
4.	123829	CHAITRALI DHOK	F	OBC
5.	126327	YOGITA MORE	F	ST

टीप -

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किए जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा ।
4. घोषित चयन परिणाम माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक एस.एल.पी. 12398/2023, मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 5901/2019, याचिका क्रमांक 25181/2019, याचिका क्रमांक 11397/2022 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। इसी प्रकार ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के चयन की अभ्यर्थिता शुद्धिपत्र दिनांक 20.05.2022 में उल्लेखित याचिका क्रमांक 2108/2022 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगी।

सचिव

जी-14445/49911/2024 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर

कार्यालय प्राचार्य जीजा माता शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय

रेणुका माता मंदिर के पास बुरहानपुर (म.प्र.)

Phone/Fax - 07325-241126, E-mail - gwpbpr@rediffmail.com, www.jmgpcburhanpur.org

क्रमांक/स्था./2024/587 बुरहानपुर, दिनांक : 22.07.2024

विज्ञप्ति

(विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु वॉक-इन-इन्टरव्यू)

कार्यालय आयुक्त तकनीकी शिक्षा संचालनालय मध्यप्रदेश के पत्र क्रमांक/स्था./3/डी/2024/741 भोपाल दिनांक 10.06.2024 एवं क्रमांक/स्था./3/डी/2024/939 भोपाल दिनांक 18.07.2024 के निर्देशानुसार इस संस्था हेतु दिव्यांगजनों के लिए चिन्हांकित निम्नलिखित रिक्त पदों की पूर्ति वॉक-इन-इन्टरव्यू के माध्यम से किये जाने के लिए निर्धारित योग्यता एवं शैक्षणिक अर्हता रखने वाले मध्यप्रदेश के मूल निवासी एवं रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीकृत दिव्यांगजन आवेदकों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र एवं मूल दस्तावेज के साथ **दिनांक 12.08.2024 को दोपहर 02 बजे तक** स्वयं उपस्थित होंवे। आवेदनों की छानबीन उपरांत दोपहर 02.00 बजे से पात्र उम्मीदवारों को साक्षात्कार लिया जावेगा। पदों का विवरण एवं शैक्षणिक योग्यता निम्नानुसार है -

स. क्र.	विज्ञापित पद का नाम	वेतनमान	पदों की संख्या	श्रेणी	शैक्षणिक अर्हता
1.	मानचित्रकार	25300-80500/- (सातवां वेतनमान)	01	तृतीय श्रेणी (अलिपिकीय) दृष्टिबाधित और कम दृष्टिबाधित	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/मण्डल से सिविल/मेकेनिकल/इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में प्रथम श्रेणी की पत्रोपाधि या समकक्ष पत्रोपाधि तथा ऑटोकेड और स्टड प्रशिक्षित उम्मीदवार को उपर्युक्त शैक्षणिक योग्यता के साथ प्राथमिकता।
2.	प्रयोगशाला तकनीशियन	25300-80500/- (सातवां वेतनमान)	01	तृतीय श्रेणी (अलिपिकीय) ऑटिज्म	किसी मान्यता प्राप्त वि.वि./मंडल से इंजीनियरिंग की मेकेनिकल इंजी. शाखा में कम से कम प्रथम श्रेणी की पत्रोपाधि

आवश्यक शर्तें :–

1. आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिये।
2. आवेदक का रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
3. अन्य शासकीय विभाग में कार्यरत शासकीय कर्मचारी द्वारा उसके नियुक्ति अधिकारी का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. आवेदक द्वारा समस्त प्रमाण पत्रों की स्व-प्रमाणित/सक्षम अधिकारी द्वारा सत्यापित छायाप्रतियों के 02 सेट साक्षात्कार के समय अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। प्रमाण पत्रों के अभाव में आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया डिजिटल जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
5. पासपोर्ट आकार के 02 नवीनतम रंगीन फोटो अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे।
6. सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक सी/3-11/12/1/3 भोपाल दिनांक 03 नवम्बर 2012 के अनुसार दिनांक 01.01.2024 की स्थिति में आवेदक की आयु अधिकतम 40 वर्ष एवं न्यूनतम 18 वर्ष होना अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार 05 वर्ष की छूट का प्रावधान है।
7. यदि आवेदक की दो से अधिक जीवित संताने हैं एवं जिसमें से एक संतान का जन्म 26.01.2001 या उसके पश्चात हुआ है, तो ऐसे आवेदक शासन के निर्देशानुसार नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।
8. कोई उम्मीदवार जिसने शासन द्वारा विवाह के लिये नियत की गई न्यूनतम आयु के पूर्व विवाह कर लिया हो वे नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। महिला उम्मीदवार शासन द्वारा विवाह हेतु निर्धारित न्यूनतम उम्र 18 वर्ष एवं पुरुष उम्मीदवार के लिये 21 वर्ष है।
9. चयन के मामले में चयन समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा। विज्ञप्ति के पदों पर नियुक्ति करने अथवा न करने का अधिकार संस्था प्रमुख के पास सुरक्षित होगा।
10. मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के पत्र क्र.सी 3-13/2019/3/एक, दिनांक 12.12.2019 के अनुसार नियुक्त 03 वर्ष की परीविक्षा अवधि पर परिपत्र अनुसार वेतनमान के न्यूनतम का प्रथम वर्ष 70 प्रतिशत द्वितीय वर्ष 80 प्रतिशत तृतीय वर्ष 90 प्रतिशत राशि स्टायफण्ड के रूप में देय होगी। परिवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर वेतनमान में वेतन दिया जाना प्रारंभ किया जावेगा।
11. आवेदक को नियमानुसार जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रारूप में विकलांगता/निःशक्तता का प्रमाण पत्र जिसमें विकलांगता/निःशक्तता का प्रतिशत स्पष्ट दर्शाया गया हो प्रमाण पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करना होगा। सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ-8-3/2013/आ.प्र./एक भोपाल, दिनांक 17 जुलाई 2014 के अनुसार निःशक्तता प्रमाण पत्रों का परीक्षण संबंधित जिले के जिला मेडिकल बोर्ड से कराया जावेगा। जांच में यदि 40 प्रतिशत या अधिक निःशक्तता पायी जाती है तभी उम्मीदवार को कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति होगी। किसी भी अन्य प्रकार के प्रमाण पत्र को स्वीकार नहीं किया जावेगा।
12. उम्मीदवार को संबंधित पद की उपयुक्तता के लिये अधीक्षक भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा विकलांगों हेतु व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र नेपियर टाउन जबलपुर द्वारा विकलांगता सह उपयुक्तता प्रमाण पत्र प्राप्त करने पश्चात ही नियुक्ति की जावेगी।
13. पदों, शैक्षणिक अर्हता, अनुभव एवं आयु से संबंधित विस्तृत जानकारी का आवेदन पत्र का प्रारूप का प्राचार्य, शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रेणुका माता मंदिर के वेबसाइट **www.jmgpcburhanpur.org** डाउनलोड किया जा सकता है।
14. उपरोक्त शर्तों के अतिरिक्त शासन के प्रचलित नियम/निर्देश यथावत लागू रहेंगे।

जीजा माता शास. पॉली. महाविद्यालय

जी-14616/49918/2024 बुरहानपुर (म.प्र.) 450331

स्कूल शिक्षा विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (म.प्र.)
राज्य शिक्षा केंद्र

पुस्तक भवन, बी-विंग, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
दूरभाष : (0755) 2768390, 91, 92, 94, 95 फैक्स : 2552363, 2760561

क्रमांक/राशिके/NMMSS/2024/1711 भोपाल, दिनांक : 2.08.2024

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून प्रवेश परीक्षा दिसम्बर 2024

1. राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून, रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला अंतः सेवा शिक्षण संस्थान है यह कॉलेज 1922 में स्थापित हुआ था और इसका प्रमुख लक्ष्य छात्र एवं छात्राओं को सम्पूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।
2. राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में आठवीं कक्षा में प्रवेश पाने के लिए **छात्र एवं छात्राएं दोनों आवेदन करने के पात्र हैं।** प्रवेश केवल आठवीं कक्षा में ही होता है। जुलाई, 2025 के सत्र में प्रवेश के लिए परीक्षा, देश के चुनिन्दा शहरों में **01 दिसम्बर 2024 (रविवार)** को आयोजित की जायेगी।
3. **आयु सीमा -** जुलाई 2025 सत्र में प्रवेश पाने के लिए उम्मीदवार की आयु 01 जुलाई 2025 को 11-1/2 वर्ष से कम और 13 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उम्मीदवार का जन्म 02 जुलाई 2012 से पहले और 01 जनवरी 2024 के बाद नहीं होना चाहिए।
4. **शैक्षिक योग्यता -** राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून के जुलाई 2025 सत्र में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को प्रवेश के समय अर्थात 01 जुलाई 2025 को किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से सातवीं कक्षा में अध्ययनरत या सातवीं कक्षा पास किया होना जरूरी है।
5. **परीक्षा की रूपरेखा -** परीक्षा की रूपरेख इस प्रकार है :–
   (क) **लिखित परीक्षा -** गणित, (09.30-11.00 बजे तक) और सामान्य ज्ञान (12.00-13.00 बजे तक) और अंग्रेजी (14.30-16.30 बजे तक) 01 दिसम्बर 2024 (रविवार) को होगी।
   (ख) **मौखिक परीक्षा -** मौखिक परीक्षा की तारीख बाद में बताई जायेगी। मौखिक परीक्षा में परीक्षार्थी के बौद्धिक ज्ञान तथा व्यक्तित्व का परीक्षण किया जायेगा। मौखिक परीक्षा केवल उन्हीं उम्मीदवारों का होगा जो लिखित परीक्षा में पास होंगे।
   (ग) **स्वास्थ्य परीक्षण -** मौखिक परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को चुने हुए सैनिक अस्पतालों में स्वास्थ्य परीक्षण करवाना होगा। जिन उम्मीदवारों को स्वास्थ्य ठीक पाया जाएगा केवल उन्हीं को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज में प्रवेश के लिए चुने जाने पर विचार किया जाएगा। उम्मीदवारों का स्वास्थ्य परीक्षण चयन प्रणाली का एक अंग है। इसका अर्थ यह नहीं लगाना चाहिए कि उम्मीदवार को अंतिम रूप से चुन लिया गया है। उम्मीदवार को तब तक अंतिम रूप से चुन लिया गया नहीं समझना चाहिए, जब तक इस संबंध में प्रवेशाधिकार निर्देश जारी नहीं हो जाते हैं और उन्हें राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में दाखिले के लिए चुने जाने की सूचना नहीं मिल जाती है।
   (घ) केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चे लिखित परीक्षा एवं मौखिक परीक्षा संबंधित कर्मचारी की पोस्टिंग राज्य/मूल अधिवास राज्य में दे सकते हैं। उनके अधिवास राज्य का निर्धारण उनके मूल अधिवास राज्य के अनुसार होगा एवं उनकी उम्मीदवारी भी उनके मूल अधिवास राज्य के अनुरूप होगी। आवेदन पत्र उसी राज्य में जमा करना अनिवार्य है जहां से उम्मीदवार परीक्षा देना चाहता है।
   (ड) मौखिक परीक्षा केवल उन्हीं उम्मीदवारों का होगा जो लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे। इन उम्मीदवारों की सूची सभी राज्य सरकारों को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज के द्वारा भेजी जाएगी।
   (च) परीक्षा परिणाम आर.आई.एम.सी. की वेबसाइट **www.rimc.gov.in** में अपडेट होता है, जिसकी जांच करने की जिम्मेदारी उम्मीदवार की होगी।
6. **परीक्षा केन्द्र -** परीक्षा का केन्द्र म.प्र. राज्य के लिए प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान भोपाल (पूर्व में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय) पी.जी.बी.टी. कैम्पस बैरसिया रोड, भोपाल पिन-462038 (फोन नं. 0755-2735228) होगा।
7. **शुल्क -** वार्षिक शुल्क प्रथम वर्ष को छोड़कर सामान्य जाति के उम्मीदवारों के लिए रुपये 98650/- एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए रुपये 81850/- होता है। शुल्क समय-समय पर बढ़ सकता है। प्रथम वर्ष के वार्षिक शुल्क का विवरण इस प्रकार है।

क्रम संख्या	उम्मीदवार के प्रकार	वार्षिक शुल्क	जमानत राशि (प्रत्यर्पणीय)	कुल राशि	टिप्पणियां
(अ)	सामान्य जाति के उम्मीदवार	98650/-	50000/-	148650/-	जमानत के रूप में 50,000/- रुपये जमा राशि कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद वापस की जाती है।
(ब)	अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार	81850/-	50000/-	131850/-	जमानत के रूप में 50,000/- रुपये जमा राशि कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद वापस की जाती है।

8. **आवेदन पत्र -** आवेदन पत्र और विवरण-पत्रिका एवं पुराने प्रश्नपत्र राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, गढ़ी कैन्ट, देहरादून से प्राप्त कर सकते हैं :–
   (क) **ऑनलाइन भुगतान के द्वारा :–** आवेदन पत्र और विवरण-पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र के एक सेट के लिए सामान्य जाति के उम्मीदवार रु. 600/- एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार 555/- आर.आई. एस.सी. की वेबसाइट **www.rimc.gov.in** से ऑनलाइन भुगतान करके भी प्राप्त कर सकते हैं। (भुगतान प्राप्त होने के बाद, आवेदन पत्र और विवरण-पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र स्पीड पोस्ट से भेजे जायेंगे)। **या**
   (ख) **डिमांड ड्राफ्ट के द्वारा** आवेदन पत्र और विवरण पत्रिका एवं पुराने प्रश्न पत्र के एक सेट के लिए सामान्य जाति के उम्मीदवार रु. 600/- एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार 555/- का बैंक ड्राफ्ट **कमांडेट, राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून** के नाम से भुगतान करके प्राप्त किया जा सकता है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के उम्मीदवार के लिए जाति प्रमाण पत्र की सत्यापित छायाप्रति भेजना अनिवार्य है। आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट से भेजा जायेगा। आवेदक अपना पत्र व्यवहार का पूरा पता अंकित/हस्तलिखित रूप से अंग्रेजी में, पोस्टल पिनकोड तथा फोन नंबर के साथ लिखकर भेजे। अपठनीय, अपूर्ण पता तथा डाक विलंब/नुकसान का उत्तरदायी राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून नहीं होगा।

नोट :-
- केवल राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज से प्राप्त आवेदन-पत्र ही मान्य होंगे। बाजार में मिलने वाले या फोटोकॉपी किए गए तथा बिना होलोग्राम (मुहर) के आवेदन पत्रों की मान्यता नहीं होगी।
- आवेदन शुल्क की वापसी किसी भी दशा में नहीं होगी।

9. **दस्तावेज :–** आवेदन पत्र (दो प्रतियों में) निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ जमा होगा।
   (क) जन्म प्रमाण-पत्र (नगर निगम, ग्राम पंचायत से)।
   (ख) मूल निवासी प्रमाण-पत्र।
   (ग) अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का प्रमाण-पत्र।
   (घ) प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित वर्तमान कक्षा में अध्ययनरत का मूल रूप में फोटो सत्यापित किया हुआ प्रमाण-पत्र।
   (ड) आवेदन-पत्र के साथ उम्मीदवार का आधार कार्ड जमा करना अनिवार्य है। जमा न कर पाने पर उम्मीदवार का आवेदन पत्र रद्द कर दिया जायेगा।
   (च) दो पासपोर्ट आकार कि फोटो।
10. **अंतिम तिथि - आवेदन पत्र 30 सितम्बर 2024 तक** अथवा उसके पहले उस राज्य सरकार (जैसा की प्रेस नोट में उल्लेखित किया गया हो) तक पहुंच जाना चाहिए। जहां उम्मीदवार के माता-पिता अथवा अभिभावक स्थाई रूप से रहते हैं। कृपया ध्यान दें कि **आवेदन पत्र दो प्रतियों में भरकर मध्यप्रदेश राज्य के लिए प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान भोपाल (पूर्व में शासकीय शिक्षा महाविद्यालय) पी.जी.बी.टी. कैम्पस बैरसिया रोड भोपाल पिन-462038 के पास पहुंच जाने चाहिए। राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज देहरादून एवं राज्य शिक्षा केन्द्र को आवेदन पत्र न भेजें।**

संचालक
जी-14608/49917/2024 **राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल**

संचालनालय आयुष, म.प्र.
(भू-तल ''डी'' विंग, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004)

Office (0755) 2571643, Fax : (0755) 2760255, 2551527
E-mail : samayaayush.mp@mp.gov.in, www.ayush.mp.gov.in

पं. उद्धवदास मेहता वैद्य शास्त्री आयुर्वेद सेवा सम्मान पुरस्कार

पं. उद्धवदास मेहता वैद्य शास्त्री आयुर्वेद सेवा सम्मान पुरस्कार वर्ष 2023 हेतु नामांकन आमंत्रित किए जाते हैं। यह सम्मान मध्यप्रदेश के आयुष विभाग द्वारा आयुर्वेद विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया जावेगा। आयुर्वेद क्षेत्र में उत्कृष्ट चिकित्सीय कार्य/अनुसंधान/नवाचार कार्य करने वाले मध्यप्रदेश के संस्थान/संगठन/व्यक्ति यह सम्मान प्राप्त करने हेतु पात्र होंगे।

यह सम्मान **रुपये 1,00,000/- शब्दों में (एक लाख)** नगद राशि एवं प्रमाण-पत्र के रूप में दिया जावेगा। पुरस्कृत होने वाले व्यक्ति/संस्था/संगठन का चयन, पुरस्कार चयन समिति द्वारा पुरस्कार अनुशंसा समिति की अनुशंसा पर विचारोपरांत लिये गये निर्णय के आधार पर दिया जावेगा। जिन संस्थाओं/व्यक्तियों का नामांकन दो वर्ष पूर्व में संचालनालय आयुष में प्रस्तुत किया गया है, उन्हें पुनः नामांकन/आवेदन प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।

आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि :– **02 सितम्बर 2024 सायं 05.00 बजे तक**
आवेदन भेजने का पता :– कार्यालय, पं. खुशीलाल शर्मा, शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान, साइन्स हिल्स, धन्वंतरि मार्ग, कोलार-नेहरू नगर रोड, भोपाल-462003

पूर्ण जानकारी तथा आवेदन के प्रपत्र हेतु निम्न वेबसाइट पर लॉग-इन करें :– http://www.klsgaci.edu.in

सदस्य सचिव
जी-14678/49922/2024 **पुरस्कार अनुशंसा समिति**

संचालनालय
पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश, भोपाल

फोन : 0755-2772262, ईमेल : dirveterinary@mp.gov.in
वेबसाइट : http://www.mpdah.gov.in

जा.क्र. - 1292 दिनांक : 02.08.2024

जाहिर सूचना
''भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड'' द्वारा जारी किए गए पदों की भर्ती के विज्ञापन के संबंध में पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश की सर्व साधारण को सूचना

संचालनालय, पशुपालन एवं डेयरी के संज्ञान में लाया गया है कि ''भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड'' जयपुर स्थित कंपनी के द्वारा गौशाला संवर्धन कार्यक्रम का विज्ञापन समाचार पत्रों में दिया जा रहा है तथा उक्त कंपनी द्वारा गौ संवर्धन विस्तारक, गौ संवर्धन सहायक तथा गौसेवक के पदों की भर्ती का विज्ञापन भी निकाला गया है, जिसमें आवेदन शुल्क 708/- से 944/- रु. लिया जा रहा है तथा मासिक वेतन (लाभांश के रूप में) 18000/- से 26000/- तक दिए जाने का विवरण है।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के किसी भी निगम, मण्डल अथवा मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड का ''भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड'' नामक संस्था से किसी भी प्रकार की कोई भी संबद्धता अथवा वैधानिक अनुबंध नहीं है। कृपया ध्यान दें -

- पशुपालन एवं डेयरी विभाग में किसी भी प्रकार के पदों की भर्ती के लिए''भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड'' को किसी भी रूप में अधिकृत नहीं किया गया है ना ही गौ संवर्धन विस्तारक, गौ संवर्धन सहायक तथा गौसेवक जैसे पदों की भर्ती की जा रही है।
- ''भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड'' द्वारा जारी भर्ती विज्ञापन का संबंध मध्यप्रदेश की गौशालाओं अथवा पशुपालन एवं डेयरी विभाग की किसी भी योजना से नहीं है।
- ''भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड''द्वारा गौशालाओं अथवा पशुपालन एवं डेयरी उद्योग से संबंधित पदों के लिए जारी विज्ञापनों के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं है।
- कृपया स्वविवेक का उपयोग करते हुए भर्ती के संबंध में शासन की अधिकृत वेबसाइट से ही जानकारी प्राप्त करें।

संचालक
जी-14675/49923/2024 **पशुपालन एवं डेयरी विभाग मध्यप्रदेश, भोपाल**

शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल

रोज़गारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

1. आर्किटेक्चर एण्ड इंटीरियर डिजाइन (ArlD) 9826649225, 9826396732
2. कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (CSE) 9425008477, 8349861441
3. इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ETE) (IOT Based Project) 9826460982, 8962863896
5. फैशन टेक्नोलॉजी (FT) 9826523856, 9424411201
6. मॉर्डन ऑफिस मैनेजमेन्ट (MOM) 9893006890, 9827260600 (12वीं पास)

द्वितीय चरण

ब्रांच	रजिस्ट्रेशन दिनांक	च्वाइस फिलिंग	एडमिशन दिनांक
कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (CSE) इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ETE) फैशन टेक्नोलॉजी (FT)	11.08.2024 तक	15.08.2024 तक	24.08.2024 से 30.08.2024 तक

ब्रांच	रजिस्ट्रेशन दिनांक	च्वाइस फिलिंग	एडमिशन दिनांक
आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन (ArlD)	11.08.2024 तक	15.08.2024 तक	24.08.2024 से 30.08.2024 तक

अपने पसंद के विभाग में एडमिशन के लिए ऊपर दिये नंबरों पर आज ही संपर्क करें या महाविद्यालय में विजिट करें।

जी-14717/49925/2024

मध्यप्रदेश को देश में ग्रीन स्टेट के रूप में पहचान दिलायें

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने नगरीय आवास एवं विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि नागरिकों को बेहतर सुविधा देने के लिये नगरीय निकायों में कैडरवाइज रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में तेजी लायें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में समृद्ध वन हैं, इस बात को ध्यान में रखते हुए विभाग मध्यप्रदेश को प्रदूषण मुक्त बनाने में श्रेष्ठ कार्य करते हुए इसे ग्रीन स्टेट के रूप में पहचान दिलाने की ठोस पहल करे।

श्री विजयवर्गीय ने निर्देश दिये कि भोपाल एवं इंदौर में महानगरीय सेवाओं को सुदृढ़ किया जाये। इन शहरों के आसपास के नगरों में बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने के लिये मैट्रोपोलिटन अथॉरिटी के जरिये काम किये जायें। बैठक में अग्निशमन सेवा के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिये अलग से संचालनालय गठित करने के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया गया। अग्निशमन सेवा में आधुनिकीकरण के लिये केन्द्र सरकार से करीब 300 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। साथ ही राज्य का अंश 100 करोड़ रुपये का है। राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आगजनी की घटना के दौरान ऐसे वाहनों की सेवा ली जाये, जो खेतों और ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से पहुंच सकें।

स्मार्ट सिटी मिशन

बैठक में बताया गया कि 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश के साथ भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, सागर, सतना और उज्जैन में विकास कार्य किये जा रहे हैं। इनमें से 5 हजार 707 करोड़ रुपये के कार्य पूरे किये जा चुके हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल प्रोत्साहन नीति के तहत 6 शहरों में 552 ई-बसों के लिये निविदा जारी की जा चुकी हैं। इंदौर में 70 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है। विभाग की अमृत 2.0 योजना में जल आपूर्ति की 151 परियोजनाओं में कार्यादेश जारी किये जा चुके हैं। नगरीय निकायों द्वारा संचालित दीनदयाल अंत्योदय रसोई घर केन्द्रों की संख्या अब बढ़कर 191 हो गई है। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना में 7 लाख 92 हजार आवास पूर्ण किये जा चुके हैं।

इंदौर, उज्जैन, देवास और धार के औद्योगिक विकास की बनेगी संयुक्त कार्य-योजना

देवास, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास में 172 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। उन्होंने अमृत योजना में 151.90 करोड़ रुपये के 8 विकास कार्यों का भूमिपूजन और जिला चिकित्सालय परिसर देवास में 20 करोड़ रुपये की लागत से बने नये 100 बिस्तरीय मेटरनिटी अस्पताल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 11 से 15 अगस्त तक तिरंगा अभियान चलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवास में दो देवियों का वास है। देवास के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। देवास को नये 100 बिस्तर के मेटरनिटी अस्पताल की सौगात मिली है। मेटरनिटी अस्पताल जिले की महिलाओं को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करेगा। देवास में अस्पताल बन जाने से अब देवास की बहू-बेटियों को इंदौर-उज्जैन नहीं जाना पड़ेगा। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मेटरनिटी अस्पताल भवन में महिलाओं को बेहतर सुविधा और सेवाएं मिलेंगी।

उद्योग लगाने से रोज़गार मिलता है

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव का आयोजन किया जायेगा। आने वाले समय में सभी संभागों में उद्योग समिट का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से आह्वान किया कि उद्योग लगाओ, सरकार आपकी मदद करेगी। देवास, इंदौर, उज्जैन और धार जिले के औद्योगिक विकास के लिये संयुक्त कार्य-योजना बनाई जायेगी। उद्योग लगाने से रोज़गार मिलता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि रावतपुरा सरकार तपस्वी संत हैं। सेवा के कार्य के लिए पूरे देश में नाम है। संतों की महिमा निराली है। संतों के माध्यम से हम देवी-देवताओं तक पहुंच सकते हैं।

बहनों को अतिरिक्त राशि

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर राज्य सरकार ने 10 अगस्त को सिंगल क्लिक से प्रदेश की बहनों के खाते में प्रतिमाह मिलने वाले 1250 रुपये के अतिरिक्त 250 रुपये उपहार स्वरूप प्रदान किए। इसके लिए प्रदेश में 25 हजार से अधिक स्थानों पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित कर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जायेगा।

तिरंगा हमारा गर्व, गौरव और सम्मान है

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान में सहभागिता करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारा गर्व, गौरव और सम्मान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की नवज्योति जागृत करने एवं आजादी के नायकों को याद करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की है कि 9 से 15 अगस्त तक अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहरायें।

लोकपथ ऐप में प्राप्त शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करें

भोपाल, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने मंत्रालय में लोकपथ ऐप की विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने लोकपथ ऐप में प्राप्त शिकायतों और उनके निराकरण की स्थिति पर जानकारी प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि लोकपथ ऐप में अब तक 1846 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 1609 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है।

इस दौरान श्री राकेश सिंह ने लोकपथ ऐप में अधिक समय से लंबित शिकायतों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। लंबित शिकायतों में ईई सीधी एम.के. परते के स्तर पर 13, ईई खरगोन विजय सिंह पवार के स्तर पर 7 और ईई बुरहानपुर पद्म रेखा श्रीवास्तव के स्तर पर 5 शिकायतें अधिक समय से लंबित हैं।

मध्यप्रदेश अंगदान के लिए दिल्ली में हुआ 'बेस्ट इमर्जिंग स्टेट' पुरस्कार से सम्मानित

दिल्ली, मध्यप्रदेश को अंगदान प्रथा को बढ़ावा देने के लिए 'बेस्ट इमर्जिंग स्टेट' का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में आयोजित 14वें भारतीय अंगदान दिवस समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया। इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण पिथोड़े और महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, इंदौर के डीन डॉ. संजय दीक्षित ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

मध्यप्रदेश में 60 ब्रेन डैड कैडेवरिक दान सफलतापूर्वक पूरे हुए हैं, जो अंगदान में एक नया बेंचमार्क है। वर्ष 2018 में महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, इंदौर में राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (SOTTO) की स्थापना हुई थी। इसी वर्ष इंदौर जिले को अंगदान के क्षेत्र में 'बेस्ट इमर्जिंग डिस्ट्रिक्ट' का पुरस्कार प्राप्त हुआ था। अंगदान और प्रत्यारोपण में उत्कृष्ट कार्य के लिए SOTTO, मध्यप्रदेश को वर्ष 2019 में 'बेस्ट SOTTO अवॉर्ड' भी मिल चुका है।

उल्लेखनीय है कि अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने, अंगदान से जुड़े मिथकों और गलत धारणाओं को दूर करने और नागरिकों को मृत्यु के बाद अंगदान और ऊतकदान के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 2010 से प्रतिवर्ष 3 अगस्त को भारतीय अंगदान दिवस मनाया जाता है।

सभी त्योहार समाज के साथ उत्साह और आनंद के साथ मनाए जायेंगे

शाजापुर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण का कार्य निरंतर जारी रहेगा। प्रदेश में महिलाओं के 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान निरंतर जारी रहेगा। महिलाएं, लोकसभा, विधानसभा, पंचायतों एवं स्थानीय निकायों आदि विभिन्न क्षेत्रों में अपना सशक्त नेतृत्व प्रदान करेंगी। शुजालपुर अनुविभाग के ग्राम सेमलीचाचा का नाम अब सेमलीधाम होगा। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर जिले के सेमलीचाचा स्थित हाटकेश्वर धाम में आयोजित रक्षाबंधन पर्व और भागवत कथा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने भगवान हाटकेश्वर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लाड़ली बहनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और राखी बांधकर उत्साहपूर्वक रक्षाबंधन का पर्व मनाया। लाड़ली बहनों ने 1250 रुपये की राशि और अतिरिक्त 250 रुपये और 450 रुपये में गैस रीफिल की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन धर्म में त्योहारों की परंपरा अद्‌भुत है।

प्रदेश सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि सभी त्योहार समाज के साथ उत्साह और आनंद के साथ मनाएं जाएंगे। प्रदेश में मकर संक्रांति, गुड़ी पड़वा और गुरु पूर्णिमा का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाएं गए हैं। अंधेरे से प्रकाश की ओर से जाकर हमारे जीवन को सफल बनाने वाले गुरुओं के महत्व को प्रतिपादित करते हुए प्रदेश के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया। आगामी रक्षाबंधन के पावन पर्व को धूमधाम से मनाएंगे। उन्होंने कहा कि माता-पिता के बाद सबसे सम्माननीय पद बहनों का है। मैं सभी बहनों को प्रणाम करता हूं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाटकेश्वर धाम के परम पूज्य गुरुजी पण्डित श्री कमलकिशोर नागर अपने मुखारविंद से परमात्मा के साक्षात्कार कराने के साथ अपने वचनों से सामाजिक समरसता का भी संदेश दे रहे हैं। गुरुजी द्वारा भगवान की भक्ति के साथ आडंबरों से बचने की भी शिक्षा दी जा रही है।

भगवान सहस्त्रबाहु के गौरवशाली इतिहास की जानकारी पाठ्यक्रम में शामिल करेंगे

भोपाल, भगवान सहस्त्रबाहु के पराक्रम और गौरवशाली इतिहास की जानकारी युवाओं को देने के लिए इसे पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह घोषणा मंदाकिनी नगर कोलार रोड स्थित जेके मेडिकल कॉलेज के सभाकक्ष में अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के 89वें स्थापना दिवस समारोह में की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के पराक्रमी शासक और महापुरुष विनम्रता और राष्ट्रप्रेम के गुणों के लिये याद किए जाते हैं। इनके जीवन और कार्यों की जानकारी आज की पीढ़ी को भी मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सावन और रक्षाबंधन के अवसर पर पूरे माह रक्षाबंधन मनाते हुए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। बहनों का आशीर्वाद हमें मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का अर्थ लॉ एंड ऑर्डर की आदर्श स्थिति और विकास के साथ सौहार्द्र का वातावरण बनाना और संस्कृति के प्रतीक पर्वों त्योहारों को जीवित रखना भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि काल के प्रवाह में शत्रुओं ने हमारे राष्ट्र को हिलाने के बहुत प्रयास किए। लेकिन भारत के विभिन्न आराध्यों, शासकों और राष्ट्रवासियों की पराक्रम भावना और पुरुषार्थ का इतिहास बहुत पुराना है। भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण की लीला के बिना सब अधूरा है।

प्रभावितों को मिले तत्काल राहत एवं सहायता

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में हो रही लगातार बारिश को देखते हुए जिला एवं पुलिस प्रशासन को सजगता और सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे कार्य करें और आवश्यकता होने पर तत्काल आम जनता को आगाह किया जाए, जिससे कहीं भी कोई दुर्घटना न हो।

अतिवर्षा और बाढ़ की चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वय में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

सावन का महीना भाई-बहनों के प्रेम को प्रगाढ़ करने का पर्व - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट में आयोजित लाड़ली बहनों के लिए समर्पित आभार सह उपहार कार्यक्रम को संबोधित किया

बालाघाट, भारत त्योहारों की संस्कृति वाला देश है। यहां हर एक त्योहार मनाने के पीछे कोई न कोई मूल भावना होती है। इन त्योहारों में परस्पर भाईचारा, प्रेम और रिश्तों को निभाने वाले संस्कार समाहित होते हैं। वर्ष के 12 महीनों में एक मास श्रावण ही ऐसा है जिसका इंतजार सभी को रहता है। इस समय बादलों के घुमड़ने के साथ ही पेड़ों पर झूलों की बहारें नजर आने लगती हैं। इसी बीच रक्षाबंधन का त्योहार आता है। मैं अपनी लाड़ली बहनों के बीच रक्षाबंधन का उत्सव मनाकर धन्य हो गया हूं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट के इतवारी गंज जैविक कृषि मंडी में आयोजित लाड़ली बहनों के लिये समर्पित आभार सह उपहार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमारी संस्कृति यह सिखाती है कि जीवन में स्नेह का पहला हक माता-पिता का होता है। इनके बाद यह हक बहनों को मिला है जो अपने भाई से प्रेम करती हैं। मुझे 1 अगस्त से प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर अपनी बहनों का अपार स्नेह प्राप्त हो रहा है। भारी बारिश के बीच जबलपुर से बालाघाट मार्ग में आते समय जिस उत्सुकता से बहनों ने मेरा इंतजार किया है वह इसी स्नेह का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी बहनें रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मना सकें इसके लिये 10 अगस्त को लाड़ली बहना योजना के तहत 1250 रुपये और रक्षाबंधन के शगुन, उपहार रूप में 250 रुपये की राशि सिंगल क्लिक से बहनों के खाते में अंतरित की गयी। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर जब बहनें अपने भाई को तिलक लगाकर राखी बांधेंगी तो उनका यह आशीर्वाद मुझे अपने आप ही मिल जाएगा।

सरकार ने की है विशेष पहल

मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमारी बहनें मिलने वाली राशि का सदुपयोग और प्रबंधन करना बखूबी जानती हैं। हमारी सरकार द्वारा जून 2023 से अगस्त 2024 तक हर माह 3 लाख 56 हजार बहनों को 500 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना में अब गैस सिलेण्डर 450 रुपये में देने का कार्य भी सरकार कर रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में स्व-सहायता समूहों, एमएसएमई के माध्यम से उद्योगों से जोड़ने की दिशा में सरकार ने पहल की है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के प्रयासों में राज्य सरकार करेगी पूर्ण सहयोग

भोपाल, आदिकाल से भारत का अपना विशेष चरित्र और आदर्श संस्कृति रही है, इसलिए भारत विश्व गुरु कहलाया। 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत के साथ सभी के कल्याण की कामना हम करते हैं। हमारी व्यवस्था में गुरु की भूमिका अंधकार से प्रकाश की ओर ले जानी वाली रही है। जीवन में शिक्षा का स्थान सर्वोपरि है। किसी भी पद और हैसियत से अधिक महत्व शिक्षा का है। भगवान श्रीकृष्ण ने मध्यप्रदेश की धरती पर शिक्षा ग्रहण की और महाभारत के युद्ध के समय वे स्वयं अपनी आत्मा से शास्त्रार्थ करते रहे। गीता के विविध पक्ष हैं। गुरुकुल में प्राप्त शिक्षा से सेनाओं का अपना अनुशासन भी देखने को मिला था। जीवन और मृत्यु अटल है। इसके मध्य का समय मुस्कान और उत्साह के साथ सार्थक जीवन जीने का होता है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के आनंद नगर स्थित टीआईटी एक्सीलेंस कॉलेज में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित कार्यशाला में कहीं।

उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा महत्वपूर्ण विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई हैं। राज्य सरकार राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के प्रयासों में पूर्ण सहयोग करेगी। यह प्रयास होगा कि कोई बच्चा स्कूल जाना बंद न करे। किन्हीं परिस्थितियों में ड्राप आउट के लिए विवशता का शिकार न बने। शिक्षा ग्रहण करना प्रत्येक विद्यार्थी का अधिकार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी परीक्षाओं के पहले विद्यार्थियों से संवाद कर उनका आत्म-विश्वास बढ़ाते हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा के महत्व में वृद्धि की है। अनेक सुविधाएं विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री भारत में नई शिक्षा नीति लेकर आए। आज अनेक क्षेत्रों में भारत विश्व में अग्रणी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूक्रेन युद्ध के समय प्रधानमंत्री की पहल पर भारतीय विद्यार्थियों की रक्षा के लिए उठाए गए कदम का स्मरण भी किया।

प्रधानमंत्री के पर्यावरण संरक्षण के संकल्प का प्रकटीकरण है एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पौध-रोपण के लिए आरंभ किया गया, 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण और वसुंधरा को संवारने के उनके मन के भाव और संकल्प का प्रकटीकरण है। पौध-रोपण का यह अभियान, परमात्मा से प्रकृति के रूप में जो हमें प्राप्त हुआ है, उसे वापस लौटाने का एक प्रयास भी है। विकास के क्रम में हुए प्रकृति के क्षरण की प्रतिपूर्ति करने और संतुलन बनाए रखने में भी पौध-रोपण से मदद मिल रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पौध-रोपण के 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम अंतर्गत ऊर्जा विभाग के गोविंदपुरा स्थित निष्ठा परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

कार्यक्रम ने आत्मीय रूप से जोड़ा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति मातृ-सत्ता की उपासक है और पौध-रोपण अभियान को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने माँ का नाम देकर प्रत्येक व्यक्ति को अभियान से आत्मीय रूप से जोड़ा है। माँ के नाम से अथवा उनकी स्मृति में पौधा लगाना इस बात का भी प्रतीक है कि हमने जो प्रकृति से पाया है, उसे लौटाने का भी हमारे मन में भाव है।

स्कूल शिक्षा विभाग की समेकित छात्रवृति

भोपाल, प्रदेश में समेकित छात्रवृत्ति योजना जिसमें 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग के MPTA-ASC पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति नियत समय पर हो सके इसके लिये लोक शिक्षण संचालनालय ने समय सारणी जारी की है। कक्षा 1 से 12 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों का नामांकन कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश भर में शत-प्रतिशत विद्यार्थियों का नामांकन 10 अगस्त तक अनिवार्य रूप से किये जाने के निर्देश विद्यालयों को दिये गये हैं।

स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने जल्द शुरू होगा धार्मिक पर्यटन टूरिज्म पैकेज - संस्कृति मंत्री

भोपाल, पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि मध्यप्रदेश ने धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन के ऐसे कई दार्शनिक स्थल हैं, जो विश्व पटल पर अंकित हैं। प्रदेश के ऐसे बहुत से अनछुए धार्मिक और पर्यटन स्थल हैं जो रमणीय और अद्भुत तो हैं, लेकिन लोगों की पहुंच से न सिर्फ दूर हैं, बल्कि इसकी पूर्ण जानकारी से भी पर्यटक वाकिफ नहीं हैं। ऐसे स्थलों तक आमजन आसानी से दर्शन लाभ ले सकें इसके लिये जल्द ही धार्मिक पर्यटन टूरिज्म पैकेज को शुरू किया जायेगा।

श्री लोधी ने कहा कि धार्मिक पर्यटन टूरिज्म पैकेज की कार्य-योजना को जल्द ही मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। इसमें विभिन्न चिह्नित स्थलों के रूट तय कर बस की व्यवस्था की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह धर्मस्व विभाग तीर्थ दर्शन योजना को प्रोत्साहित करता है। उसी प्रकार प्रादेशिक स्तर पर ऐसी योजना के शुरू होने से पर्यटन के क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के होटल्स के मैन्यू में स्थानीय व्यंजनों को शामिल किया जायेगा। उन्होंने प्लास्टिक फ्री पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला ने पिछले आठ माह में अर्जित विशिष्ट उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना के तहत 74 कार्यशालाओं का आयोजन कर 3986 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्यमंत्री ने सागर जिले में बच्चों की मृत्यु पर किया दुःख व्यक्त

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर जिले में कच्चे मकान के क्षतिग्रस्त होने की घटना में बच्चों की असामयिक मृत्यु पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य में लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सागर जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों की 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने और हादसे में घायल बच्चों के उचित इलाज के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कार्यवाही करते हुए लापरवाही बरतने पर शाहपुर नगर पंचायत के सीएमओ और सब इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया।

सिकल सेल उन्मूलन के लिए सावधानियों की जानकारी होना आवश्यक

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय में प्रदेश में हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन की गतिविधियों और एम्बुलेंस सेवा के संचालन की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए नागरिकों को सावधानियों के प्रति जागरूक और सजग होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन अन्तर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और निर्देश दिये कि सिकल सेल रोगियों एवं वल्नरेबल क्षेत्र के नागरिकों के बचाव एवं उपचार के लिए संचालित जागरूकता गतिविधियों का मैदानी स्तर पर मूल्यांकन करें। यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित क्षेत्र का हर नागरिक उसे समझे और आत्मसात करे ताकि सिकल सेल एनीमिया को जड़ से समाप्त किया जा सके।

33 जिलों में चल रहा स्क्रीनिंग कार्य

वर्तमान में प्रदेश के 33 जिलों में सिकल मरीजों की स्क्रीनिंग का कार्य किया जा रहा है। 59 लाख से अधिक नागरिकों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है, जिनमें 1 लाख 34 हजार नागरिक सिकल सेल वाहक और 20 हजार 526 सिकल सेल एनीमिया के मरीज पाये गये हैं। 32 लाख 37 हजार 842 व्यक्तियों को सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। जिलों में 6 से 10 बिस्तरीय एकीकृत उपचार केंद्र स्थापित कर फोलिक एसिड दवाइयों का वितरण किया जा रहा है।

उज्जैन में एक साथ 1500 डमरू वादकों ने बनाया गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

उज्जैन, बाबा महाकाल की तीसरी सवारी आस्था, उत्साह और उमंग के साथ निकाली गई। श्रावण माह के तीसरे सोमवार भगवान श्री महाकालेश्वर श्री चंद्रमौलेश्वर के रूप में पालकी में, हाथी पर श्री मनमहेश के रूप में, गरूड़ रथ पर श्री शिव-तांडव स्वरूप में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले और अपनी प्रजा का हाल जाना। इस दौरान 1500 डमरू वादकों ने एक साथ डमरू बजाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। भगवान महाकाल की सवारी निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभा मंडप में भगवान महाकाल का उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा और खाद्य,

नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने विधिवत पूजन-अर्चन किया और सवारी में शामिल हुए।

डमरू वादकों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

बाबा महाकाल की सवारी में डमरू वादन की मंगल ध्वनि के साथ भगवान शिव की स्तुति की गई। डमरू वादकों द्वारा एकसाथ लयबद्ध रूप में आकर्षक एवं मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

श्रावण माह का तीसरा सोमवार उज्जैन के लिए ऐतिहासिक रहा। महाकाल लोक के शक्तिपथ पर 1500 डमरू वादकों ने एक साथ एक समय में लयबद्ध डमरू वादन कर विश्व कीर्तिमान रचा। बाबा श्री महाकाल के भक्तों ने हर्षोल्लास और उमंग के साथ सवारी में भाग लिया और डमरू वादकों का स्वागत किया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

रिक्त पदों पर विनियमित सफाई कर्मचारी होंगे स्थाई

भोपाल, राज्य सरकार के आदेश के तहत विनियमित सफाई कामगारों को सफाई कामगार के उपलब्ध रिक्त पदों पर वरीयता के आधार पर स्थाई किया जायेगा। नगरीय निकायों में कार्यरत समस्त दैनिक वेतन भोगी जो वर्ष 2007 से वर्ष 2016 तक कार्यरत हैं उन्हें सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार विनियमित किया जायेगा। निर्णय से 15 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों को विनियमितिकरण का लाभ मिलेगा। यह निर्णय मंत्रालय में राज्य सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया।

बैठक में तय किया गया कि मृतक कर्मचारी अथवा स्वास्थ्य कारणों से सेवानिवृत्त कर्मचारी के परिवार को नियमों में संशोधन कर एक परिजन को अनुकम्पा नियुक्ति दी जायेगी। इसका लाभ मृतक विनियमित कर्मचारियों के परिजनों को भी मिलेगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि नगरीय निकायों में सफाई से संबंधित उपकरण और वाहन सफाई कामगारों के समूहों को दिए जायेंगे।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की बैठक सम्पन्न

भोपाल, मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग, भोपाल के अध्यक्ष श्री मनोहर ममतानी ने आयोग के 30वें स्थापना दिवस 13 सितम्बर, 2024 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में 'नगरीय सुशासन-मानव अधिकार' विषय पर आधारित विभिन्न मुद्दों पर प्रारम्भिक चर्चा की। उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेस जिनका डायरेक्ट इम्पेक्ट पब्लिक पर हो ऐसे मुद्दे शामिल किये जायें। उन्होंने कहा कि जो सुशासन पर विपरित प्रभार डालते हैं, उनको कैसे दूर किया जाये, जनसामान्य की नित प्रतिदिन की मूलभूत समस्याओं का निदान कैसे किया जा सके, इस पर अमल किया जाये। बैठक में श्री ममतानी ने विशेष रूप से आवारा कुत्तों, जानवरों, स्वच्छ पेयजल, स्मार्ट सिटी, अतिक्रमण, विभिन्न विभागों के इंटीग्रेशन, शव वाहन, रेन बसेरा जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम में उनके विभागों के प्रयासों एवं उसके परिणामों को उजागर किया जाये, ताकि जनसामान्य को योजनाओं की जानकारी मिल सके और वे उसका लाभ ले सकें।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद ने लिये निर्णय

संचालनालय एफएमआईएस का पुनर्गठन, 47 नवीन पदों के सृजन पीएमयू गठन का अनुमोदन और 279 पदों की प्रशासकीय स्वीकृति

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा वित्त विभाग के अंतर्गत संचालनालय वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली (एफएमआईएस) के पुनर्गठन एवं 47 नवीन पदों के सृजन तथा नियमों में संशोधन एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पी.एम.यू.) के गठन का अनुमोदन किया गया। इससे प्रदेश के वित्तीय प्रबंधन की गुणवत्ता एवं सटीकता में और सुधार होगा। संचालनालय वित्तीय प्रबंध सूचना प्रणाली वर्ष 1980 से अस्तित्व में है। इसके माध्यम से राज्य शासन के आय-व्यय का निरंतर अनुश्रवण, राज्य शासन के मुख्य तथा अनुपूरक बजट, राज्य शासन के नगद शेष का अनुश्रवण, राज्य शासन का ऋण प्रबंधन, महालेखाकार कार्यालय से प्राप्त आय-व्यय के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न वित्तीय सूचनाएं एवं विश्लेषण के कार्य संपादित किये जाते हैं। बजट प्रक्रियाओं में निरन्तर परिवर्तन, सुधार तथा वित्तीय संव्यवहारों में अधिक सजगता और सतर्कता की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए वित्तीय प्रबंध सूचना प्रणाली संचालनालय की वर्तमान संगठनात्मक संरचना को सुदृढ़ किये जाने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक को संबोधित किया

अंत्येष्टि के लिए सहायता राशि में वृद्धि

मंत्रिपरिषद द्वारा लोकतंत्र सेनानियों के दिवंगत होने पर अंत्येष्टि के लिए प्रदाय की जा रही वर्तमान राशि 8 हजार रुपये में वृद्धि कर 10 हजार रुपये किये जाने एवं दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों की राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि किए जाने की स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री द्वारा 26 जून, 2024 को की गई घोषणा अनुसार अंत्येष्टि के लिए सहायता राशि में वृद्धि के लिए मध्यप्रदेश लोकतंत्र सेनानी सम्मान नियम 2018 की कंडिका 5(2) में संशोधन तथा राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि किये जाने के लिए नवीन कंडिका 5(3) प्रतिस्थापित की जाने की अनुमति दी गयी।

नियम को अद्यतन करने की स्वीकृति

मंत्रिपरिषद द्वारा मध्यप्रदेश कार्य (आवंटन) नियम में ऊर्जा विभाग और पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अन्तर्गत वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर संक्षेपिका के अनुसार प्रविष्टियां प्रतिस्थापित करने की स्वीकृति दी गई। विभिन्न विभागों की संरचना में परिवर्तन एवं उनके कार्यों का विस्तार होने तथा विभागों का आपस में संविलियन हो जाने से विभागों के क्रियाकलापों में काफी परिवर्तन आया है। अनेक योजनाओं के आरंभ हो जाने के कारण भी विभागों के दायित्व परिवर्तित हुए हैं। तद्नुसार परिवर्तनों का समावेश करते हुए मध्यप्रदेश कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन कर अद्यतन किये जाने की स्वीकृति दी गयी। मंत्रिपरिषद द्वारा 'मध्यप्रदेश कार्यपालक शासन के कार्य नियम' में संशोधन करते हुए, 'कागज-पत्र' या 'अभिलेख' के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख को भी मंजूरी दी गयी।

279 पदों की प्रशासकीय स्वीकृति

मंत्रिपरिषद द्वारा बुरहानपुर जेल के आवासगृहों के निर्माण कार्य के लिए 73 करोड़ 44 लाख रुपये तथा 60 पदों के सृजन, उप जेल मऊगंज के आवासगृहों के निर्माण के लिए 19 करोड़ 44 लाख रुपये तथा 33 पदों के सृजन, उप जेल मैहर के उन्नयन के संबंध में पुनर्घनत्वीकरण योजना अंतर्गत नई जेल का निर्माण कराये जाने तथा योजना की डीपीआर का अनुमोदन कर 33 अतिरिक्त पदों के सृजन, जिला जेल अनूपपुर में 60 पदों के सृजन, उप जेल त्योंथर के लिए 31 पदों के सृजन, उप जेल बड़नगर में 31 पदों के सृजन तथा उप जेल गैरतगंज में 31 पदों के सृजन की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

मंत्रिपरिषद द्वारा शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रीवा में 02 नवीन संकाय सिविल एवं मैकेनिकल प्रारंभ करने के लिए पदीय संरचना की स्वीकृति प्रदान की गयी। सिविल संकाय में 01 विभागाध्यक्ष एवं 06 व्याख्याता और मैकेनिकल संकाय में 01 विभागाध्यक्ष एवं 06 व्याख्याता के पद शामिल हैं।

बहनों के सशक्तिकरण के लिए सरकार कृत-संकल्पित - महिला बाल विकास मंत्री

झाबुआ, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में लाड़ली बहनों के लिए रक्षाबन्धन एवं श्रावण उत्सव की तर्ज पर आभार सह उपहार कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में हरियाली अमावस्या के पावन पर्व पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य में पीएमश्री शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय झाबुआ के परिसर में आभार सह उपहार कार्यक्रम हुआ।

सुश्री भूरिया ने बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिमाह उन्हें 1250 रुपये की राशि दे रही है। इस बार रक्षाबंधन के अवसर पर 10 तारीख को लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरित की गई। साथ ही उन्हें उपहार स्वरूप 250 रुपये की अलग से राशि दी गई। उन्होंने कहा कि भाई-बहन के प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन के अवसर पर यह मुख्यमंत्री का बहनों के लिए उपहार है।

मुख्यमंत्री ने तेजस में बैठकर खुद को गौरवान्वित महसूस किया

बेंगलुरु, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बेंगलुरु पहुंचते ही हिन्दुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वदेशी तकनीक से निर्मित लाइट कॉम्बेट एयरक्रॉफ्ट तेजस में बैठकर खुद को गौरवान्वित महसूस किया। मुख्यमंत्री ने एचएएल द्वारा निर्मित कई विमान एवं हेलीकॉप्टर के निर्माण एवं कार्य पद्धति को समझा और कहा कि एचएएल की देश में कई स्थानों पर यूनिट्स हैं। मध्यप्रदेश सरकार की मंशा है कि एचएएल द्वारा एयरोस्पेस एवं रक्षा में से किसी एक डेवलपमेंट विंग की प्रदेश में स्थापना हो। मध्यप्रदेश सरकार इसकी स्थापना के लिये भूमि सहित समस्त आधारभूत सुविधाएं सिंगल विंडो से सारी कार्यवाही त्वरित गति से पूरी करवायेगा। यूनिट स्थापना के लिये एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति भी की जायेगी, जिससे सम्पूर्ण प्रक्रिया आसानी से की जा सके।

मुख्यमंत्री ने एचएएल के इक्विपिंग एवं फाइनल असेंबली का अवलोकन किया। उन्होंने एलसीए एयरक्रॉफ्ट के मैन्युफैक्चरिंग सीक्वेंस को समझा। साथ ही स्ट्रक्चरल, असेंबली, कपलिंग इक्विपिंग एवं टेस्टिंग के चरणों को जाना। मुख्यमंत्री एयरक्रॉफ्ट को जानने की उत्सुकता और गौरव के पल को महसूस करने के लिये तेजस एयरक्रॉफ्ट में बैठे और उसकी सुरक्षा तथा मारक क्षमता की जानकारी ली।

रक्षा उपकरण बनाने दी बधाई

मुख्यमंत्री ने ध्रुव हेलीकॉप्टर में बैठकर पायलट से हेलीकॉप्टर की खूबियों को जाना। उन्होंने एच.ए.एल. के अधिकारी एवं कर्मचारियों को स्वदेशी तकनीक से एयरक्रॉफ्ट एवं रक्षा उपकरण बनाने के लिये बधाई दी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के शहडोल, गुना, झाबुआ, खंडवा, छतरपुर एवं पिपरिया में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की ख़बरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय ख़बरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

सुधा मूर्ति

लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से हुईं सम्मानित

प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता, लेखिका और राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति इस वर्ष लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित हुई। लोकमान्य तिलक स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. रोहित तिलक ने यह जानकारी दी। मूर्ति को यह पुरस्कार ग्रामीण विकास, साहित्य और सामाजिक कार्यों के लिए दिया गया। यह पुरस्कार वर्ष 1983 से राष्ट्र की निस्वार्थ सेवा के लिए दिया जा रहा है। वर्ष 2023 में यह पुरस्कार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दिया गया था।

निकोलस मादुरो

वेनेजुएला में राष्ट्रपति चुनाव जीता

वेनेजुएला में हुए राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने जीत दर्ज की है। वह तीसरी बार राष्ट्रपति बनेंगे। वेनेजुएला की राष्ट्रीय चुनाव परिषद ने बताया कि निकोलस मादुरो ने चुनाव में 51 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं, जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंदी उम्मीदवार एडमुंडो गोंजालेज को 44 प्रतिशत मत मिले हैं। विपक्षी दलों ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाते हुए परिणामों को मान्यता नहीं दी है, वहीं अमेरिका और चिली ने भी निकोलस मादुरो की जीत पर सवाल उठाए हैं।

लाओस में

रामलला पर पहली बार डाक टिकट जारी

दक्षिण पूर्वी एशियाई देश लाओस पीडीआर ने रामलला पर केंद्रित डाक टिकट जारी किया है। यह पहला अवसर है जब राम मंदिर में विराजमान रामलला की मूर्ति पर किसी अन्य देश में डाक टिकट जारी किया गया है। लाओस में आसियान देशों की बैठक के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और लाओस के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री सेलुमक्से कोमासिथ ने यह डाक टिकट जारी किया। टिकट में रामलला की प्रतिमा दर्शायी गयी है। इस अवसर पर भगवान राम के साथ ही महात्मा बुद्ध पर केंद्रित डाक टिकट भी जारी किया गया।

चीन ने बनाया

दुनिया का सबसे छोटा ड्रोन

चीन के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा ड्रोन बनाया है, जिसका वजन महज 4 ग्राम है। यह ड्रोन अनिश्चित काल तक उड़ान भरने में सक्षम है। इस ड्रोन में इलेक्ट्रोस्टैटिक मोटर का इस्तेमाल किया गया है। इस ड्रोन में सोलर सेल लगे हुए हैं, जो 4.5 वॉट की ऊर्जा पैदा करते हैं जिससे यह लंबे समय तक उड़ान भर सकता है। पारंपरिक ड्रोन की तुलना में इस ड्रोन की पावर टू लिफ्ट क्षमता 2 से 3 गुना अधिक है। शोधकर्ताओं के अनुसार इस ड्रोन में रिचार्जेबल बैटरी जोड़ी जा सकती है।

साई अशोक

ओलंपिक के सबसे युवा भारतीय रेफरी बने

भारत के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज साई अशोक ने पेरिस ओलंपिक में इतिहास रच दिया है। साई अशोक ओलंपिक में देश के सबसे युवा रेफरी बन गए हैं। 32 वर्षीय अशोक को पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाजी स्पर्धाओं के लिए रेफरी नियुक्त किया गया है। साई अशोक यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे भारतीय हैं। वह विश्व चैम्पियनशिप में खिलाड़ी और अधिकारी दोनों के रूप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। साई अशोक पुणे के सैन्य खेल संस्थान में मुक्केबाजी प्रशासक के तौर पर काम करते हैं। वह विश्व सैन्य मुक्केबाजी परिषद के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय भी रहे हैं।

नीता अंबानी

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति में दोबारा बनीं सदस्य

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक नीता अंबानी को सर्वसम्मति से दोबारा अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का सदस्य चुना गया है। पेरिस में आईओसी के 142वें सत्र के दौरान हुए मतदान में नीता को शत-प्रतिशत (93) वोट मिले। नीता वर्ष 2016 में रियो ओलंपिक के दौरान पहली बार आईओसी की सदस्य बनी थीं। उनके नेतृत्व में 40 वर्ष बाद भारत ने वर्ष 2023 में आईओसी की वार्षिक बैठक की मेजबानी की। नीता अंबानी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य के रूप में फिर से चुने जाने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। हम भारत और दुनिया भर में ओलंपिक आंदोलन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे।

शेखर कपूर

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के निदेशक नियुक्त

भारत के दिग्गज फिल्म निर्देशक शेखर कपूर को भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) का निदेशक नियुक्त किया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि शेखर कपूर गोवा में हर वर्ष आयोजित होने वाले इस महोत्सव के 55वें और 56वें संस्करण की अध्यक्षता करेंगे। शेखर आईएफएफआई के 54वें संस्करण में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता जूरी के अध्यक्ष के रूप में काम कर चुके हैं। शेखर कपूर ने मिस्टर इंडिया और बैंडिट क्वीन जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। इसके अलावा उन्होंने ब्रिटिश बायोग्राफिकल ड्रामा एलिजाबेथ का निर्देशन भी किया है।

मेंडिसा माया

दक्षिण अफ्रीका की पहली महिला चीफ जस्टिस बनीं

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने न्यायाधीश मेंडिसा माया को देश की प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया है। माया दक्षिण अफ्रीका में इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। वह मौजूदा प्रधान न्यायाधीश रेमंड जोंडो के सेवानिवृत्त होने के बाद उनकी जगह लेंगी। माया इससे पहले उप प्रधान न्यायाधीश थीं। दक्षिण अफ्रीका की प्रधान न्यायाधीश के रूप में माया का कार्यकाल एक सितंबर से आरंभ होगा। न्यायाधीश माया इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की दूसरी सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट ऑफ अपील में जज प्रेसिडेंट के पद पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं।

नीनो सालुकवाजे

दस ओलंपिक खेलने वाली पहली खिलाड़ी बनीं

जॉर्जिया की महिला निशानेबाज नीनो सालुकवाजे ने पेरिस ओलंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। सालुकवाजे दस ओलंपिक खेलों में शिरकत करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। वह पहले सोवियत यूनियन का प्रतिनिधित्व करती थीं। सालुकवाजे ने वर्ष 1988 के सियोल ओलंपिक खेलों में 19 वर्ष की उम्र में पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने सियोल में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता था, तब से उन्होंने सभी ओलंपिक खेलों में भाग लिया है। सालुकवाजे ने वर्ष 2008 के बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। वर्ष 2016 के रियो ओलंपिक में उन्होंने अपने बेटे टीसोने माचावारियानी के साथ हिस्सा लिया था।

जिया राय

इंग्लिश चैनल को पार करने वाली सबसे युवा महिला पैरा तैराक बनीं

भारत की 16 वर्षीय जिया राय इंग्लिश चैनल पार करने वाली विश्व की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज पैरा तैराक बन गई हैं। जिया ने 28 से 29 जुलाई के बीच इंग्लैंड के एबट्स से फ्रांस के प्वाइंट डे ला कोर्टे-ड्यून तक इंग्लिश चैनल को तैरकर पार किया। जिया ने 34 किलोमीटर की यह दूरी 17 घंटे और 25 मिनट में तय की। जिया ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर नामक बीमारी से पीड़ित हैं। अपनी सभी अक्षमताओं के बावजूद जिया सात सागरों को तैरकर पार करने वाली दुनिया की पहली और सबसे कम उम्र की पैरा तैराक बनने के मिशन पर हैं। जिया इससे पहले पाक जलडमरूमध्य को भी तैरकर पार कर चुकी हैं।

प्रीति सूदन

संघ लोक सेवा आयोग की अध्यक्ष बनीं

केंद्र सरकार ने वर्ष 1983 बैच की रिटायर्ड आईएएस अधिकारी प्रीति सूदन को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने मनोज सोनी की जगह ली है, सोनी ने अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रीति वर्ष 2022 में यूपीएससी की सदस्य बनी थीं। प्रीति सूदन केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव के रूप में काम कर चुकी हैं, इसके अलावा उन्होंने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय में भी काम किया है। उनके कार्यकाल के दौरान प्रीति ने बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ और आयुष्मान भारत अभियान शुरू करने के साथ ही ई-सिगरेट पर प्रतिबंध संबंधी कानून बनाने में अपना योगदान दिया है।

लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर

सेना की चिकित्सा सेवा की पहली महिला महानिदेशक बनीं

रक्षा मंत्रालय ने लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर को भारतीय सेना की चिकित्सा सेवा की महानिदेशक नियुक्त किया है। लेफ्टिनेंट जनरल साधना इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। 26 दिसम्बर 1985 में वायुसेना में शामिल होने वाली साधना को अक्टूबर 2023 में वायुसेना में एयर मार्शल के पद पर पदोन्नत कर हॉस्पिटल सर्विस (आर्म्ड फोर्सेस) की महानिदेशक बनाया गया था। इस पद पर नियुक्त होने वाली भी वह पहली महिला अधिकारी थीं। इसके अलावा वायुसेना की दूसरी महिला मेडिकल ऑफिसर हैं, जो एयर मार्शल रैंक तक पहुंची हैं।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए चुने गए प्राइम एस्ट्रोनॉट

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा इंडो-यूएस स्पेस मिशन के लिए भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन भेजेगी। ग्रुप कैप्टन शुक्ला इस मिशन के प्राइम एस्ट्रोनॉट होंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि इसरो के मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएसएफसी) ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने के अपने आगामी एक्सिओम-4 मिशन के लिए अमेरिका स्थित एक्सिओम स्पेस के साथ अंतरिक्ष उड़ान समझौता किया है, इस समझौते के तहत दो भारतीय पायलट चुने गए हैं इस मिशन के लिए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला प्राइम एस्ट्रोनॉट होंगे, वहीं ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर बैकअप मिशन पायलट होंगे।

दलजीत सिंह चौधरी

सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक बने

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। उन्हें बीएसएफ महानिदेशक पद पर नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति या अगले आदेश तक अपने वर्तमान कार्यों के साथ बीएसएफ महानिदेशक का कार्यभार संभालना होगा। इससे पहले गृह मंत्रालय ने बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल और उप विशेष महानिदेशक योगेश बहादुर खुरानिया को पद से हटा दिया और दोनों अधिकारियों की सेवाएं उनके होम कॉडर को लौटा दी हैं।

स्मृति शेष

आइरिश लेखिका एडना ओ'ब्रायन का निधन

आयरलैंड की लेखिका एडना ओ'ब्रायन का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह एक साहसिक लेखिका मानी जाती थीं। उन्होंने वर्ष 1960 में द कंट्री गर्ल्स नामक उपन्यास लिखा था, जिसे उनके ही देश में बैन कर दिया गया था। इसके बाद एडना आयरलैंड छोड़कर ब्रिटेन में बस गई थीं। आयरलैंड के प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने कहा कि देश ने एक साहसी, प्रतिभाशाली, प्रतिष्ठित और आकर्षक व्यक्ति को खो दिया है। वह आधुनिक समय की उत्कृष्ट लेखिकाओं में से एक और सत्य को निडरता से कहने वाली लेखिका थीं।

पूर्व क्रिकेटर अंशुमन गायकवाड़ का निधन

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज और कोच अंशुमन गायकवाड़ का निधन हो गया है। 71 वर्षीय अंशुमन लंबे समय से ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे। उन्होंने 27 दिसंबर 1974 को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच से अपने क्रिकेट कॅरियर का आगाज किया था। अंशुमन ने वर्ष 1974 से 1987 के बीच भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 वन-डे मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में दो शतकों और 10 अर्धशतकों की मदद से 1985 रन बनाये हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह भारतीय क्रिकेट टीम के चयनकर्ता और कोच भी बने थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

BM Group of Colleges

Recognized and approved by AICTE/ BCI/NCTE (New Delhi) & DTE /DHE (Bhopal)
Affiliated to Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore & RGPV, Bhopal

REQUIREMENTS

(Under College Code 28)

Principal / Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Librarian / Sports Officer

REQUIRED FOR COURSES - MBA, BBA, B.Com., B.Sc., B.Ed., B.A. LL.B., In the subjects Management/ Commerce/ Seed technology/ Physics/ Chemistry/ Maths/ English/ Hindi / Education/ Law Eligibility as per UGC / BCI / AICTE / NCTE and State Govt. norms

BM College of Technology (MBA Deptt.) | BM College of Management & Research | BM Institute of Professional Studies | BM Professional Institute

Apply within 7 days at: info@bmcollege.ac.in
Campus : Near Chokhi Dhani, Khandwa Road, Indore

AMH903909199

R-49927/2024

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1 भदभदा रोड, भोपाल

क्र./949/तशा/प.यं./2024 दिनांक - 02.08.2024

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा **Construction of Driver's Barrack (G+2) at 144 GO's Qtrs. Campus Jahangirabad Bhopal** हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2024_MPPHC_361569_1 दिनांक 20.08.2024, समय अपरान्ह 17:00 बजे तक खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115743/2024 **R-49930/2024** **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित

मुख्यालय, टी.टी. नगर, भोपाल
Website: www.apexbank.in, Tel No. 0755-2674743
क्रमांक/म.प्र.(मुख्या.)/13/कैडर/प्रसं/933 भोपाल, दिनांक: 03.08.2024

कैडर अधिकारियों के 95 पदों पर भर्ती हेतु जारी विज्ञापन

म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित मुख्यालय, भोपाल (अपेक्स बैंक) में कैडर के अंतर्गत 95 कैडर अधिकारी **(अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी,** कुल पद-15, कुल परिलब्धियां रु. 1,43,792/- प्र.मा., **प्रबंधक-लेखा,** कुल पद-34, कुल परिलब्धियां रु. 1,01,382/- प्र.मा., **प्रबंधक-प्रशासन,** कुल पद-34, कुल परिलब्धियां रु. 1,01,382/- प्र.मा., एवं **नोडल अधिकारी,** कुल पद-12, कुल परिलब्धियां रु. 1,01,382/- प्र.मा.) के रिक्त पदों पर भर्ती आई.बी.पी.एस., मुम्बई के माध्यम से किये जाने हेतु भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने हेतु कार्यक्रम निम्नवत है :-

विवरण	तिथि
ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रारंभ तिथि	06.08.2024
ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	05.09.2024
परीक्षा शुल्क	रुपये 1200/- (समस्त सामान्य/ओ.बी.सी./ई. डब्ल्यू.एस. श्रेणी के उम्मीदवारों हेतु) तथा रुपये 900/- (समस्त अ.जा./अ.ज.जा./पी.डब्ल्यू.बी.डी. श्रेणी के उम्मीदवारों हेतु) देय शुल्क पर 18% GST अतिरिक्त (एक बार जमा शुल्क वापसी योग्य नहीं)

2. उपरोक्त परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु पदों का विवरण, श्रेणीवार आरक्षण, आयु सीमा संबंधी प्रावधान, शैक्षणिक अर्हता, अनुभव एवं परीक्षा से संबंधित विस्तृत विवरण सहित अन्य समस्त निर्धारित शर्तें/निर्देश बैंक की अधिकृत वेबसाइट **www.apexbank.in** पर उपलब्ध हैं। ऑनलाइन परीक्षा की तिथि, बैंक की वेबसाइट पर प्रकाशित की जावेगी। जारी विज्ञापन में दर्शित पदों में कमी एवं निहित शर्तो के बदलाव हेतु बैंक प्रबंधन का निर्णय अंतिम होगा।

म.प्र. माध्यम/115747/2024 **प्रभारी प्रबंध संचालक**

R-49932/2024

M.P. POWER GENERATING COMPANY LTD.

Office of the Addl. Chief Engineer (O&M), Colony No. 3 Gandhisagar, Distt. Mandsaur (MP) 458771, Ph. : 07427-299212, Email : acegsps@rediffmail.com, seonmgsps@gmail.com, Web. : mppgenco.nic.in

अप्रेंटिस एक्ट 1961 के अन्तर्गत आई.टी.आई. अप्रेंटिस के आवेदन हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी लिमिटेड जो म.प्र. के राज्य विद्युत मण्डल की एक उत्तरवर्ती कम्पनी है, जिसका मुख्यालय शक्ति भवन, जबलपुर स्थित है के कार्यालय अति. मुख्य अभियंता (संचा.संधा.) म.प्र.पा.जन.कं.लि., गांधीसागर जिला मंदसौर, द्वारा म.प्र. के मूल निवासी अभ्यर्थियों के लिये जिन्होंने आई.टी.आई. (एन.सी.व्ही.टी./एस.सी. व्ही.टी.) ट्रेड:- इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, फिटर, वायरमेन से उत्तीर्ण किया हो अप्रेंटिस एक्ट 1961 के अन्तर्गत कुल 11 रिक्तियों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित है। **नोट :-** 01. आई.टी.आई उत्तीर्ण उम्मीदवारों के आवेदन शासन की वेबसाइट **https://www.apprenticeshipindia.gov.in/** के माध्यम से दिनांक 10.09.2024 की मध्यरात्रि (11.59) तक ऑनलाइन पद्धति से स्वीकार किये जावेंगे । 02. शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष तक रहेगी, जिसमें नियमानुसार स्टाईपेंड देय होगा। 03. आवेदन करने वाले सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु दिनांक :- 10.09.2024 को 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु 27 वर्ष होना चाहिये एवं एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./ई.डब्लु.एस./दिव्यांग को आयु में छूट शिक्षुता नियम (संशोधित) 2019 एवं राज्य शासन के नियमानुसार रहेगा। 04. उक्त रिक्तियों की संख्या परिवर्तनशील है तथा कम्पनी को रिक्तियां भरने या ना भरने का अधिकार रहेगा। 05. एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./इ.डब्लु.एस. वर्ग हेतु आरक्षण शिक्षुता नियम (यथा संशोधित) 2019 एवं राज्य शासन के नियमानुसार रहेगा। 06. उम्मीदवार विज्ञापन का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mppgcl.mp.gov.in/careers.html** पर देख सकते है अथवा कार्यालय अति. मुख्य अभियंता (संचा.संधा.) म.प्र.पा.जन.कं.लि., गांधीसागर जिला मंदसौर में कार्यालय समय में सम्पर्क कर सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115734/2024 **अति. मुख्य अभियंता (संचा.संधा.)**

R-49928/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M. P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER EL-82

No./9828/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 05.08.2024

Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Balaghat	4	659416.00
2	Ratlam	1	276665.00
3	Sagar	1	2002000.00
4	Vidisha	1	669458.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **07.08.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (Tender)

M.P. Madhyam/115739/2024

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49929/2024

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Bhopal (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER No. 306/MTN/2024 (BW)

No./9934/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 06.08.2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

1. Table-1:- Name of Work – Post 5 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Dewas	1	4974000.00
2.	Katni	1	13159000.00

2. Table-2 :- Name of Work – Post 10 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Jabalpur	1	4618000.00
2.	Rewa	1	13247000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **08.08.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/115761/2024 **R-49934/2024**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department Govt. of M.P.), 3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./10027/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 07.08.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1196
UPG

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :-

● **Table-1 - Name of Work : UPG (MPRRDA SSR : 05.11.2019)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Anuppur	1	7554000.00
2.	Barwani	2	80661000.00
3.	Betul	1	48886000.00
4.	Bhind	1	58730000.00
5.	Datia	1	48947000.00
6.	Dewas	2	23306000.00
7.	Raisen	1	29248000.00
8.	Seoni	1	43528000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website **from 09.08.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for Construction & Maintenance of Rural Roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/115791/2024

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49939/2024

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित

मुख्यालय, टी.टी. नगर, भोपाल
Website : www.apexbank.in, Tel. No. 0755-2674712
क्रमांक/मप्र(मुख्या)/3/का.प्रशा/प्रसं/934 भोपाल, दिनांक 03.08.2024

म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित में भर्ती हेतु विज्ञापन

म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्या. मुख्यालय, भोपाल (अपेक्स बैंक) में अधिकारी श्रेणी के अन्तर्गत **23 अधिकारियों (सहायक प्रबंधक, (प्रोग्रामर) पद-4, सहायक प्रबंधक पद-19, कुल परिलब्धियां-105808/- प्र. माह)** एवं **(बैंकिंग सहायक-79 पद, सिर्फ मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थी हेतु। कुल परिलब्धियां- रु. 69676/- प्र. माह)** के रिक्त पदों पर भर्ती आई.बी. पी.एस., मुम्बई के माध्यम से किये जाने हेतु भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने हेतु कार्यक्रम निम्नवत है :-

विवरण	तिथि
ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रारंभ तिथि	06.08.2024
ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	05.09.2024
परीक्षा शुल्क	रुपये 1200/- (समस्त सामान्य/ओ.बी.सी./ई. डब्ल्यू.एस. श्रेणी के उम्मीदवारों हेतु) एवं रुपये 900/- (समस्त अ.जा./अ.ज.जा./पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के उम्मीदवारों हेतु) देय शुल्क पर 18% GST अतिरिक्त (परीक्षा शुल्क वापसी योग्य नहीं)

2. उपरोक्त भर्ती में सम्मिलित होने हेतु पदों का विवरण, श्रेणीवार आरक्षण, आयु सीमा संबंधी प्रावधान, शैक्षणिक अर्हता, अनुभव एवं परीक्षा से संबंधित विस्तृत विवरण सहित अन्य समस्त निर्धारित शर्तें/निर्देश बैंक की अधिकृत वेबसाइट **www.apexbank.in** पर उपलब्ध है। ऑनलाइन परीक्षा की तिथि, बैंक की वेबसाइट पर प्रकाशित की जावेगी। जारी विज्ञापन में दर्शित पदों में कमी एवं निहित शर्तो के बदलाव हेतु बैंक प्रबंधन का निर्णय अंतिम होगा।

म.प्र. माध्यम/115746/2024 **प्रभारी प्रबंध संचालक**

R-49931/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम लिमिटेड

भदभदा रोड, भोपाल (म.प्र.) 462003
क्रमांक- मप्रपुआअविनि/324/2024/भोपाल दिनांक : 06.08.2024

प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम लिमिटेड, भोपाल में बाह्य सेवा संवर्ग के अंतर्गत रिक्त वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी के पद पर संविदा नियुक्ति हेतु, अविवार्षिकीय आयु पर सेवानिवृत्त ऐसे अधिकारियों, जिन्होंने समकक्ष पद पर कम से कम 10 वर्ष की सेवा के दायित्वों का निर्वहन महालेखाकार कार्यालय में, मध्यप्रदेश वित्त सेवा अधिकारी के रूप में अथवा किसी शासकीय निगम/मण्डल में निष्ठापूर्वक सम्पादित किया हो, के **दिनांक 20.08.2024 तक** आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

रिक्त संविदा पद की अर्हता, अनिवार्य एवं सामान्य शर्तें, आवेदन पत्र का प्रारूप कार्पोरेशन की वेबसाइट **www.policehousing.mp.gov.in** पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

म.प्र. माध्यम/115783/2024 **R-49937/2024** **प्रबंध संचालक**

MADHYA PRADESH BUILDING DEVELOPMENT CORPORATION

MPBDC

(An Agency of Govt. of M.P. Public Works Department)
16 – A, CEDMAP Building, Arera Hills, Bhopal (MP)-462011
Telephone No. : 0755-4853297, 0755-4853295
Email : einc-mpbdc@mp.gov.in
NIT No.: 7359/GM/MPBDC/CW/24/NIT-59 Bhopal, Dated : 07.08.24

NOTICE INVINTING TENDER

Madhya Pradesh Building Development Corporation invites online tender for the following works in various Districts of Madhya Pradesh :-

1. Construction/Upgradation of Existing 100 Bedded to 200 Bedded District Hospital at Pandhurna, District Pandhurna, M.P.
   Package No. 002/Upgrad. and Const./2024/SEONI – 01 Work – PAC for work Rs. 2580.00 Lakhs
2. Construction/Upgradation of Existing 160 Bedded to 300 Bedded District Hospital at Maihar, District Maihar, M.P.
   Package No. 003/Upgrad. and Const./2024/REWA - 01 Work – PAC Rs. 2750.86 Lakhs
3. Construction/Upgradation of Existing 100 Bedded to 200 Bedded District Hospital at Mauganj, District Mauganj, M.P.
   Package No. 004/Upgrad. and Const./2024/REWA - 01 Work – PAC Rs. 3180.00 Lakhs
4. Construction of Boys Hostel (G+4) 240 boys including construction of STP, RCC Stone Water Drain along compound wall, Water Pond and Providing and installing Fire Fighting System in Boys Hostel at National Law Institute University Bhopal, M.P.
   01 Work – PAC Rs. 1939.05 Lakhs

From bidders registered in M.P. PWD Department under appropriate category. Detailed NIT and tender documents can be viewed and purchased online only from 28.08.2024 at 18:00 hrs. to 23.09.2024 at 15:30 hrs. (for S. No. 1 to 3) and 23.08.2024 at 18:00 hrs. to 17.09.2024 at 15:30 hrs. (for S. No. 4 only) from **website www.mptenders.gov.in**

PAC can very at the time of uploading of tender if required in document. Any amendment/corrigendum 'if any' will be published on website only, will not be published on newspapers.

M.P. Madhyam/115788/2024 **MANAGING DIRECTOR**

R-49938/2024

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के अंतर्गत आई.टी.आई. में प्रशिक्षण अधिकारियों के पदों की भर्ती चयन परीक्षा 2024

आवेदन पत्र भरने की तिथि:- 09.08.2024 से 23.08.2024 तक	ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी	आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 09.08.2024 से 28.08.2024 तक

परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
30 सितम्बर 2024 से प्रारंभ	प्रथम	प्रात: 07:00 से प्रात: 08:00 बजे तक	प्रात: 09:00 से 11:00 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 12:00 से दोपहर 01:00 बजे तक	दोपहर 02:00 से 04:00 बजे तक (02 घंटे)

परीक्षा शहर :- बालाघाट, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, खण्डवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी एवं उज्जैन।

आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा की विस्तृत नियम पुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रुपये 500/-
केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. एवं दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए	रुपये 250/-
ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रुपये 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लागिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रुपये 20/-

विशेष निर्देश

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक हैं वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलक्युलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं sun glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान संबंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट- मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल
'चयन भवन' मेन रोड नं.-1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011
Fax : 91-0755-2550498, Website : www.esb.mp.gov.in

विज्ञापन क्र. 32/2024
म.प्र. माध्यम/115806/2024 **R-49943/2024** **संचालक**

एमपी इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पो. लिमि.
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM
21, Arera Hills, Bhopal-462011 M.P. (India), Tel. : (91) 755-2571830, 2575618, 3523555, 3523505 E-mail : helpdesk@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in
CIN : U51102MP1977SGC001392
क्र.193/एमपीआईडीसी/स्था./से.नि.-17/2024/8389 दिनांक : 07.08.2024

विज्ञप्ति

एमपी इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भोपाल द्वारा **"दिव्यांगजनों"** हेतु कनिष्ठ यंत्री, सहायक ग्रेड-1 एवं सहायक ग्रेड-2 के पदों पर भर्ती प्रक्रिया वॉक-इन-इन्टरव्यू के माध्यम से सम्पादित कराई जा रही है। अधिक जानकारी हेतु इच्छुक अभ्यर्थी निगम की वेबसाइट **www.investmp.gov.in** पर यथाशीघ्र प्रदर्शित होने वाले विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन कर सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115794/2024 **कार्यकारी संचालक (प्रशा.)**

R-49940/2024

कार्यालय नगरपालिक निगम देवास (म.प्र.)

क्रमांक/4812/स्था./2024 देवास, दिनांक : 07.08.2024

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की रिट याचिका क्रमांक 7275/2019 में निर्णय के पालन में दिव्यांगजनों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विभागीय विज्ञापन क्रमांक 4382/स्था./न.नि./ 2024 देवास दिनांक में 22.07.2024 में वाक इन इन्टरव्यू की दिनांक 08.08.2024 निर्धारित कि गई थी आवेदनों कि संख्या अधिक होने से उक्त दिनांक के स्थान पर निम्नानुसार दिनांक निर्धारित कि जाती है।

01. 20 सितम्बर 2024 :- सहायक ग्रेड-3
02. 24 सितम्बर 2024 :- उप स्वच्छता प्रर्यवेक्षक जमादार
03. 30 सितम्बर 2024 :- भृत्य
04. 01 अक्टूबर 2024 - सहायक राजस्व निरीक्षक
05. 08 अक्टूबर 2024 :- सफाई समरक्षक

R-49944/2024 **आयुक्त**
म.प्र. माध्यम/115808/2024 **नगरपालिक निगम, देवास**

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी. महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
फोन नं. : 0734-2527715, मोबा. : 9406808103
E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in
क्र. 982/पय/मप्रपुहाइडेकालि/24/उज्जैन दिनांक : 07.08.2024

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 11/2024-25

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 11/2024-25 दिनांक 07.08.2024 के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कन्नौद, थाना भवन कांटाफोड़, सतवास, हरणगांव, उदयनगर, खातेगांव, बीएनपी एवं पुलिस सहायता केन्द्र इटावा, जिला देवास में विभिन्न मरम्मत कार्य ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2024_MPPHC_361851, पुराना रोजनामचा, क्वॉर्टर गार्ड के पीछे पुलिस लाइन, थाना भवन इंडस्ट्रीयल एरिया एवं थाना भवन, नाहर दरवाजा में विभिन्न मरम्मत कार्य ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. - 2024_MPPHC_361852, थाना सिविल लाइन, 32वीं वाहिनी विस.बल कंपनी भवन, महिला बैरक पुलिस लाईन देवास में विभिन्न मरम्मत कार्य ऑन लाईन निविदा आईडी क्र. - 2024_MPPHC_361853, थाना पीपलरावां, टोंकखुर्द, सोनकच्छ, बागली एवं हाटपिपलिया, चौकी टोंक कला एवं डबल चौकी, पुलिस सहायता केन्द्र, नेवरी फाटा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, बागली जिला देवास में विभिन्न मरम्मत कार्य ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2024_MPPHC_361854, पुलिस प्रशिक्षण शाला उज्जैन के प्रशासनिक भवन में मरम्मत कार्य हेतु ऑन लाईन निविदा आईडी क्र. 2024_MPPHC_361855 आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 22.08.2024 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115802/2024 **R-49942/2024** **परियोजना यंत्री**

कार्यालय, प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी
हकीम सैय्यद जियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी महाविद्यालय/चिकित्सालय (कोलार-नेहरू नगर बायपास रोड, मैनिट के पीछे, भोपाल), Web. : www.gumcbhopal.in, E-mail : gumcbhopal@gmail.com Ph. 0755-2970354
क्र./स्था./2024/3858 भोपाल, दिनांक: 07.08.2024

विज्ञापन

म.प्र. शासन, आयुष विभाग, भोपाल द्वारा विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत हकीम सै. जियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल में दिव्यांगजनों की विशेष भर्ती अभियान

हकीम सै. जियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल में म.प्र. शासन, आयुष विभाग, भोपाल द्वारा दिव्यांगजनों की भर्ती स्टाफ नर्स-01 पद, वार्डबॉय-01 पद एवं भृत्य-01 पद पर **दिनांक 03.09.2024 को समय प्रातः 10.00 बजे से सायं 06.00 बजे तक** किया जाना निर्धारित है ।

इस संबंध में समस्त आवश्यक जानकारी महाविद्यालय में उपस्थित होकर अथवा महाविद्यालय की वेबसाइट **www.gumcbhopal.in** पर उपलब्ध है ।

म.प्र. माध्यम/115800/2024 **प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी**

R-49941/2024

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी. महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in, मोबा. : 9406808103
क्र. 988/पय/मप्रपुहाइडेकालि/24/उज्जैन दिनांक : 07.08.2024

निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक-12/2024-25 दिनांक 07.08.2024 के अंतर्गत अपूर्ण कार्य 8+12+48 आवास गृह, मंदसौर। (रिस्क एण्ड कास्ट) निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2024_MPPHC_362601 आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 22.08.2024 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115813/2024 **R-49945/2024** **परियोजना यंत्री**

गुरु-शिष्य परम्परा से ही सही मायनों में होगा शिक्षा का विकास

भोपाल, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि भारत में गुरु-शिष्य की गौरवशाली प्राचीन परम्परा रही है। इसी का अनुसरण कर हम सही मायनों में शिक्षा के क्षेत्र में विकास कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ शिक्षक समाज को हमेशा प्रेरित करता रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह भोपाल के एक निजी टी.व्ही. चैनल के शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर उत्कृष्ट संस्था, उत्कृष्ट शिक्षक, शिक्षा प्रकाश पुत्र और स्व. श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से श्रेष्ठ कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि शिक्षक यदि निष्ठावान और समर्पण के भाव से कार्य करता है तो वह देश के अच्छे भविष्य के निर्माण में ठोस सहयोग करता है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक तब संतुष्ट होता है जब उसके विद्यार्थी श्रेष्ठ स्थान पर पहुंचते हैं। उन्होंने शिक्षकों के निष्पक्ष रहने की जरूरत पर जोर दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत के स्व. श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन और स्व. डॉ. अब्दुल कलाम आजाद जैसे दो प्रसिद्ध शिक्षाविदों ने राष्ट्रपति के रूप में देश का नेतृत्व किया और देश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बगैर मनुष्य का जीवन अधूरा है। इस वजह से शिक्षकों का समाज में अमूल्य योगदान है।

देश के सभी प्रमुख शहरों में मृगनयनी एम्पोरियम की शाखाएं स्थापित की जाएं

भोपाल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि प्रदेश की स्थानीय कलाकृतियों, हस्तशिल्प एवं हाथकरघा उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिये देश के सभी प्रमुख शहरों में मृगनयनी एम्पोरियम की शाखाएं स्थापित की जाएं। इसके लिये हर स्तर पर प्रभावी कार्यवाही की जाये। राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए विभाग के सभी उत्पादों का उत्पादन एवं उनकी गुणवत्ता बढ़ाने और इन्हें आकर्षक तरीके से पैकेजिंग कर बेचने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कारीगरों के कौशल उन्नयन कार्य में भी और प्रगति लाई जाये और अधिकाधिक कारीगरों को प्रशिक्षित किया जाए।

हम रोज़गार मांगने वाले नहीं, रोज़गार देने वाले बनें

बैठक में राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग जरूरतमंदों की आजीविका चलाने वाला विभाग है। इसलिये विभागीय उत्पादन गतिविधियों में और तेजी लाएं। हम रोज़गार मांगने वाले नहीं, रोज़गार देने वाले बनें। उन्होंने सिंहस्थ-2028 में विभागीय उत्पादों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं विक्रय के लिये अधिकारियों को अभी से कार्ययोजना बनाकर तैयारी प्रारंभ करने के निर्देश दिये।

साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय
Sanchi University of Buddhist-Indic Studies
(Established by Madhya Pradesh ACT No. 1 of 2013)
Sanchi-Salamatpur Tiraha, Tehsil Sanchi, Distt. Raisen (M.P.)- 464651
Ref. 1531/SUBIS/2024 **Date : 07.08.2024**

NOTICE FOR ENGAGEMENT OF GUEST FACULTIES

An Interview for the engagement of Guest Faculty in Education, Indian Philosophy, Hindi, English, Chinese Language, Indian Painting and Sanskrit will be held at Sanchi University Campus in the Office of Vice Chancellor on 14 August 2024 from 11:30 AM to 4.30 PM. Interested candidates having eligibility as per UGC rules should attend with their C.V., all original certificates, marksheets and a set of Xerox copies of the same duly self-attested by them on the scheduled date and time. In this context, the rules and regulations of Sanchi University of Buddhist-Indic Studies will be applicable. In any dispute, the decision of the University will be final and binding to all.

Note : No TA/DA will be paid for attending the interview.

M.P. Madhyam/115831/2024 **R-49946/2024** **REGISTRAR**

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल - ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1084/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 01.08.2024

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 02.09.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_360699	**टर्न की पद्धति पर** :– बगलीपाठ परियोजना अंतर्गत वियर एवं 2 नं. बेलेंसिंग रिज़र्वायर तथा सूक्ष्म सिंचाई (होज़) प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	बालाघाट	24915.00

जी-14555/49914/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, कोठी रोड, सिविल लाईंस, सतना (म.प्र.)

PHONE No. - 07676-299470, E-mail : dpepiusatna2@gmail.com

एन.आई.टी. नं. - 14/2024/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सीई/पी.डब्ल्यू.डी./भवन/1978 रीवा, दिनांक : 05.08.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :–

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– सतना जिला सतना में नवीन चिकित्सा महाविद्यालय अंतर्गत नर्सिंग कॉलेज की स्थापना/निर्माण कार्य सह जल प्रदाय, सेनेटरी एवं विद्युतीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेण्डर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पी.ए.सी.) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ई.एम.डी.) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2024_PWPIU_361932_1	सतना	1177.53	1000000/-	30000	18 माह	हां

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 10.08.2024 समय 10.00 से **दिनांक 27.08.2024** समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)

जी-14658/49920/2024 **लोक निर्माण विभाग, सतना**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन रीवा संभाग
माधवराव सप्रे मुख्य मार्ग 03, भोपाल मध्यप्रदेश

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 02/री.सं/2024-25/488 भोपाल, दिनांक : 05.08.202

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश संभाग रीवा की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) **(http://mptenders.gov.in)** Department Directorate of Health Services से स.क्र. 01 से 06 तक 03 लिफाफा पद्धति से प्रोजेक्ट डारेक्टर पी.आई.यू. लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा भवन एवं विद्युतीकरण एस.ओ.आर. 01.01.2024 से जारी होने तक किये गये संशोधन सहित (भारत शासन द्वारा प्रावधानित जी.एस.टी. आदेश क्रमांक 4295 दिनांक की शर्ते लागू होंगी) प्रपत्र ''अ'' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :–

निविदा आमंत्रण सूचना 02/2024-25 दिनांक 05.08.2024 (तृतीय आमंत्रण)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. संभाग रीवा के जिला रीवा विकासखण्ड गंगेव में 6 उपस्वास्थ्य केन्द्र ग्राम अम्हा, बेलवापेकान, घोपी, जूरूत, रकसमेन, परासी एवं विकासखण्ड त्यौथर में 6 उपस्वास्थ्य केन्द्र ग्राम अजोरा, अंतरलिया, बजरा, चदंदायी, चीला, गंगतिरा, भवनों का मय सीएचओ आवास सहित निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)

टेण्डर नं. 2024_DHS_	ठेके की अनु. राशि रुपये (लाख में)	अमानत राशि रुपये	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाऋतु सहित)	ठेकेदार की श्रेणी
2024_DHS_361559	660.96	660960/-	20000/-	18 माह	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. संभाग रीवा के जिला विकासखण्ड त्यौथर में 12 ग्राम खम्हा, कोरव, कोटराकला, कूथिला, मझिगवा, नवास्ता, पडरी, रेरूपूरवा, सोहरवार घूसरूम, गोडकला, कलवारी, भवनों का मय सीएचओ आवास सहित निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)

2024_DHS_361560	660.96	660960/-	20000/-	18 माह	--तदैव--

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. संभाग रीवा के जिला रीवा विकासखण्ड रांईपुर कलचूरियान में 10 उपस्वास्थ्य केन्द्र ग्राम बडगवा, बडवार, बरेही, भलूआ, बयोहरा, चोरगढी, दिहूली, घघरा, घेरूर, घोरगव, लटोरा भवनों का मय सीएचओ आवास सहित निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)

2024_DHS_361562	605.88	660960/-	20000/-	18 माह	--तदैव--

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. संभाग रीवा के जिला रीवा विकासखण्ड राईपुर कलचूरियान में उपस्वास्थ्य केन्द्र ग्राम 11 करियाघर, कूईयान, नवागव, पडरिया, पलिया, परासवार, पथौरहा, पूर्वा राघुराजगढ, सुरसाखुर्द अलिहकला भवनों का मय सीएचओ आवास सहित निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)

2024_DHS_361563	605.88	605880/-	20000/-	18 माह	--तदैव--

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. संभाग रीवा के जिला रीवा विकासखण्ड हनुमना के 10 ग्राम मालिगवां, नकावार,पैपखार, पतूलखी, प्रतापगंज एवं तेदुआबेलान गढा, गदरा, हरीप्रतापसिंह, खटखरी, भवनों का मय सीएचओ आवास सहित निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)

2024_DHS_361564	550.80	550800/-	20000/-	18 माह	--तदैव--

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. संभाग रीवा के जिला रीवा विकासखण्ड जवा के 10 ग्राम बडाछ, बरेठीकला, बसरेही, गेदुरा, घुमान, झालवा, खाझा, कोटवाखास, रामबाग, चन्डी भवनों का मय सीएचओ आवास सहित निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)

2024_DHS_361565	550.80	550800/-	20000/-	18 माह	--तदैव--

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट **(http://mptenders.gov.in)** पर देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 07.08.2024 से 21.08.2024** को प्रातः 10.30 बजे सायं 17.30 बजे तक क्रय किये जा सकते हैं।
2. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाइट **(http://mptenders.gov.in)** पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रों में नहीं। जो निविदाकार लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत नहीं है, ऐसे निविदाकार लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया हो वे भी निविदा में भाग लेने की पात्रता रखते हैं लेकिन अनुबंध निष्पादन के पूर्व लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत होना अनिवार्य है।
3. उपरोक्तानुसार जारी निविदाओं के संबंध में अंतिम निर्णय लेने को अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है।

कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन रीवा संभाग
जी - 14561/49915/2024 **माधवराव सप्रे मुख्य मार्ग 03, भोपाल**

कार्यालय अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मण्डल ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474011

फोन : 0751-2344420 (O), ईमेल : seresgwalior@mp.gov.in

क्रमांक/757/ग्रा.यां.से./ई-निविदा/2024 ग्वालियर, दिनांक : 31.07.2024

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक - 03/SERESGwl/2024-25

निम्नलिखित कार्यों हेतु म.प्र. सरकार के केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत अथवा अन्य समकक्ष/समतुल्य श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती हैं -

क्र.	टेण्डर आई क्र.	कार्य का नाम/स्थान	जिले का नाम	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)
1.	2024_RES_360585_1	प्रधानमंत्री जनमन योजनान्तर्गत बहुउद्देशीय केन्द्र निर्माण कार्य खुटियारी ग्रा.पं. बाघेरी ज.पंचा. बमोर [पिन-473115]	गुना	48.57	270 दिन
2.	2024_RES_360586_1	प्रधानमंत्री जनमन योजनान्तर्गत बहुउद्देशीय केन्द्र निर्माण कार्य बसौटा ग्रा.पंचा. चराईडांग ज.पंचा. घाटीगांव [पिन-475330]	ग्वालियर	48.57	270 दिन
3.	2024_RES_360587_1	प्रधानमंत्री जनमन योजनान्तर्गत बहुउद्देशीय केन्द्र निर्माण कार्य घटवासिनी ग्रा.पंचा. चराईडांग ज.पंचा. घाटीगांव [पिन-475330]	ग्वालियर	48.57	270 दिन
4.	2024_RES_360588_1	प्रधानमंत्री जनमन योजनान्तर्गत बहुउद्देशीय केन्द्र निर्माण कार्य गोविन्दपुर ग्रा.पंचा. गोविन्दपुर ज.पंचा. दतिया [पिन-475671]	दतिया	48.57	270 दिन
5.	2024_RES_360589_1	प्रधानमंत्री जनमन योजनान्तर्गत बहुउद्देशीय केन्द्र निर्माण कार्य गोविन्दनगर ग्रा.पंचा. बाजनी ज.पंचा. दतिया [पिन-475671]	दतिया	48.57	270 दिन
6.	2024_RES_360590_1	प्रधानमंत्री जनमन योजनान्तर्गत बहुउद्देशीय केन्द्र निर्माण कार्य विजनपुरा ग्रा.पंचा. बसवाहा ज.पंचा. दतिया [पिन-475671]	दतिया	48.57	270 दिन
7.	2024_RES_360591_1	प्रधानमंत्री जनमन योजनान्तर्गत बहुउद्देशीय केन्द्र निर्माण कार्य सांकुली ग्रा.पंचा. सांकुली ज.पंचा. दतिया [पिन-475671]	दतिया	48.57	270 दिन

1. विस्तृत निविदा सूचना विवरण वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
2. निविदा प्रपत्र दिनांक 08.08.2024 समय 09.00 AM से 21.08.2024 समय 06.00 PM तक केवल ऑनलाइन क्रय एवं सबमिट किये जा सकेंगे।
3. यदि निविदा में कोई संशोधन किया जाता है तो सिर्फ Web Portal **https://www.mptenders.gov.in** पर ही Publish किया जावेगा, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

अधीक्षण यंत्री
जी-14526/49913/2024 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मण्डल ग्वालियर**

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल - ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1086/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 01.08.2024

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 02.09.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_361214	**टर्न की पद्धति पर** :– मल्हारगढ़ (शिवना) सूक्ष्म दाबयुक्त सिंचाई परियोजना अंतर्गत बैराज एवं बैलेंसिंग रिज़र्वायर का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	मंदसौर	60171.20
2.	2024_WRD_360701	**टर्न की पद्धति पर** :– मल्हारगढ़ (शिवना) सूक्ष्म दाबयुक्त सिंचाई परियोजना अंतर्गत पाइप सिंचाई प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	मंदसौर	173077.33
3.	2024_WRD_360702	**टर्न की पद्धति पर** :– चितरंगी माइक्रो सिंचाई परियोजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	सिंगरौली	107983.00
4.	2024_WRD_360704	**टर्न की पद्धति पर** :– जावद नीमच माइक्रो सिंचाई परियोजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	नीमच	341827.84

जी-14632/49919/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मण्डल ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474011

फोन : 0751-2344420 (O), ई-मेल : seresgwalior@mp.gov.in

क्रमांक/780/ग्रा.यां.से./ई-निविदा/2024 **ग्वालियर, दिनांक : 01.08.2024**

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक - 04/SERESGwl/2024-25

निम्नलिखित कार्यों हेतु म.प्र. सरकार के केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत अथवा अन्य समकक्ष/समतुल्य श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती हैं -

क्र.	टेण्डर आईडी क्र.	कार्य का नाम/स्थल	जिले का नाम	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)
1.	2024_RES_361310_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) बारा सर्वे नं. 25 ज.पं. शिवपुरी पिन-473551	शिवपुरी	48.98	270 दिन
2.	2024_RES_361312_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) रायपुर सर्वे नं. 32 ज.पं. पोहरी पिन-473775	शिवपुरी	48.98	270 दिन
3.	2024_RES_361314_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) गंगोरा सर्वे नं. 85 ज.पं. शिवपुरी पिन-473551	शिवपुरी	48.98	270 दिन
4.	2024_RES_361315_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) कलोथरा सर्वे नं. 53 ज.पं. शिवपुरी पिन-473551	शिवपुरी	48.98	270 दिन
5.	2024_RES_361317_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) मुड़खेड़ा सर्वे नं. 30 ज.पं. शिवपुरी पिन-473551	शिवपुरी	48.98	270 दिन
6.	2024_RES_361318_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) सूंड सर्वे नं. 172 ज.पं. शिवपुरी पिन-473551	शिवपुरी	48.98	270 दिन
7.	2024_RES_361319_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) ग्वालिपुर सर्वे नं. 154/06 ज.पं. शिवपुरी पिन-473551	शिवपुरी	48.98	270 दिन
8.	2024_RES_361320_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) एसवाया सर्वे नं. 101 ज.पं. पोहरी पिन-473775	शिवपुरी	48.98	270 दिन
9.	2024_RES_361321_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) केरकुई सर्वे नं. 25 ज.पं. पोहरी पिन-473775	शिवपुरी	48.98	270 दिन
10.	2024_RES_361322_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) कोटानाका सर्वे नं. 38 ज.पं. कोलारस पिन-473770	शिवपुरी	48.98	270 दिन
11.	2024_RES_361323_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) सेसईसड़क सर्वे नं. 1504 ज.पं. कोलारस पिन-473770	शिवपुरी	48.98	270 दिन
12.	2024_RES_361324_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) झण्डी सर्वे नं. 448 ज.पं. बदरवास पिन-473885	शिवपुरी	48.98	270 दिन
13.	2024_RES_361325_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) चितारा सर्वे नं. 403 ज.पं. बदरवास पिन-473885	शिवपुरी	48.98	270 दिन
14.	2024_RES_361327_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) ढकरौरा सर्वे नं. 661 ज.पं. बदरवास पिन-473885	शिवपुरी	48.98	270 दिन
15.	2024_RES_361328_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) इचोनिया सर्वे नं. 75 ज.पं. बदरवास पिन-473885	शिवपुरी	48.98	270 दिन
16.	2024_RES_361329_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्द्देशीय केन्द्र) विजयपुरा सर्वे नं. 84/1 ज.पं. बदरवास पिन-473885	शिवपुरी	48.98	270 दिन
17.	2024_RES_361330_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) डगपीपरी सर्वे नं. 626 ज.पं. बदरवास पिन-473885	शिवपुरी	48.98	270 दिन
18.	2024_RES_361331_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) धामनटूक सर्वे नं. 373 ज.पं. बदरवास पिन-473885	शिवपुरी	48.98	270 दिन
19.	2024_RES_361332_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) दिदावली सर्वे नं. 260 ज.पं. करैरा पिन-473660	शिवपुरी	48.98	270 दिन
20.	2024_RES_361333_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) अल्गी सर्वे नं. 1574 ज.पं. करैरा पिन-473660	शिवपुरी	48.98	270 दिन
21.	2024_RES_361334_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्द्देशीय केन्द्र) झालोनी सर्वे नं. 222 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
22.	2024_RES_361335_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) मुढ़िया सर्वे नं. 354 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
23.	2024_RES_361336_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) पचराई सर्वे नं. 531 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
24.	2024_RES_361337_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) गताझलकुई सर्वे नं. 432 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
25.	2024_RES_361338_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) रही सर्वे नं. 680 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
26.	2024_RES_361339_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) धर्मपुरा सर्वे नं. 308 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
27.	2024_RES_361340_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) महुआ सर्वे नं. 204 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
28.	2024_RES_361341_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) गुरैया सर्वे नं. 492 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
29.	2024_RES_361342_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) हिण्डोराखेड़ी सर्वे नं. 165 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
30.	2024_RES_361343_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) मायापुर सर्वे नं. 169 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
31.	2024_RES_361344_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) महरौली सर्वे नं. 777 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
32.	2024_RES_361345_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) आसपुर सर्वे नं. 1211 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन
33.	2024_RES_361346_1	मल्टीपरपज कॉम्प्लेक्स निर्माण (बहुउद्देशीय केन्द्र) नावली सर्वे नं. 108 ज.पं. खनियाधाना पिन-473990	शिवपुरी	48.98	270 दिन

1. विस्तृत निविदा सूचना विवरण वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
2. निविदा प्रपत्र **दिनांक 13.08.2024 समय 09.00 AM से 27.08.2024 समय 06.00 PM तक** केवल ऑनलाइन क्रय एवं सबमिट किये जा सकेंगे।
3. यदि निविदा में कोई संशोधन किया जाता है तो सिर्फ Web Portal **https://www.mptenders.gov.in** पर ही Publish किया जावेगा, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मण्डल ग्वालियर

जी-14765/49926/2024

कार्यालय प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, (अनु. जा.)
श्यामला हिल्स, भोपाल

E-mail : petcs.cbpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

क्र./प्रशि/न.क्र.-36/2024/171 **भोपाल, दिनांक : 5.08.2024**

SSC/रेलवे के प्रशिक्षण हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण

कार्यालय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र श्यामला हिल्स भोपाल में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये एस.एस.सी./रेलवे का निःशुल्क प्रशिक्षण दिनांक 01.08.2024 से प्रारंभ हो चुका है। संस्थान में प्रवेश हेतु अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान में व्यक्तिगत रूप से आकर या केन्द्र के दूरभाष क्रमांक 0755-2666615 एवं केन्द्र के ई-मेल **petcsc.bpl@gmail.com** पर कार्यालयीन दिवस व कार्यालयीन समय में सम्पर्क कर सकते हैं।

प्राचार्य
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल

जी-14707/49924/2024

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय
चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.) 485334

इस विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों में यू.जी.सी./आई.सी.ए.आर./ए.आई.सी.टी.ई./एन.सी.टी.ई. की शैक्षणिक योग्यता (Academic Qualification) के मापदंडों के अनुसार मासिक/दैनिक/कालांशवार अध्यापन हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि एवं स्थान पर फोटोयुक्त बायो-डाटा, आवश्यक मूल अभिलेखों एवं उनकी छायाप्रतियों सहित उपस्थित हों।

नोट :– विषय, साक्षात्कार तिथि (9 से 17 अगस्त, 2024) एवं स्थान आदि की विस्तृत जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट का अवलोकन करें।

वेबसाइट - www.gramodayachitrakoot.ac.in
दूरभाष नम्बर - 07670-265411, 265394 (Help Desk)

आर-49950/2024 **कुलसचिव**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन
प्लाट नं. - 27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं. - 07/2024/निविदा/सा/मु.अ.भ./ **भोपाल, दिनांक : 30.07.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :–

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. लोक निर्माण विभाग (भवन) जिला देवास में विभिन्न विभागों के भवन कार्यों हेतु सुपरविजन एवं क्वालिटी कंट्रोल सर्विसेस कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2024_PWPIU_361730_1	देवास	232.62	232620	15000	24 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. लोक निर्माण विभाग, देवास में निर्माण कार्यों हेतु आर्किटेक्चरल डिजाइन एवं डी.पी.आर. कंसलटेंट इत्यादि की एजेंसी।

2024_PWPIU_361714_1	देवास	50.00	50000	10000	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. उप जेल बरेली जिला रायसेन में डबल बैरिक (डबल स्टोरी) जेल का निर्माण कार्य।

2024_PWPIU_361366_1	रायसेन	119.61	119610	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. जिला हरदा में 02 बैरिक (01 डबल स्टोरी) का निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)

2024_PWPIU_361228_1	हरदा	119.61	119610	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. कंस्ट्रक्शन ऑफ 01 बैरिक डबल स्टोरी (कुल 02 नग बैरिक) एट सबजेल पिपरिया डिस्ट्रिक्ट नर्मदापुरम। (द्वितीय आमंत्रण)

2024_PWPIU_360985_1	नर्मदापुरम	119.61	119610	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. सबजेल गंजबासौदा में 40 बंदियों हेतु दो मंजिला नवीन बैरिक का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)

2024_PWPIU_357374_2	विदिशा	119.61	119610	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 30.07.2024 समय 10.30 से **दिनांक 14.08.2024** समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग भोपाल

जी-14672/49921/2024

हमारा जिला आगर मालवा

प्रागैतिहासिक काल से लेकर परमार काल के आरंभ से जुड़ा है आगर मालवा का इतिहास

आगर मालवा भारत के मध्यप्रदेश राज्य में 51वां जिला है, जिसे शाजापुर जिले के एक हिस्से को जोड़कर 2013 में गठित किया गया था। यह इंदौर-कोटा एसएच -27 राजमार्ग पर स्थित है। आगर मालवा जिला अपनी लाल मिट्टी के लिये भारत में प्रसिद्ध है। आगर की स्थापना राजा अगरिया भील ने 10वीं सदी के दौरान की थी, कई वर्षों तक यह राजपूत शासकों के अधीन रहा। यह जिला उज्जैन संभाग में स्थित है। इसे 16 अगस्त 2013 को शाजापुर से अलग करके जिला घोषित किया गया। 1947 से मध्यप्रदेश के पुनर्गठन के पूर्व 1956 तक आगर मध्य भारत का एक जिला था। 1956 में इसे शाजापुर जिले में शामिल कर दिया गया। यह उज्जैन शहर से 65 किलोमीटर दूर स्थित है। आगर जिले के अंतर्गत चार तहसील आती हैं बड़ोद, आगर, सुसनेर, नलखेड़ा।

भूगोल

जिले का पश्चिमी भाग आगर पठार द्वारा चिह्नित है जो आगर मालवा जिले के प्रमुख क्षेत्रों को कवर करता है। यह पहाड़ी क्षेत्र है। दुधलिया और कछोल पश्चिम में मुख्य धाराएं हैं, जो पहाड़ी पथ से निकलती हैं। छोटी काली सिंध, जो इस क्षेत्र की मुख्य बारहमासी धारा है, क्षेत्र की पश्चिमी सीमा पर उत्तर की ओर बहती है।

इतिहास

आगर नगर का इतिहास प्रागैतिहासिक काल के आरम्भ से प्रारम्भ होता है। परमार काल में इस क्षेत्र का महत्व रहा है। यहां परमारकालीन प्रतिमाएं प्राप्त हुई हैं। परमार काल में इसका सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्व था। यह सिंधिया रियासत के दौरान राज्य का एक भाग था। उस समय के कुछ महल अभी भी शहर की अदालत और अन्य सरकारी कार्यालयों के लिए उपयोग किए जाते हैं। यह पूर्व में मौसम की अनुकूलता और पानी की उपलब्धता के कारण एक छावनी क्षेत्र था। आगर मालवा जिले का क्रमबद्ध इतिहास 4000 वर्ष पूर्व के पुरातत्वीय अवशेष मिलने के साथ आरम्भ होता है। सुसनेर, सोयतकलां, बड़गांव आदि ताम्रयुगीन महत्वपूर्ण केंद्र हैं, इन स्थानों से कायथा संस्कृति के अवशेष मिले हैं। मुगलकाल में जब मांडू मुगलों की राजधानी हुआ करती थी तब यह ग्रीष्म प्रवास की दृष्टि से सर्वाधिक पसंद किया जाने वाला क्षेत्र था। यहां गर्मी के समय रात्रि का तापमान अन्य क्षेत्रों की तुलना में कम हुआ करता था। 'शब-ए-मालवा' की प्रसिद्धि इस क्षेत्र की जलवायु के कारण ही है। सिंधिया राज्य के समय इसे अनुविभाग का दर्जा प्राप्त था। उस दौरान निर्मित किए किले आज भी अस्तित्व में हैं जिनमें न्यायालय तथा अन्य प्रशासनिक भवन संचालित हैं। पूर्व में मध्य भारत राज्य के समय इसे वर्ष 1956 तक जिले का दर्जा प्राप्त था। 16 अगस्त 2013 के उपरान्त पुनः इसे जिले का दर्जा प्राप्त हो गया है। जिले में कोई आरक्षित अथवा संरक्षित श्रेणी का वन्य क्षेत्र नहीं है, इस कारण यहां कोई विशेष प्रकार के जीव नहीं पाए जाते हैं। सालारिया गौ अभयारण्य जो सुसनेर क्षेत्र में स्थित है, उसे प्रदेश के प्रथम गौ अभयारण्य का दर्जा प्राप्त है।

प्रमुख धार्मिक स्थल

बैजनाथ महादेव मंदिर

बैजनाथ महादेव मंदिर जिला आगर-मालवा के सुसनेर रोड (उज्जैन-कोटा रोड राष्ट्रीय राजमार्ग 27) पर स्थित है। बैजनाथ महादेव मंदिर जिला आगर-मालवा के प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों में से एक है। मंदिर बाणगंगा नदी के किनारे स्थित है, इसका निर्माण कार्य सन् 1528 में शुरू हुआ था और 1536 में इसका निर्माण कार्य पूर्ण हुआ था। मंदिर के शिखर की ऊंचाई लगभग 50 फीट है।

माँ बगलामुखी माता मंदिर नलखेड़ा

मध्यप्रदेश में तीन मुखों वाली त्रिशक्ति माता बगलामुखी का यह मंदिर आगर

जिले की तहसील नलखेड़ा में लखुंदर नदी के किनारे स्थित है। द्वापर युगीन यह मंदिर अत्यंत चमत्कारिक है। यहां देशभर से शैव और शाक्त मार्गी साधु-संत तांत्रिक अनुष्ठान के लिए आते रहते हैं। इस मंदिर में माता बगलामुखी के अतिरिक्त माता लक्ष्मी, कृष्ण, हनुमान, भैरव तथा सरस्वती भी विराजमान हैं। इस मंदिर की स्थापना महाभारत में विजय पाने के लिए भगवान कृष्ण के निर्देश पर महाराजा युधिष्ठिर ने की थी। मान्यता यह भी है कि यहां की बगलामुखी प्रतिमा स्वयंभू है।

सोमेश्वर महादेव मंदिर

आगर जिले के उज्जैन रोड पर ग्राम तनोडिया से गुन्दीकलां मार्ग पर गोकुल ग्राम राघोगढ़ के समीप ग्राम सुनारिया है, इसी ग्राम के पश्चिम में 1 किलोमीटर दूर छोटी कालीसिंध के मध्य में यह प्रसिद्ध मंदिर है, मान्यता है अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने भगवान सोमेश्वर की स्थापना की थी। आगर से इसकी दूरी लगभग 25 किलोमीटर है।

पचेटी माता मंदिर (बड़ी माताजी)

प्राचीन समय में यहां घने जंगल में प्राचीन मूर्तियां विराजित थीं, धीरे-धीरे यहां लोगों का आना-जाना शुरू हुआ, माताजी के चमत्कारों से लोगों का आना बढ़ता गया और आज यहां एक भव्य मंदिर तैयार हो गया है, जो आज भी जंगल में ही है और पास में ग्राम पचेटी बसा हुआ है। यहां नारियल द्वारा मनोकामना पूर्ण होने का आशीर्वाद मिलता है। मंदिर की पश्चिम दिशा में जिले की वृहद सिंचाई परियोजना टिलर बांध स्थित है जो 1990 में बना है।

जिला मुख्यालय आगर से पचेटी माता की दूरी 22 किलोमीटर है। कानड रोड पर ग्राम बागरीखेड़ा के पास से टिलर बांध हेतु पक्की सड़क है, टिलर बांध के नीचे 2 किलोमीटर पचेटी ग्राम बसा हुआ है, गाँव से 1 किलोमीटर पूर्व दिशा में जंगल में माता रानी विराजित हैं।

चौसठ योगिनी माता मंदिर

आगर नगर से नलखेड़ा मार्ग पर ग्राम सुईगांव से 1 किलोमीटर दूर मुख्य सड़क से उत्तर दिशा में 1 किलोमीटर दूर घने जंगल में माँ चौसठ योगिनी का प्राचीन मंदिर है। यहां खैर के वृक्ष बहुतायत में हैं। इसी प्रकार सोयत कस्बे में कंठाल नदी के किनारे चौसठ योगिनी का प्रसिद्ध मंदिर है।

मंशापूर्ण गणपति चिपिया गोशाला

आगर से बड़ोद रोड पर 8 किलोमीटर दूर गणेश गोशाला चिपिया है, यहीं मंशापूर्ण श्री गणेशजी का सुन्दर मंदिर पहाड़ी की तलहटी में बना है। यहां की मूर्ति अत्यंत प्राचीन है। यहीं गणेश गोशाला है जिसमें लगभग 1000 गाये हैं, यह क्षेत्र प्राकृतिक रूप से अत्यंत सुन्दर है।

केवड़ा स्वामी भैरवनाथ मंदिर

आगर के प्रसिद्ध मोतीसागर तालाब के तट पर शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र आगर के पास केवड़ा स्वामी भैरवनाथ मंदिर है, यहां की मूर्ति अद्वितीय है एवं एक विशाल वृक्ष के तने की ओट में है। मान्यता है कि भैरव महाराज बाल रूप में लोगों को परेशान करते थे, भक्तों ने वृक्ष की ओट लगाकर तंत्र के माध्यम से रोक दिया था, तबसे वृक्ष का तना इनकी ओट हेतु लगा हुआ है। यहीं केवड़ा के फूलों के बगीचे हैं। मान्यता है कि इस मूर्ति की स्थापना सन् 1424 में गुजरात के झाला राघो देव ने की थी। यहां दूर-दूर से यात्री दर्शन के लिए आते हैं।

जिला एक नजर में

क्षेत्र : 2,701 वर्ग किलोमीटर
जनसंख्या : 5.71 लाख (2011 की जनगणना अनुसार)
भाषा : हिंदी, मालवी
गांव : 513

उत्पादन

धनिया- आगर-मालवा जिले की प्रमुख फसलों में से एक है।
संतरा- आगर-मालवा की मुख्य फसल है, यहां के संतरे सारे मालवा क्षेत्र में प्रसिद्ध हैं।

मोतीसागर तालाब (बड़ा तालाब)

आगर के मोतीसागर तालाब की खुदाई सन् 1052 में अभयराम बंजारा

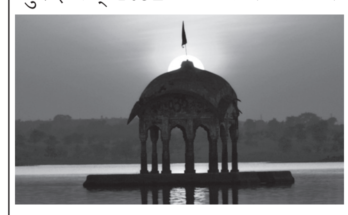

द्वारा कराई गई थी। इस खुदाई के दौरान उसने अपने पुत्र और पुत्रवधु की बलि दी थी, ऐसा कहा जाता है कि उन्हीं की याद में तालाब के बीचों-बीच एक छतरी नुमा समाधि बनाई गई है। प्राचीन काल में यहां बंजारा कबीलों का निवास था अभयराम उन्हीं का सरदार था। 428 बीघा में फैला यह मोतीसागर तालाब आज भी आगर की सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध है।

जय माँ आशापूर्णा धाम गुराडिया सोयत जिला आगर मालवा

माँ तुलजा भवानी, गुफा बर्डा

आगर नगर से पूर्व दिशा में दो किलोमीटर की दूरी पर माँ तुलजा भवानी का प्राचीन मंदिर है जो प्राकृतिक गुफा में स्थित है। कानड रोड से दक्षिण दिशा में इस मंदिर की दूरी एक किलोमीटर है।

उत्सव

शाही सवारी- श्रावण मास के अंतिम सोमवार को नगर में बैजनाथ महादेव की वार्षिक शाही सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। इसमें आसपास तथा दूरदराज के सैकड़ों गांवों और नगरवासियों सहित श्रद्धालु शामिल होते हैं। अतिथि भक्त भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं। सवारी में शामिल भक्तों का नगर में जगह-जगह स्वागत किया जाता है। प्रातः काल से रात 10 बजे तक मंदिर से लेकर शहर में भक्तों की चहल-पहल बनी रहती है। श्रद्धालुओं का आगमन मंदिर पर प्रातः से होने लगता है। मंदिर परिसर से सवारी का रथ रवाना होता है। सवारी में बैंडबाजे के साथ निकलने वाली झांकी तथा गांव से आई भजन मंडलियां, अखाड़े आदि का कारवां जुड़ता जाता है। गाजे-बाजे के साथ शिव महिमा के गीतों पर नाचते-गाते अपनी-अपनी मंडलियों के साथ श्रद्धालु शामिल होते हैं। नगर में 2 किलोमीटर की दूरी तय कर बाबा की सवारी भंडारा स्थल पर रात करीब 10 बजे पहुंचती है।

जिले से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल जवाब

सवाल -आगर मालवा जिले का गठन कब किया गया ?
उत्तर - आगर मालवा जिले का गठन 16 अगस्त 2013 को किया गया।
सवाल -आगर मालवा में कितनी तहसील हैं?
उत्तर - आगर मालवा जिले में चार तहसील हैं।
प्रश्न - आगर मालवा में कितनी जनपद पंचायत हैं?
उत्तर - आगर मालवा जिले में चार जनपद पंचायत हैं।
प्रश्न - आगर मालवा में कितने पुलिस स्टेशन हैं?
उत्तर - आगर मालवा जिले में 10 पुलिस स्टेशन हैं।
प्रश्न - आगर मालवा में कितने गांव हैं?
उत्तर - आगर मालवा जिले में कुल 513 गांव हैं।
प्रश्न - आगर मालवा जिले में लोकसभा सदस्य संख्या कितनी है?
उत्तर - आगर मालवा जिले में लोकसभा सदस्य संख्या एक है।
प्रश्न - आगर मालवा जिले में विधानसभा सदस्य संख्या कितनी है?
उत्तर - आगर मालवा जिले में विधानसभा सदस्यों की संख्या दो है।

जिले का एकमात्र त्रिवेणी संगम पर स्थित तारकेश्वर महादेव मंदिर दर्शन

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

विश्व अंगदान दिवस | 13 अगस्त

अंगदाता के साथ-साथ बन सकते हैं जीवनदाता, अंगदान को बनाइए जनआंदोलन

किसी व्यक्ति को जीवन दान से बड़ी मानवता की सेवा नहीं हो सकती है। अंग प्रत्यारोपण से किसी को नया जीवन दिया जा सकता है। दान किया गया प्रत्येक अंग बहुमूल्य, जीवन रक्षक और एक राष्ट्रीय संसाधन है। एक व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद किडनी, लीवर, फेफड़े, हृदय, अग्न्याशय और आंत जैसे महत्वपूर्ण अंगों का दान करके 8 लोगों को नया जीवन दे सकता है और कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व आदि जैसे ऊतकों का दान करके कई लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इस ध्येय को लेकर दुनियाभर में 13 अगस्त को विश्व अंगदान दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य- अंगदान की आवश्यकता के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। साथ ही लोगों को मृत्यु के बाद अंगदान करने के लिए प्रोत्साहित करना है। अंगदान ऐसे व्यक्ति को अंग के रूप में दिया जाने वाला उपहार है, जिसके अंग की बीमारी अंतिम अवस्था में हो और जिसे प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) की जरूरत हो। ऐसे में जो व्यक्ति अंगदान करता है, उसे ऑर्गन डोनर कहा जाता है, जबकि अंग पाने वाले व्यक्ति को रेसिपिएंट कहा जाता है। अंगदान अधिकांश मामलों में रेसिपिएंट की जान बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। अंगदान की महत्ता कितनी है इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि खुद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के एपिसोड में कई बार अंगदान के महत्व पर प्रकाश डाला है।

वैश्विक स्तर पर 13 अगस्त और राष्ट्रीय स्तर पर 3 अगस्त को मनाया जाता है अंगदान दिवस

अंगदान के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के लिए 2010 से हर साल भारतीय अंगदान दिवस (आईओडीडी) 3 अगस्त को मनाया जाता है। इस साल 3 अगस्त को 14वां भारतीय अंगदान दिवस समारोह मनाया गया। इस दिवस का उद्देश्य ब्रेन स्टेम मृत्यु और अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने, अंगदान से जुड़े मिथकों और गलत धारणाओं को दूर करने व देश के नागरिकों को मृत्यु के बाद अंगों और ऊतकों को दान करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने, साथ ही अंग प्रत्यारोपण की मांग कम करने के लिए अभियान कार्यों में स्वस्थ जीवनशैली और कल्याण को बढ़ावा देना है। सरकार देश में अंगदान को लोकप्रिय बनाने के लिए और अधिक नीतियां और सुधार लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वर्ष 2023 में आज़ादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में अंग दान के लिए जागरूकता अभियान अंगदान महोत्सव शुरू किया गया था। अंगदान महोत्सव पूरे देश में शहर से लेकर गांव स्तर तक मनाया गया। इस अभियान के तहत जुलाई 2023 को अंगदान माह के रूप में मनाया गया। भारत सरकार के डिजिटल प्लेटफॉर्म, माईगव के माध्यम से अंग और ऊतक दान को बढ़ावा देने की दिशा में राष्ट्रीय वेबिनार, साइक्लोथॉन, वॉकथॉन, अंग दान प्रतिज्ञा और राष्ट्रीय स्लोगन प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियां भी शुरू की थीं।

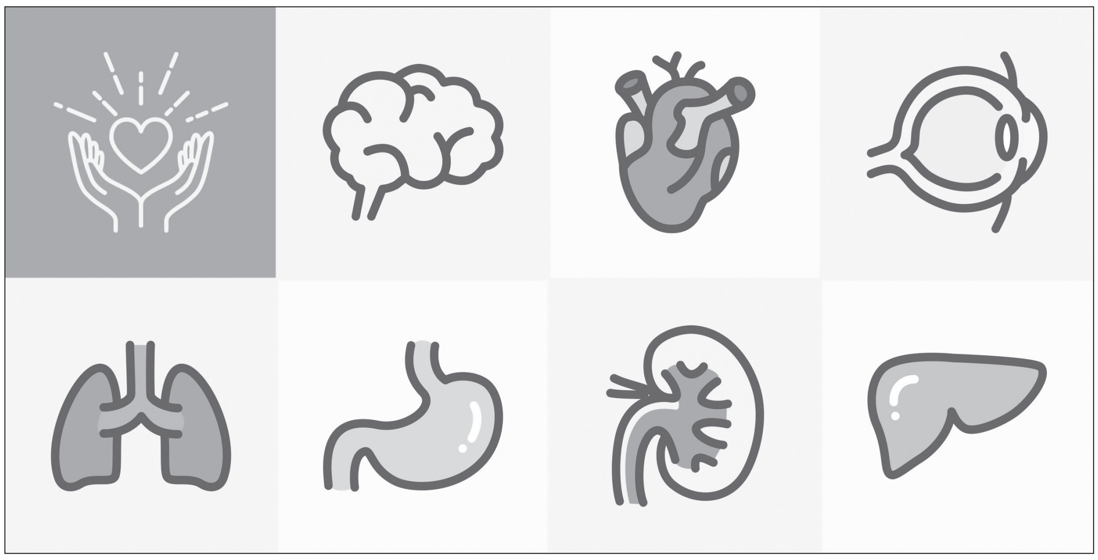

क्यों जरूरी है जागरूकता?

अंगदान एक तरह से जीवन दान है। दुनिया से जा रहा व्यक्ति अपने पीछे किसी और को जिंदगी देकर जाता है। लेकिन, हमारे देश में अंगदान को लेकर जागरूकता अभी कम है। किसी भी अंग को डोनर के शरीर से निकालने के बाद 6 से 12 घंटे के अंदर ट्रांसप्लांट कर देना चाहिए। कोई भी अंग जितना जल्दी प्रत्यारोपित होगा, उस अंग के काम करने की संभावना उतनी ही ज्यादा होती है। लीवर निकालने के 6 घंटे के अंदर और किडनी 12 घंटे के भीतर ट्रांसप्लांट हो जाना चाहिए। ऑर्गन डोनेशन इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर साल 5,00,000 लोगों को ऑर्गन ट्रांसप्लांट की जरूरत है, जबकि सिर्फ 52,000 ऑर्गन उपलब्ध हैं। हर साल 2,00,000 कॉर्निअल डोनेशन की जरूरत है ताकि नेत्रहीनों के जीवन में उजाला हो सके, लेकिन उपलब्ध सिर्फ 50,000 हैं। प्रत्येक 4 में से 3 व्यक्ति आंखों की रोशनी पाने के लिए डोनेशन का इंतजार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्यक्रम मन की बात के वर्ष 2024 के पहले एपिसोड में अंगदान के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा, हमारे बीच ही कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो जीवन के अंत के बाद भी समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाते हैं और इसके लिए उनका माध्यम अंगदान होता है। हाल के वर्षों में देश में एक हजार से अधिक लोग ऐसे रहे हैं, जिन्होंने मृत्यु के बाद अपने अंगों का दान कर दिया। आज देश में बहुत से संगठन भी इस दिशा में बहुत प्रेरक प्रयास कर रहे हैं।

अंगदान कौन कर सकता है?

ऑर्गन डोनेशन दो तरह के होते हैं। पहला लिविंग ऑर्गन डोनेशन (जीवित रहते अंगदान), दूसरा डिसीज्ड ऑर्गन डोनेशन (मृत्युपर्यत अंगदान)। जीवित व्यक्ति के लिये अंगदान के समय न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही अधिकांश अंगों के प्रत्यारोपण का निर्णायक कारक व्यक्ति की शारीरिक स्थिति होती है, उसकी आयु नहीं। जीवित अंगदाता द्वारा एक किडनी, अग्न्याशय, और यकृत के कुछ हिस्से दान किये जा सकते हैं। कॉर्निया, हृदय वाल्व, हड्डी और त्वचा जैसे ऊतकों को प्राकृतिक मृत्यु के पश्चात् दान किया जा सकता है, परंतु हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफड़े और अग्न्याशय जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण अंगों को केवल ब्रेन डेड (Brain Death) के मामले में ही दान किया जा सकता है। कार्डियक डेथ अर्थात प्राकृतिक रूप से मरने वाले का सामान्यतः नेत्र (कॉर्निया) दान किया जाता है।

कौन नहीं कर सकता अंगदान?

चिकित्सा क्षेत्र में कुछ लोगों को अंगदान करने की मनाही भी होती है। इनमें वो लोग शामिल होते हैं जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित होते हैं। इन बीमारियों में कैंसर, एचआईवी, संक्रमण या इंट्रावेनस (आईवी) ओर दमा शामिल हैं। हालांकि, फिर भी यदि कोई चाहे तो खुद को एक डोनर के रूप में पंजीकृत करा सकता है। क्योंकि मौत के समय इसका विस्तृत मूल्यांकन होता है कि अंग प्रत्यारोपण के लिए सही हैं या नहीं।

राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO) क्या है?

राष्ट्रीय अंग व ऊतक प्रत्यारोपण संगठन स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्थापित एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है। इसमें 'राष्ट्रीय मानव अंग और ऊतक निष्कासन एवं भंडारण' तथा 'राष्ट्रीय बॉयोमैटीरियल केंद्र' जैसे दो प्रभाग हैं। यह देश में अंगों और ऊतकों की खरीद के नेटवर्क के साथ-साथ अंगों और ऊतक दान एवं प्रत्यारोपण के पंजीकरण में सहयोग जैसी अखिल भारतीय गतिविधियों के लिये सर्वोच्च केंद्र के तौर पर कार्यरत हैं।

- देशभर में अंगदान को बढ़ावा देने के लिये सरकार ने राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम लागू किया है। वहीं ब्रेन डेड व्यक्ति से अंगदान को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार ने अनेक उपाय किये हैं जैसे- नई दिल्ली में राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन और पूरे भारत में सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के लिये 5 अन्य क्षेत्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन स्थापित किये हैं, जिनमें से ऐसा ही एक संस्थान पी.जी.आई. चंडीगढ़ में स्थापित किया गया है जो कि उत्तरी भारत के राज्यों पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख तथा उत्तराखंड में अंग और ऊतक दान की निगरानी करता है।

ये हैं नई सुविधाएं

सरकार ने देश में अंगदान बढ़ाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। अंग दाताओं के लिए छुट्टी की अवधि 30 दिन से बढ़ाकर 60 दिन कर दी गई है, 65 वर्ष की आयु सीमा हटा दी गई है और अंगदान की प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा किडनी प्रत्यारोपण पैकेज को आयुष्मान भारत की पीएम-जेएवाई योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है। इसके अलावा, राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) के तहत 15 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता मंत्रालय द्वारा गरीबी रेखा से नीचे के मरीजों को हृदय, फेफड़े, लीवर, किडनी आदि के प्रत्यारोपण के लिए प्रदान की जाती है।

- **ईकेयर पोर्टल :** जब किसी व्यक्ति की दूसरे देश में मृत्यु हो जाती है, तो मृतक के पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए बहुत सारी कागजी कार्रवाई और प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता है, जिससे परिवार और दोस्त हताश हो जाते हैं। इस मुद्दे की संवेदनशीलता को समझते हुए और न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत का पालन करते हुए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने विभिन्न देशों से किसी व्यक्ति के पार्थिव शरीर को भारत लाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और तेज करने के लिए ई-केयर (ई-क्लीयरेंस ऑफ आफ्टरलाइफ रीमेन्स) पोर्टल की शुरुआत की है।
- **हीमोफीलिया ए और वॉन विलेब्रांड रोग डायग्नोस्टिक किट:** हीमोफीलिया ए और वॉन विलेब्रांड रोग विरासत में मिले दो सबसे आम आजीवन रक्तस्राव विकार हैं। सामान्य नैदानिक अभिव्यक्तियों में जोड़ों में रक्तस्राव, जिससे सूजन और दर्द होता है, त्वचा में रक्तस्राव (चोट लगना) या मांसपेशियों और कोमल ऊतकों में रक्तस्राव शामिल है। आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोहिमेटोलॉजी (आईसीएमआर-एनआईआईएच), मुंबई ने दुनिया में पहली बार हीमोफीलिया ए और वॉन विलेब्रांड रोग के निदान के लिए एक किट विकसित किया है। वर्तमान किट से न केवल हमारे देश में बल्कि कई अन्य विकासशील देशों में रक्तस्राव विकारों के नैदानिक परिदृश्य को बदलने की संभावना है जहां नैदानिक सुविधाओं की या तो कमी है या स्वीकार्य मानकों के अनुरूप नहीं है।

क्या कहता है कानून?

मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 : अंग प्रत्यारोपण में गलत प्रवृत्ति को नियंत्रित करने के लिये सरकार द्वारा वर्ष 1994 में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम बनाया गया। इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य चिकित्सीय प्रयोजनों के लिये मानव अंगों के निष्कासन, भंडारण और प्रत्यारोपण को विनियमित करना है। साथ ही यह मानव अंगों के वाणिज्यिक प्रयोग को भी प्रतिबंधित करता है। इस अधिनियम में किसी गैर-संबंधी (माता-पिता, सगे भाई-बहन, पति-पत्नि के अलावा) के अंग प्रत्यारोपण को गैर-कानूनी घोषित किया गया था। वर्ष 1999 में इस अधिनियम में संशोधन कर चाचा-चाची, मौसा-मौसी और बुआ आदि को तथा वर्ष 2011 में भावनात्मक लगाव रखने वाले संबंधों को भी मान्यता दी गई।

मानव अंग प्रत्यारोपण (संशोधन) अधिनियम, 2011 : इस अधिनियम में मानव अंग दान के लिये प्रक्रिया को आसान बनाने के प्रावधान किये गए थे। साथ ही अधिनियम के दायरे को और अधिक व्यापक कर उसमें ऊतकों (Tissues) को भी शामिल कर लिया गया था। इन प्रावधानों में रिट्रीवल सेंटर और मृतक दानकर्ताओं से अंगों के रिट्रीवल के लिये उनका पंजीकरण, स्वैप डोनेशन और अस्पताल के पंजीकृत मेडिकल प्रेक्टिशनर द्वारा अनिवार्य जाँच करना शामिल है। इस अधिनियम में राष्ट्रीय स्तर पर दानकर्ताओं और प्राप्तकर्ताओं के पंजीकरण का भी प्रावधान है।

मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 2014 : इस अधिनियम के द्वारा अंगदान के कार्य को सहज, सरल और पारदर्शी बनाने तथा नियमों की गलत व्याख्या रोकने के प्रावधान किये गए हैं। यदि अंग दान लेने वाला विदेशी नागरिक हो और दानदाता भारतीय, तो बगैर निकट रिश्तेदारी के प्रत्यारोपण की अनुमति नहीं मिलेगी और इस संबंध में निर्णय प्राधिकार समिति द्वारा लिया जाएगा। जब प्रस्तावित अंग दानकर्ता और अंग प्राप्तकर्ता करीब संबंधी न हों तो प्राधिकार समिति यह मूल्यांकन करेगी कि अंग दानकर्ता और अंग प्राप्तकर्ता के बीच किसी भी तरह का व्यावसायिक लेन-देन न हो।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- वर्ष 2013 में लगभग 5000 लोग अपने अंग दान के लिए आगे आए थे। वहीं वर्ष 2023 में सालाना 15,000 से अधिक लोगों ने अंगदान किया।
- अंग दान और प्रत्यारोपण के बारे में किसी भी जानकारी के लिए कोई भी एनओटीटीओ की वेबसाइट **www.notto.mohfw.gov.in** पर जा सकता है या टोलफ्री हेल्पलाइन नंबर 1800114770 पर कॉल कर सकता है। ऑनलाइन संकल्प सुविधा उपरोक्त एनओटीटीओ वेबसाइट और https://pledge.mygov.in/organ-donation/ पर भी उपलब्ध है।

- रश्मि रंजन
लेखिका, सम-सामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।

सांख्य-दर्शन की रूपरेखा

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के नवीन पाठ्यक्रम में इस वर्ष भारतीय दर्शन और ज्ञान परंपरा विषय को शामिल किया गया है। पाठ्यक्रम अनुसार भारतीय ज्ञान परंपरा के सांख्य-दर्शन की जानकारी से आपको परिचित करवाया जा रहा है।

सांख्य-दर्शन भारतीय ज्ञान परंपरा के प्राचीनतम दर्शनों में से एक है। 'सांख्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'संख्या' शब्द से हुई है, जिसका अर्थ सम्यक ख्यान अर्थात सम्यक ज्ञान से है। संख्या का अर्थ गणना की संख्या के रूप में भी किया जाता है। सांख्य शब्द में दोनों ही अर्थ समाहित हैं। सांख्य दर्शन प्रकृति और पुरुष के विवेक ज्ञान का दर्शन है, इसी को सम्यक ज्ञान कहते हैं। इसलिए सांख्य को सम्यक ज्ञान का दर्शन कहा जाता है। यह दर्शन पच्चीस तत्वों की संख्या को स्वीकार करता है, इसलिए इसे पच्चीस संख्या वाले तत्वों का दर्शन भी कहते हैं। सांख्य दर्शन मूलतः प्रकृति और पुरुष नामक दो तत्त्वों को मानता है। प्रकृति जड़, परिणामी, अनादि और अनंत है तथा इसमें चौबीस भेद हैं, जो इस प्रकार हैं - प्रकृति, महत्त्व (बुद्धि), अहंकार, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध, मन, हाथ, पैर, मुख, उपस्थ, गुदा, आंख, नाक, कान, जीभ, त्वचा, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। पुरुष चेतन, अपरिणामी, अनादि, अनन्त और अनेक हैं। प्रकृति के चौबीस तत्त्व और चेतन पुरुष को मिलाकर सांख्य दर्शन में पच्चीस तत्त्वों की मान्यता है।

परंपरानुसार सांख्य-दर्शन महर्षि कपिल द्वारा निर्मित दर्शन है। कपिल मुनि के नाम का उल्लेख उपनिषद, महाभारत, गीता, भागवत आदि ग्रंथों में मिलता है। इनके शास्त्र का नाम 'षष्टितंत्र' है, जो हजारों वर्ष से लुप्त है। 'सांख्यप्रवचनसूत्र' जिसे महर्षि कपिल की रचना माना जाता है, परंतु विद्वानों में इसको लेकर मतभेद हैं, क्योंकि अधिकांश विद्वान इसे चौदहवीं शती की रचना मानते हैं। इसलिए यह कपिल मुनि द्वारा प्रणीत नहीं हो सकता है। तीसरी से पांचवीं शती के मध्य सांख्य-दर्शन पर उपलब्ध ईश्वरकृष्ण द्वारा विरचित 'सांख्यकारिका' सर्वाधिक प्रचलित एवं प्राचीनतम ग्रंथ हैं। जिसमें उन्होंने कपिल, आसुरि और पंचशिख का प्राचीन आचार्यों के रूप में उल्लेख किया है। 'सांख्यकारिका' पर वाचस्पति मिश्र द्वारा लिखित टीका 'सांख्यतत्त्वकौमुदी' प्रसिद्ध सांख्य ग्रंथ है।

ब्रह्मसूत्र या वेदान्तसूत्र के रचनाकार महर्षि बादरायण और उनके भाष्यकार आदि शंकराचार्य, जिन्होंने अद्वैत दर्शन का प्रतिपादन किया, सांख्य दर्शन को द्वैतवादी होने के कारण श्रुति-मूलक या उपनिषद् सम्मत नहीं मानते हैं। श्रुति और स्मृति में 'सांख्य' और 'योग' शब्द का प्रयोग क्रमशः 'ज्ञान' और 'कर्म' के अर्थ में हुआ है। आदि गुरु शंकराचार्य ने सांख्य को वेदांत का प्रधान मल्ल अर्थात प्रमुख प्रतिपक्षी माना है। कुछ विद्वानों का मानना है कि अपने प्रारंभिक रूप में सांख्य श्रुतिमूलक और ईश्वरवादी रहा होगा और कालांतर में जैन तथा बौद्ध प्रभाव के कारण अनिश्वरवादी और वस्तुवादी बन गया होगा। मध्ययुगीन द्वैतवादी सांख्य का खण्डन ब्रह्मसूत्र के रचयिता बादरायण और इसके भाष्यका आदि शंकराचार्य ने किया है। सोलहवीं शती में उत्तरयुगीन सांख्य के आचार्यों, जिनमें विज्ञान-भिक्षु प्रमुख हैं, जिन्होंने सांख्य में प्राचीन ईश्वरवाद को पुनः स्थापित किया। सद्सत्कार्यवाद के अनुसार कार्य, उत्पत्ति के पूर्व अव्यक्त रूप में कारण से अभिन्न होने से सत है तथा व्यक्त रूप में न होने के कारण असत भी है। आचार्य कुमारिल भट्ट का मीमांसा संप्रदाय और जैन मत सद्सत्कार्यवाद को मानते हैं। चार्वाक के अनुसार इस सृष्टि और उसकी विचित्रता का मूल स्वभावजन्य है, न कि कारण-जन्य। यह मत कार्यकारणवाद को नहीं मानता है, इसलिए इसको स्वभाववाद भी कहा जाता है। चार्वाक दर्शन प्रत्यक्ष प्रमाण को मानता है, यह दर्शन अनुमान प्रमाण को स्वीकार नहीं करता है।

सांख्य-दर्शन में कार्यकारणवाद

सांख्य-दर्शन का प्रकृतिवाद, कार्य-कारण संबंध पर आधारित है। कार्यकारणवाद के अनुसार प्रत्येक कार्य का कोई कारण अवश्य होता है, क्योंकि बिना कारण के कार्य उत्पन्न नहीं हो सकता है। कोई कार्य, उत्पत्ति से पूर्व अपने कारण में विद्यमान रहता है अथवा नहीं? कार्यकारणवाद का यह मूल प्रश्न है। जो इसे मानते हैं वह सत्कार्यवादी और जो इसे नहीं मानते हैं, वे असत्कार्यवादी कहलाते हैं। असत्कार्यवाद की मान्यता के अनुसार कार्य की सत्ता उसकी उत्पत्ति से ही आरंभ होती है। कार्य उत्पत्ति से पूर्व असत है, इसलिए असत्कार्यवाद को आरंभवाद भी कहते हैं। इसके अनुसार कार्य एक नवीन सृष्टि और नूतन कृति है। यदि मिट्टी में घड़ा पहले से ही विद्यमान है, तो कुम्हार को मिट्टी से घड़ा बनाने के लिए परिश्रम करने की क्या आवश्यकता है? यदि दही, दूध में पहले से ही विद्यमान है, तो दूध का स्वाद दही के जैसा क्यों नहीं होता? यदि पट तंतुओं में विद्यमान है, तो फिर तंतु ही कपड़े का काम क्यों नहीं करते हैं? न्याय-वैशेषिक, कुछ मीमांसक और हीनयानी बौद्ध आरंभवाद या असत्कार्यवाद को मानते हैं। क्षणभंगवाद, हीनयानी बौद्ध मत है।

सत्कार्यवाद की असत्कार्यवाद के विपरीत यह मान्यता है कि कार्य, उत्पत्ति से पूर्व भी अपने कारण में विद्यमान रहता है, इसलिए कार्य उत्पत्ति पूर्व भी सत् है। इस मान्यता के कारण ही इसे सत्कार्यवाद कहते हैं। कार्य कोई नई सृष्टि नहीं, अपितु कारण में बीज रूप में अंतर्निहित रहता है तथा कारण, कार्य के स्वभाव में विद्यमान रहता है। एक ही वस्तु के कार्य और कारण दो रूप होते हैं। कारण की अवस्था कार्य का अव्यक्त रूप है और कार्य की अवस्था व्यक्त रूप है। सत्कार्यवाद की मान्यता के अनुसार कारण ही कार्य के रूप में परिवर्तित होता है। कार्य की उत्पत्ति या सर्ग, आविर्भाव और विनाश या प्रलय, तिरोभाव है। यहां यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि कारण का कार्य के रूप में परिवर्तित होना वास्तविक है अथवा अवास्तविक? जो इस परिवर्तन को वास्तविक या तत्त्विक मानते हैं, वे परिणामवादी तथा जो इस परिवर्तन को अवास्तविक या प्रतीतिक मानते हैं, वे विवर्तवादी कहलाते हैं। सांख्य, योग और रामानुज-वेदान्त परिणामवाद को मानते हैं। सांख्य और योगदर्शन प्रकृति-परिणामवाद को मानता है तथा रामानुज-वेदान्त ब्रह्म-परिणामवाद को मानता है। शून्यवाद, मूल-विज्ञानवाद और अद्वैत-वेदांत या शांकर-वेदान्त विवर्तवाद को मानता है।

सांख्य दर्शन के अनुसार सृष्टि के सारे तत्त्व प्रलयकाल में बीज के रूप में अव्यक्त रूप से प्रकृति में विद्यमान रहते हैं और सर्ग की अवस्था में कारण प्रकृति ही कार्य रूप से व्यक्त होती है। कार्य कोई नई सृष्टि नहीं है, कारण की अभिव्यक्ति मात्र है। सांख्य मत का नाम प्रकृति-परिणामवाद है। सत्कार्यवाद को सिद्ध करने के लिए पांच युक्तियां दी गई हैं, जो निम्नलिखित हैं -

1. कार्य यदि उत्पन्न होने से पूर्व कारण में विद्यमान नहीं होता, तो वह असद होता और असद की उत्पत्ति ठीक उसी प्रकार नहीं हो सकती, जिस प्रकार आकाश में महल हजारों शिल्पकार मिलकर भी नहीं बना सकते हैं। (असद्करणात्)
2. प्रत्येक कार्य का संबंध अपने उपादान कारण से रहता है, इसलिए कार्य की कारण से उत्पत्ति होती है। कार्य-कारण संबंध दो सत् पदार्थों के बीच ही हो सकता है। मिट्टी के बिना घड़ा, तंतुओं के बिना कपड़ा और तिल के बिना तेल नहीं बन सकता है। इससे उपादान कारण में कार्य की विद्यमानता सिद्ध होती है। (उपादानग्रहणात्)
3. एक ही वस्तु के कार्य और कारण दो रूप हैं। कार्य का अव्यक्त रूप कारण और कारण का व्यक्त रूप कार्य है। जो स्वभाव कारण का होता है, वही स्वभाव कार्य का भी होता है। जैसे मिट्टी से बने घड़े का स्वभाव भी मिट्टी जैसा ही होता है। कारण और कार्य में अभिन्नता होती है, व्यवहारिक जगत में भेद प्रतीत होता है। (कारणभावात्)
4. शक्य कारण से ही शक्य कार्य की उत्पत्ति होती है, क्योंकि जिस कारण में जिस कार्य को उत्पन्न करने का सामर्थ्य होता है, उस कारण से ही वह कार्य उत्पन्न हो सकता है। बीज रूप में कारण में कार्य विद्यमान होने से वही कारण, उस कार्य को उत्पन्न करने की शक्ति रखता है। यदि ऐसा नहीं हो तो पानी से दही जम सकेगा, 'बालू से तेल निकल सकेगा और बैल से दूध दुहा जा सकेगा,' जो कि सर्वथा असंभव है। इसलिए शक्य कारण से शक्य कार्य संभव है। (शक्तस्य शक्यकारणात्)
5. किसी भी कारण से किसी भी कार्य की उत्पत्ति नहीं हो सकती है। इसलिए कार्य को उत्पत्ति से पूर्व भी उपादानकारण में विद्यमान मानना पड़ेगा, क्योंकि सभी कारण में सभी कार्य उत्पन्न नहीं हो सकते। (सर्वसंभवाभावात्)

इस प्रकार सांख्य दर्शन सत्कार्यवाद को मानता है और उसके अनुसार यह जगत प्रकृति और पुरुष की सन्निधि से उत्पन्न प्रकृति का प्रकृति-परिणामवाद है।

डॉ. शशि कान्त मणि त्रिपाठी
(लेखक, योग, अध्यात्म एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के विशेषज्ञ हैं।)

बहनों के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित - मुख्यमंत्री

नरसिंहपुर, बहनों के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। प्रदेश की जनता और बहनों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का एक अलग ही आनंद है। बहनों ने आज जिस स्नेह से उन्हें राखी बांधी है, उसे वह भूल नहीं सकेंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रक्षाबंधन एवं श्रावण उत्सव में नरसिंहपुर के कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित लाड़ली बहनों के आभार सह उपहार कार्यक्रम में कहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लाड़ली बहनों को राज्य सरकार प्रतिमाह 1250 रुपये की राशि दे रही है, जिसका उपयोग बहनें अपने परिवार को चलाने के लिए करती हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व सभी त्योहारों से बड़ा है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम को प्रदर्शित करता है। आज यहां नरसिंहपुर की बहनों के बीच पहुंचकर जो स्नेह मुझे मिला है, ऐसा लगता है कि आज मैंने सभी त्योहार मना लिये। यह त्योहार हमारी सनातन संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में आयोजित लाड़ली बहनों के आभार सह उपहार कार्यक्रम में 151.13 करोड़ रुपये की लागत से 12 निर्माण कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन व शिलान्यास किया। साथ ही विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के तहत हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को लाड़ली बहनों ने वृहद राखी भेंट की और उनकी कलाई पर राखी बांधी।

सौभाग्य से होता है मनुष्य का जन्म भारत भूमि में

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कई जन्मों के पुण्य के बाद भाग्य अच्छा हो, तो मनुष्य इस पृथ्वी पर जन्म लेता है और सौभाग्य अच्छा रहा, तो वह भारत में जन्म लेता है। भगवान के भक्ति के पुण्य से मध्यप्रदेश में तथा साधना की पराकाष्ठा से वह नर्मदा किनारे जन्म लेता है। हमारी संस्कृति है जियो और जीने दो। हमारी संस्कृति सर्वे भवंतु सुखिन: सर्वे संतु निरामया, यही संस्कृति हमें एक-दूसरे एवं प्रकृति से जोड़ती है। चराचर जगत में हमारी समरसता के कारण ही भारत की अलग पहचान है, जहां सदैव संस्कार पूजे जाते हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद द्वारा अमेरिका में दिये भाई-बहनों के संबोधन का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में समानता का भाव है। जहां दुनिया में व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की आवश्यकता होती है, लेकिन हमारे यहां यह कार्य संस्कार करते हैं। पुलिस तो गुंडे-बदमाशों को नियंत्रित करने के लिए चाहिये।

कोई भी योजना नहीं होगी बंद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के युवाओं की बेहतर शिक्षा के लिए नई शिक्षा नीति के तहत नरसिंहपुर सहित प्रदेश के हर जिले में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज खोले गये हैं। उन्होंने कहा कि खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को केन्द्र सरकार 6 हजार रुपये तथा राज्य सरकार भी 6 हजार रुपये दे रही है, जिससे किसान खाद-बीज, बिजली, पानी आदि की पूर्ति कर सके। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार की छात्रवृत्तियां चालू रहेंगी, जिससे विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। प्रदेश में संचालित सभी कल्याणकारी योजनाएं निरंतर चलती रहेंगी, कोई भी योजना बंद नहीं की जायेगी। युवाओं को सीखो-कमाओ योजना में इंटर्नशिप में हिस्सेदारी दी जायेगी।

दुग्ध उत्पादक कृषकों को दी जायेगी बोनस राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं, धान के बोनस की तरह अब दुग्ध उत्पादक किसानों को भी बोनस राशि दी जायेगी। उन्होंने कहा कि नरसिंहपुर कृषि उपज मंडी के उन्नयन के लिए जो भी लागत आयेगी, वह स्वीकृत की जायेगी।

समृद्ध खनिज संपदा और औद्योगिक विकास का प्रतीक है मध्यप्रदेश

भोपाल, मध्यप्रदेश भारत के खनन और खनिज क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता को लगातार साबित कर रहा है, जिससे उल्लेखनीय उपलब्धियाँ और भविष्य की संभावनाएं सामने आ रही हैं, जो महत्वपूर्ण औद्योगिक विकास और आर्थिक प्रगति को प्रोत्साहित करेंगी। गौरतलब है कि मिनरल ऑप्शन के लिये मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर पहला पुरस्कार भी मिल चुका है।

मध्यप्रदेश में जल्दी ही एल्युमिनियम, लेटराइट, बॉक्साइट, मेटल, डायमंड, गोल्ड, लाइमस्टोन मैंगनीज के 33 ब्लॉक की नीलामी होने जा रही है। इसी प्रकार 17 कोल ब्लॉक के ऑक्शन भी प्रक्रिया में है। प्रमुख खनिजों के 20 ब्लॉक ऑक्शन की प्रक्रिया में है। इनमें मैंगनीज, डायमंड बॉक्साइट, लेटराइट, गोल्ड, बेस मेटल और लाइमस्टोन हैं। इस दृष्टि से मध्यप्रदेश में खनिज संपदा में निवेश की बहुत ज्यादा संभावना बनी है। पिछले साल एक साथ 51 ब्लॉक का आक्शन हुआ था, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।

मध्यप्रदेश में पाए जाने वाले प्रमुख खनिज संसाधनों में कोयला, लाइमस्टोन, डायमंड और पायरोफ्लाइट है। मध्यप्रदेश देश का चौथा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक राज्य है। यहां सिंगरौली, सीधी, छिंदवाड़ा, बैतूल, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया और नरसिंहपुर में भरपूर कोयला भंडार हैं। कोयले का उपयोग थर्मल पावर प्लांट्स और कोल गैसीफिकेशन प्लांट्स में होता है। इनसे संबंधित उद्योगों के लिए निवेश की भरपूर संभावनाएं हैं।

इसी प्रकार चूना पत्थर का भी प्रदेश में भरपूर भंडार है। यहां रीवा, सतना, सीधी, मैहर, दमोह, कटनी पन्ना, धार और नीमच में भरपूर भंडार है। देश के कुल लाइमस्टोन भंडार का 9 प्रतिशत मध्यप्रदेश में है। इस दृष्टि से सीमेंट उद्योग के लिए मध्यप्रदेश एक आदर्श निवेश स्थान है। यहां जो लॉजिस्टिक क्षेत्र में सुधार हुआ है इस दृष्टि से भी मध्यप्रदेश से देश के सभी राज्यों का संपर्क बेहतर हो गया है। देश में उपलब्ध डायमंड भंडार का 90 प्रतिशत मध्यप्रदेश में पाया जाता है। यह अकेले पन्ना और छतरपुर में है। इस दृष्टि से यहां डायमंड बिजनेस पार्क और कंपोजिट लाइसेंस के लिए 5 ब्लॉक की पहचान की गई है।

मध्यप्रदेश पायरोफ्लाइट के उत्पादन में भी अग्रणी राज्य है। यहां देश के उत्पादन का 41 प्रतिशत उत्पादन हो रहा है। देश में सर्वाधिक भंडार 14 मिलियन टन मध्यप्रदेश में है, जो छतरपुर, शिवपुरी और टीकमगढ़ में है। इसके भंडारण को देखते हुए देश में सेरेमिक, पॉटरी, पोर्सलिन और टाइल्स उद्योगों के लिए सबसे लाभकारी निवेश स्थान है।

दक्षिण पूर्व रेलवे

पद का नाम - ग्रुप सी एवं ग्रुप डी (खेल कोटा के अंतर्गत खिलाड़ियों की भर्ती)
पदों की संख्या - 49
योग्यता - एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, बॉडी बिल्डिंग, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, राइफल शूटिंग, तैराकी, गोल्फ, जिम्नास्टिक, हॉकी, कबड्डी, पावर लिफ्टिंग, वॉलीबॉल आदि खेलों के खिलाड़ी आवेदन कर सकते हैं।
अंतिम तिथि - 19 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://ser.indianrailways.gov.in/

केन्द्रीय चिकित्सा सेवा सोसायटी

पद का नाम - प्रबंधक (कानूनी), प्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी)
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 16 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.cmss.gov.in/

भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - इंजीनियर (आईटीएस), अधिकारी (वित्त)
पदों की संख्या - 31
योग्यता - इंजीनियर की भर्ती गेट स्कोर के माध्यम से, वहीं अधिकारी (वित्त) की भर्ती सीए/सीएमए अंतिम अंकों के माध्यम से
अंतिम तिथि - 16 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://ihmcl.co.in/

गार्गी महाविद्यालय

पद का नाम - प्रिंसिपल
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.gargicollege.in/

बामर लॉरी एंड कं. लिमिटेड

पद का नाम - प्रबंधक (बिक्री), सहायक प्रबंधक (शाखा प्रचालन-ग्राहक सेवा), सहायक प्रबंधक (बिक्री और मुख्य लेखा), सहायक प्रबंधक (बिक्री), अधिकारी (बिक्री), अधिकारी (वाणिज्यिक), अधिकारी (वीजा), वरिष्ठ समन्वयक (लेश्यूर), ग्राहक सेवा अधिकारी, कनिष्ठ अधिकारी (वाणिज्यिक), कनिष्ठ अधिकारी (बिक्री), सहायक प्रबंधक (ट्रैवल), अधिकारी/कनिष्ठ अधिकारी (ट्रैवल), कनिष्ठ अधिकारी (केएएम), कनिष्ठ अधिकारी (ट्रैवल)
पदों की संख्या - 39
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 16 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.balmerlawrie.com/

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान

पद का नाम - वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, तकनीशियन ग्रेड III, लोअर डिवीजन क्लर्क, स्टाफ कार चालक (सामान्य ग्रेड)
पदों की संख्या - 13
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 17 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://nihroorkee.gov.in/

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सिलेक्शन

पद का नाम - परिवीक्षाधीन अधिकारी/ प्रबंधन प्रशिक्षु
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.ibps.in/

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - ट्रेड अप्रेंटिस (फिटर, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, मशीनिस्ट), तकनीशियन अप्रेंटिस (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन, सिविल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स)
पदों की संख्या - 192
योग्यता - आयु 18 से 24 वर्ष, ट्रेड अप्रेंटिस के लिए 10वीं कक्षा पास, पूर्णकालिक आईटीआई, अन्य पदानुसार।
अंतिम तिथि - 19 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://iocl.com/

मुरगांव पत्तन प्राधिकरण

पद का नाम - उप सचिव, लेखा अधिकारी ग्रेड I, सहायक कार्यकारी अभियंता (विद्युत), सहायक वस्तु प्रबंधक ग्रेड - I, प्रशिक्षु पायलट, विधि अधिकारी ग्रेड II, सहायक लागत लेखा अधिकारी, सहायक इंजीनियर (इलेक्ट.)
पदों की संख्या - 13
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 22 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://mptgoa.gov.in/

सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान

पद का नाम - डेटा सहायक, रिसर्च फेलो
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 16 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.isec.ac.in

कलकत्ता हाईकोर्ट

पद का नाम - लोअर डिवीजन असिस्टेंट
पदों की संख्या - 291
योग्यता - उम्मीदवारों ने पश्चिम बंगाल काउंसिल ऑफ हायर सेकेंडरी एजुकेशन या इसके समकक्ष 12वीं पास की हो। उम्मीदवारों को स्थानीय भाषा का ज्ञान होना चाहिए। न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष। आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।
अंतिम तिथि - 26 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.calcutta-highcourt.gov.in/

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल

पद का नाम - ग्रुप 3 सब इंजीनियर, टेकनीशियन, सहायक मानचित्रकार एवं अन्य पद
पदों की संख्या - 283
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://esb.mp.gov.in/

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग

पद का नाम - क्षेत्रीय कार्यकर्ता
पदों की संख्या - 510
योग्यता - मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान से न्यूनतम 10वीं कक्षा पास होना चाहिए।
अंतिम तिथि - 31 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://jssc.nic.in/

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

बैतूल जंगल सत्याग्रह - 2

जल, जंगल, जमीन और अस्तित्व की रक्षा के लिये सत्याग्रह किया था जनजातीय समाज ने

बैतूल जंगल सत्याग्रह के पूर्व आलेख में बैतूल जंगल सत्याग्रह की पृष्ठभूमि और जानकारी को प्रकाशित किया गया था। श्री दीपचंद गोठी के नेतृत्व में होने वाले जंगल सत्याग्रह और अंग्रेजों द्वारा सत्याग्रह को रोकने के लिए किये जाने वाले अत्याचारों का विवरण प्रस्तुत किया था। चूंकि श्री दीपचंद गोठी को सत्याग्रह के मात्र तीन दिनों में ही एक वर्ष के कठोर कारावास का दण्ड दिया गया। तब यह क्षेत्र नेतृत्व विहीन था तो यहां की जनजातियों ने सत्याग्रह को अपने हाथ में ले लिया। स्थानीय नेतृत्व जनजातीय क्षेत्र के गंजन सिंह कोरकू ने दिया। 22 अगस्त 1930 को बंजारी ढाल में जंगल सत्याग्रह किया गया। बंजारी ढाल ग्राम बैतूल से 52 किलोमीटर और शाहपुर से 15 किलोमीटर दूरी पर है। बंजारी ढाल नगर से दूर है। जनजातीय बाहुल्य ग्राम है। यहां न लोगों में जागृति थी और न ही नेतृत्व। ऐसे में गंजन सिंह कोरकू ने आश्चर्यजनक नेतृत्व प्रदान किया। यह नेतृत्व ऐसे समय में दिया गया जब माहौल खौफजनक था। सामूहिक जुर्माने, कैद और लाठी चार्ज होने और गोलियां चलने जैसी परिस्थिति थी। ऐसी भयानक परिस्थितियों में भी सैकड़ों वनवासी जंगल सत्याग्रह के लिए एकत्रित हो गए। यह वहां की जनजातियों की मिसाल ही है कि गोठी जी की गिरफ्तारी के मात्र 21 दिन बाद लोग सत्याग्रह के लिए आगे आ गए। बंजारी ढाल महात्मा गांधी की जय, भारत माता की जय और इंकलाब जिन्दाबाद के नारों से गूंज उठा। इन नारों के साथ जनजातीय समाज में विश्वास था कि यही जोशीले शब्द हैं जो अंग्रेजों का सामना कर सकते हैं।

बैतूल जिला गजेटियर 1990 में पृष्ठ 61 पर जंगल सत्याग्रह का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है -

''गंजन कोरकू दूसरे ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने सत्याग्रह किया। 22 अगस्त 1930 को उन्होंने बंजारीढाल में लगभग 500 पुरुषों और महिलाओं की भीड़ को संबोधित किया। जब शाहपुर की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया तो पुलिस और भीड़ के बीच संघर्ष छिड़ गया जिसमें पुलिस के सिपाहियों को गंभीर चोटें आई। उनमें से बाद में एक की मृत्यु हो गई। तब बैतूल का पुलिस अधीक्षक अतिरिक्त बल लेकर वहाँ पहुँचा तथा अगले दिन पुलिस और 800 व्यक्तियों की एक भीड़ की पुनः मुठभेड़ हुई जिसके नेता गंजन कोरकू थे। पुलिस ने गोली चलाई जिसमें कोवा गोंड नामक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। तथापि, गंजन कोरकू भाग निकलने में सफल हुए। उनकी गिरफ्तारी के लिये 500 रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया। कुछ समय तक उन्हें पकड़ने के सभी प्रयास विफल सिद्ध हुए क्योंकि वह यहाँ-वहाँ छिपते रहे। अंततः एक माह पश्चात पचमढ़ी की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्हें पाँच वर्ष के कठोर कारावास की सजा दी गई।''

बैतूल जिला गजेटियर का यह विवरण बैतूल डिस्ट्रिक्ट केस फाइल नं. 77 ऑफ 1930 पर आधारित है

मध्यप्रदेश के स्वतंत्रता संग्राम सैनिक खंड-5 में बंजारी ढाल के जंगल-सत्याग्रह का जो विवरण है वह भी गजेटियर के विवरण के समान है।

...गंजन कोरकू नामक आदिवासी ने जंगल सत्याग्रह की कमान संभाल ली। बंजारीढाल के जंगल में जब पाँच सौ आदिवासी स्त्री पुरुषों द्वारा जंगल कानून तोड़ा जाने लगा तो उपस्थित पुलिसकर्मियों ने गंजन सिंह को गिरफ्तार करने की नाकामयाब कोशिश की। इस कोशिश के दौरान लोग उत्तेजित हो गये और पुलिस तथा आदिवासियों में संघर्ष शुरू हो गया। बहुत से पुलिस सिपाही घायल हुए जिनमें से एक बाद में मर गया। स्थिति बेकाबू होती देख बैतूल से पुलिस अधीक्षक सदल-बल आ पहुँचा। अगले दिन पुलिस ने भीड़ पर गोली चलायी जिससे कोवा गोंड नामक आदिवासी शहीद हो गया। गंजन कोरकू अंग्रेजों की पुलिस को चकमा देने में सफल रहे और एक महीने तक फ़रार रहे। ब्रिटिश सरकार ने उन पर पाँच सौ रुपये का इनाम भी घोषित कर दिया था। इस मामले में 23 आदिवासी गिरफ्तार हुए और उन पर मुकदमे चलाये गये।

शताब्दी स्मारिका 1985 के अनुसार ''जंगल सत्याग्रहियों पर जेल में बहुत जुल्म ढाये गये। आदिवासियों में इतनी जागृति थी कि उन्होंने जेलर से जेल के कपड़ों के स्थान पर खादी के कपड़े पहनने को माँगे जिसके लिये उन्हें कोड़ों की सजा दी गई। इसी स्मारिका में श्री गौतम शर्मा ने अपने लेख में लिखा है - गंजन कोरकू ने जंगल-सत्याग्रह चालू रखा। इस प्रकरण में 23 व्यक्ति गिरफ्तार हुए व एक माह बाद गंजन भी पकड़े गये। 19 सितम्बर 1930 को चिखलाद में गोली चली। इसमें घटनास्थल पर दो शहादतें हुई तथा चालीस व्यक्ति घायल हुए। जबाड़ा में भी गोलीकांड हुआ और जर्रा गोंड शहीद हो गया... सरदार विष्णु सिंह को गिरफ्तार किया गया और उन्हें फाँसी की सजा दी गई। उसकी धर्मपत्नी को सात वर्ष के कारावास का दंड दिया गया। इस प्रकरण की डॉ. शारदा प्रसाद शरण ने अपील की और प्रिवी काउंसिल ने फाँसी के दण्ड को आजीवन कारावास में बदल दिया।''

सत्याग्रह के लिए सौ सवा सौ की आबादी वाले बंजारी ढाल में इतनी संख्या में सत्याग्रहियों का इकट्ठा होना इस बात का संकेत था कि जनजातीय समाज ने जान की परवाह किये बिना सत्याग्रह में भाग लिया। इसी में भाग लेने वाले झनक सिंह कोरकू को जंगल सत्याग्रह में तीन साल की जेल की सजा हुई। सत्याग्रह के लिये जनजातियों के उठ खड़े होने के पीछे कई कारण थे। सबसे पहला कारण था 1927 में भारतीय वन अधिनियम कानून लागू करना। इसके द्वारा जनजातियों के वन अधिकार छीन लिये गये। जनजातीय बंधु पूर्ण रूप से जंगल पर निर्भर रहते हैं। उनके तीज त्योहार भोजन सब कुछ जंगल के आसपास ही हैं। ऐसे में भारतीय वन अधिनियम कानून लगाकर जनजातियों की दिनचर्या ही छीन ली गई। जनजातियों पर अंग्रेजों द्वारा लगातार होने वाले अत्याचारों से जनजातीय समाज आहत था। इसीलिये सबने एक साथ मिलकर सत्याग्रह किया क्योंकि, बंजारी ढाल की आबादी तो बमुश्किल सौ-सवा सौ थी, फिर हजार पांच सौ की संख्या कहां से आई। निश्चित ही आसपास के गांवों से जनजातीय लोग एकत्र हुए और बंजारी ढाल में सत्याग्रह किया। यह भी विचारणीय है कि भोले-भाले साधनविहीन जनजातियों द्वारा सत्याग्रह की अवधारणा को समझना और उसके लिये एकमत से आगे बढ़ना, जनजातीय समाज की स्वाधीनता संग्राम में भागीदारी को सुनिश्चित करता है। अहिंसक आंदोलन पर अंग्रेज पुलिस द्वारा की जाने वाली बर्बरता ने इसे हिंसक बना दिया।

जंगल सत्याग्रह को लेकर श्रीमती झनक सिंह ने बताया कि गाँव के बाहर जहाँ आज खेत हैं वहाँ उस समय जंगल था। जंगल और सामने की पहाड़ी के बीच के मैदान में आदिवासियों के हुजूम के हुजूम एक दिन पूर्व से ही जमा होने शुरू हो गये थे। इसमें गोंड और कोरकू स्त्री-पुरुष शामिल थे। गंजन सिंह बोले जा रहे थे। नारे लगा रहे थे। तभी पुलिस वाले आये। उन्होंने गंजन सिंह को नेता समझ कर उससे कहा कि तुम्हारे नाम जंगल-सत्याग्रह करके कानून तोड़ने का वारंट है। गंजन ने कहा कि अभी तो हमने कोई सत्याग्रह किया ही नहीं है। हम ऐसा वारंट नहीं मानते। पुलिस वाले बुरी-बुरी गालियाँ देने लगे। औरतों को बहुत बुरा-भला कहा। फिर एक पुलिस वाले ने ऊपर बंदूक करके फायर कर दिया। गंजन सिंह की बहन वहीं खड़ी थी। वह समझी कि उसके भाई को पुलिस ने गोली मार दी है। पुलिस वालों ने उसे लात-घूंसे पहले ही मारे थे। उसने अपने भाई पर गोली चली समझ कर एक पुलिस वाले पर हँसिये से वार कर दिया। फिर तो पुलिस ने लाठी-गोली खुल कर चलाई। दूर-दूर से पुलिस बुलाई। लेकिन, उनका रास्ता कटे पेड़ डाल कर रोक दिया गया। जब शाहपुर और घोड़ाडोंगरी की पुलिस कुछ न कर सकी तो बाहर से पुलिस बुलाई। गोली चली। गंजन भाग गया। देखते ही गोली मारने का हुक्म था। अंग्रेजों की बर्बरता को लेकर श्रीमती झनक सिंह द्वारा बताया गया बंजारी ढाल का यह विवरण रोंगटे खड़े कर देता है। सीधे-साधे सरल सहज वनवासी समाज द्वारा अपने हक के लिए उठाई जाने वाली आवाज को दबा दिया गया। इसके बाद भी वनवासी क्षेत्र में विरोध के स्वर उठते रहे जो आजादी के बाद ही थमें।

- शशांक मणि पांडे
(लेखक- समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

श्रीलंका ने 2-0 से जीती वन-डे सीरीज

कोलंबो, स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन के दम पर श्रीलंका ने तीन मैचों की वन-डे सीरीज में भारत को 2-0 से मात दी है। सीरीज के तीसरे मैच में श्रीलंका ने भारत को 110 रन से हराया। श्रीलंका ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। धीमी पिच पर श्रीलंका के ओपनिंग बल्लेबाजों ने मजबूत शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 89 रन जोड़े। श्रीलंका की टीम निर्धारित 50 ओवरों में 248 रन बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा (35) ने आक्रामक शुरुआत दिलाई लेकिन रोहित के आउट होने के बाद भारत की पारी बिखर गई। विराट कोहली (20) और वॉशिंगटन सुंदर (30) ने पारी को संभालने की कोशिश की इसके बावजूद भारतीय टीम 138 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के लिए दुनिथ वेल्लागे ने 5 विकेट लिए।

पेरिस ओलंपिक-2024

नीरज ने भाला फेंक में जीता रजत पदक

पेरिस, भारत के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह पेरिस ओलंपिक में भारत का पहला रजत पदक है। इस स्पर्धा में नीरज स्वर्ण पदक के दावेदार थे, लेकिन वह पाकिस्तान के अरशद नदीम से पिछड़ गए। स्पर्धा में नीरज का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.45 मीटर का था, वहीं नदीम ने 92.97 मीटर दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्पर्धा में ग्रेनेडा के पूर्व विश्व चैम्पियन एंडरसन पीटर्स ने 88.54 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।

भाला फेंक स्पर्धा में नीरज को स्वर्ण पदक का दावेदार माना जा रहा था। क्वालिफाइंग राउंड में नंबर वन रहे नीरज फाइनल में शुरुआत से ही लयहीन नजर आये। स्पर्धा में नीरज पहले प्रयास में फाउल कर बैठे। दूसरे प्रयास में नीरज ने 89.45 मीटर का थ्रो किया जो इस सीजन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। नदीम के रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन का दबाव नीरज के खेल पर दिखा। उन्होंने नदीम को पछाड़ने की भरपूर कोशिश की, लेकिन उनके अगले चार प्रयास फाउल रहे और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

- नीरज ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत स्पर्धा में दो पदक जीतने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं।
- सुशील कुमार, पी.वी. सिंधु और मनु भाकर भी यह कारनामा कर चुकी हैं।
- नीरज एथलेटिक्स में दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं।
- नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

नदीम ने बनाया नया रिकॉर्ड

पाकिस्तान के अरशद नदीम का भी दूसरा प्रयास उनका सर्वश्रेष्ठ साबित हुआ, उन्होंने 92.97 मीटर की दूरी तय की जो स्वर्ण पदक दिलाने के लिए पर्याप्त तो थी ही, यह ओलंपिक में इस स्पर्धा का नया विश्व रिकॉर्ड भी है। इससे पहले किसी भी भाला फेंक खिलाड़ी ने 92 मीटर से अधिक का आंकड़ा नहीं छुआ है। इससे पहले नॉर्वे के आंद्रेस थोर्किल्डसेन ने वर्ष 2008 के बीजिंग ओलंपिक में 90.57 मीटर का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। नदीम ओलंपिक खेलों में पाकिस्तान के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह पिछले 32 वर्षों में पाकिस्तान का पहला ओलंपिक पदक भी है।

विवादित स्कोरिंग के कारण हारे निशांत देव

पेरिस, ओलंपिक खेलों में मुक्केबाजी की स्कोरिंग प्रणाली एक बार फिर विवादों में आ गई है। मुक्केबाजी की विवादित स्कोरिंग के कारण भारत के निशांत देव पदक जीतने से वंचित रह गए हैं। पुरुषों की 71 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा के फाइनल में निशांत का सामना मैक्सिको के मार्को वर्डे से हुआ। मैच में ज्यादातर समय वर्डे के खिलाफ निशांत हावी नजर आये। मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन जजों ने वर्डे के पक्ष में 4-1 से निर्णय दिया। इस निर्णय पर काफी विवाद हुआ।

फ्रांस के लियोन मर्चेंड ने तैराकी में जीते 4 स्वर्ण पदक

पेरिस, फ्रांस के युवा तैराक लियोन मर्चेंड ने पेरिस ओलंपिक में चार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। लियोन ओलंपिक खेलों में फ्रांस के सर्वश्रेष्ठ तैराक बन गए हैं। लियोन ने इस बार ओलंपिक में चार स्वर्ण और एक कांस्य सहित कुल पांच पदक जीते हैं। लियोन ने पुरुषों की 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले, 200 मीटर बटरफ्लाई, 200 मीटर बैकस्ट्रोक और 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता वहीं पुरुषों की 4 गुणा 100 मीटर मेडले रिले स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

फाइनल में ओवर वेट के कारण डिसक्वॉलिफाई हुईं विनेश

पेरिस, भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक में फाइनल मुकाबले में जगह बनाने के बावजूद पदक हासिल करने से वंचित हो गईं। विनेश ओलंपिक में महिलाओं के 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल भारवर्ग में ओवर वेट होने के कारण डिसक्वॉलिफाई हो गईं। विनेश के पास फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने का मौका था, लेकिन फाइनल मुकाबला शुरू होने से ठीक पहले उन्हें अयोग्य घोषित किया गया।

विनेश ने स्पर्धा के पहले राउंड में जापान की पूर्व ओलंपिक चैम्पियन यूई सुसाकी को 3-2 से पटखनी दी, इसके बाद विनेश ने क्वार्टरफाइनल में ओक्साना लिवाच को 7-5 से तथा सेमीफाइनल में क्यूबा की यूसनेलिस गुजमेन 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में विनेश का सामना अमेरिका की साराह हिल्डेब्रांट से होना था। फाइनल से पहले विनेश का वजन किया गया, जिसमें विनेश का वजन 50 किलोग्राम से अधिक पाया गया।

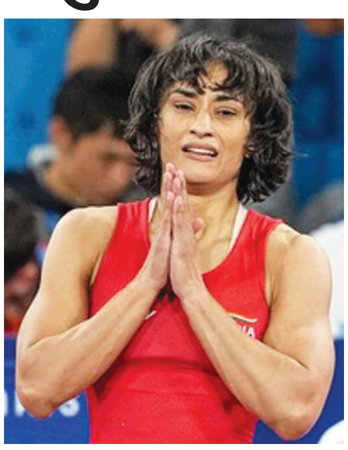

विनेश ने लिया संन्यास

प्रतियोगिता से विवादित तरीके से बाहर होने से आहत विनेश फोगाट ने कुश्ती से तत्काल संन्यास लेने की घोषणा कर दी। विनेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि मां, कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके हैं इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब, अलविदा कुश्ती।

मार्कस रूथ ने डेकाथलॉन में जीता स्वर्ण पदक

पेरिस, नॉर्वे के युवा एथलीट मार्कस रूथ ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा में मार्कस 8796 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे। स्पर्धा में जर्मनी के लियु नेगेबर ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 8748 अंक हासिल किए और रजत पदक जीतने में सफल रहे। वहीं ग्रेनेडा के लिंडन विक्टर ने स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। डेकाथलॉन स्पर्धा एथलेटिक्स की फील्ड और ट्रेक स्पर्धाओं का मिला-जुला रूप है।

डुप्लेंटिस ने पोल वॉल्ट में जीता स्वर्ण पदक

पेरिस, स्वीडन के अर्मांड डुप्लेंटिस ने ओलंपिक खेलों में एक बार फिर एतिहासिक प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता है। 24 वर्षीय डुप्लेंटिस ने पुरुषों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। डुप्लेंटिस ने स्पर्धा में 6.25 मीटर की जंप लगाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले डुप्लेंटिस ने इस वर्ष अप्रैल में स्पर्धा का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। डुप्लेंटिस ने टोक्यो ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीता था।

नोआह लॉयल्स बने 100 मीटर रेस के नए चैम्पियन

पेरिस, अमेरिका के फर्राटा धावक नोआह लॉयल्स ओलंपिक के नए चैम्पियन बन गए हैं। लॉयल्स ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 9.784 सेकेंड में पूरी कर स्वर्ण पदक हासिल किया। जमैका के किशेन थॉमसन (9.789) ने लॉयल्स को कड़ी टक्कर दी, लेकिन वे बेहद करीबी अंतर से स्वर्ण पदक जीतने से वंचित रह गए। स्पर्धा में अमेरिका के फ्रेड केरले ने कांस्य पदक जीता, वहीं टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता मार्सेल जैकब्स इस रेस में पांचवें स्थान पर रहे।

यह रेस बेहद रोमांचक रही। इस रेस के लिए आठ धावकों ने क्वालिफाई किया। ओलंपिक के इतिहास में यह पहला अवसर है जब 100 मीटर रेस में सभी धावकों ने 10 सेकेंड के अंदर रेस खत्म की। ओलंपिक खेलों में लॉयल्स का यह पहला स्वर्ण पदक है। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की 200 मीटर रेस में कांस्य पदक जीता था। महिलाओं में सेंट लूसिया की जूलियन अल्फ्रेड दुनिया की सबसे तेज धाविका बन गई हैं। अल्फ्रेड ने 100 मीटर दौड़ 10.72 सेकेंड में पूरी की।

सिमोन बाइल्स ने जीता सातवां स्वर्ण पदक

पेरिस, अमेरिका की महिला जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते हैं। बाइल्स ने ओलंपिक की वॉल्ट स्पर्धा में 59.131 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा का रजत पदक ब्राजील की रेबेका एंड्राडे के नाम रहा। एंड्राडे ने 57.932 अंक अर्जित किए, वहीं 56.465 अंकों के साथ अमेरिका की सुनिसा ली ने कांस्य पदक अपने नाम किया। बाइल्स ने इससे पहले पेरिस ओलंपिक में टीम ऑल अराउंड और इंडिविजुएल ऑलराउंड स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीते हैं। ओलंपिक खेलों में बाइल्स का यह सातवां स्वर्ण पदक है। उन्होंने रियो ओलंपिक-2016 में चार स्वर्ण पदक जीते थे।

भारतीय हॉकी टीम ने जीता कांस्य पदक

पेरिस, भारतीय हॉकी टीम ने एक बार फिर ओलंपिक खेलों में अपने सुनहरे दौर की यादें ताजा करते हुए शानदार कांस्य पदक जीता है। भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक में पुरुष वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में स्पेन को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। ओलंपिक खेलों में भारतीय हॉकी टीम का यह लगातार दूसरा कांस्य पदक है।

मैच में भारत की जीत के हीरो कप्तान हरमनप्रीत सिंह और गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश रहे। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। सेमीफाइनल में जर्मनी के हाथों मिली हार की निराशा से उबरते हुए भारतीय टीम ने शुरुआत में रक्षात्मक खेल दिखाया, जबकि स्पेन ने आक्रामक रुख अपनाया। मैच का पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। दूसरे क्वार्टर में स्पेन को गोल करने में सफलता मिली। मैच के 18वें मिनट में स्पेन के मार्क मिरालेस को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला। उन्होंने इस अवसर का लाभ उठाया और गोल करने में सफल रहे। इसके बाद भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने मोर्चा संभाला। भारतीय टीम को 30वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर मिला, हरमनप्रीत ने इसे गोल में तब्दील कर भारत को बराबरी पर ला दिया।

मैच के तीसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। मैच के 33वें मिनट में भारत को एक बार फिर पेनाल्टी कॉर्नर मिला और हरमनप्रीत ने एक बार फिर भारत को सफलता दिलाई। स्पेनिश टीम ने मैच के आखिरी क्वार्टर में गोल करने की बहुत कोशिश की, लेकिन वे भारत की मजबूत रक्षापंक्ति को भेद नहीं सके। भारतीय टीम ने 2-1 से मैच और कांस्य पदक अपने नाम किया।

- ओलंपिक खेलों में हॉकी में भारत का यह 13वां पदक है।
- भारत ने हॉकी में अब तक 8 स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीते हैं।
- भारत ने टोक्यो ओलंपिक-2020 में भी हॉकी का कांस्य पदक जीता था।
- पेरिस ओलंपिक में भारत के हरमनप्रीत सिंह ने सबसे ज्यादा 10 गोल किए हैं।

जोकोविच ने जीता ओलंपिक स्वर्ण पदक

पेरिस, टेनिस के सर्वकालीन महान खिलाड़ियों में शुमार नोवाक जोकोविच ने पहली बार ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। पांचवीं बार ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने वाले जोकोविच ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में कार्लोस अलकराज को 7-6 (7-3), 7-6 (7-2) से हराया।

फाइनल मैच में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। पहला सेट 6-6 से बराबर रहने के बाद टाईब्रेकर खेला गया, टाईब्रेकर में जोकोविच ने 7-3 से जीत दर्ज की। दूसरा सेट भी बराबरी पर रहा और दोबारा टाईब्रेकर खेला गया। टाईब्रेकर में जोकोविच ने अपने अनुभव का पूरा लाभ उठाया और अलकराज को वापसी का मौका नहीं दिया। दूसरा सेट 7-2 से जोकोविच के नाम रहा। इस जीत के साथ ही स्वर्ण पदक जोकोविच के नाम हो गया, वहीं अलकराज को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

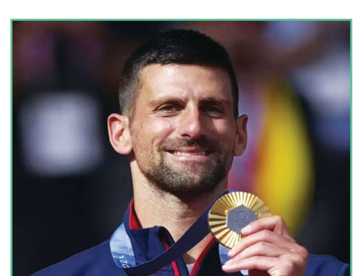

- जोकोविच टेनिस में कॅरियर गोल्डन स्लैम पूरा करने वाले पाचवें खिलाड़ी बन गए हैं।
- स्टेफी ग्राफ, आंद्रे अगासी, सेरेना विलियम्स और राफेल नडाल भी यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

• आईएनएस चिल्का पर •

अग्निवीरों के चौथे बैच की पासिंग आउट परेड हुई

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी के नेतृत्व में आईएनएस चिल्का पर अग्निवीरों के चौथे बैच की पासिंग आउट परेड (पीओपी) संपन्न हुई। सूर्यास्त के बाद होने वाले इस समारोह में 216 महिला अग्निवीरों सहित 1390 अग्निवीरों ने आईएनएस चिल्का के पवित्र मुख्यद्वार से 'अंतिम पग' लिया। इस अवसर पर नौसेना अग्निवीरों के साथ-साथ 330 तटरक्षक नाविक भी पास आउट हुए। इस दौरान वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी नौसेना कमान इस परेड के संचालन अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित हुए। 'पीओपी' न केवल अग्निवीरों के 16 सप्ताह के प्रारंभिक नौसेना प्रशिक्षण के सफल समापन का प्रतीक है बल्कि युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार भारतीय नौसेना में उनकी नई यात्रा भी है। चिल्का झील में दिए गए प्रशिक्षण में शैक्षणिक एवं सेवा के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण और कर्तव्य, सम्मान तथा साहस के मूल मूल्यों पर आधारित आउटडोर प्रशिक्षण भी शामिल था।

राष्ट्रपति भवन में संपन्न हुआ दो दिवसीय राज्यपालों का सम्मेलन

जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे आमजन अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाना है लक्ष्य - राष्ट्रपति

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में आयोजित राज्यपालों के सम्मेलन को संबोधित किया

राष्ट्रपति भवन में राज्यपालों का दो दिवसीय सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में देश के सभी राज्यों के राज्यपाल उपस्थित हुए। सम्मेलन में राज्यपालों के छह समूहों ने विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, उप-राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। सम्मेलन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राज्यपालों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की और उनसे व्यापक चर्चा की। राष्ट्रपति ने राज्यपालों के विभिन्न समूहों द्वारा अपने कार्यालय के कामकाज को बेहतर बनाने के साथ-साथ लोगों के कल्याण के लिये अपने बहुमूल्य विचारों और सुझावों के साथ आने की सराहना की।

आदर्श मॉडल विकसित करने का आग्रह

उप-राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि राज्यपालों को प्रभावी कामकाज के लिये संबंधित राज्य सरकारों से जानकारी प्राप्त करने और निरंतर संवाद बनाये रखने में संकोच नहीं करना चाहिये। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यपालों से राजभवन में शासन का एक आदर्श मॉडल विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजभवन के प्रभावी कामकाज के लिये कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का निरंतर प्रयास होना चाहिये। प्रधानमंत्री ने राज्यपालों से अपने कामकाज में प्रौद्योगिकी को अपनाने और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया।

प्रेरणा और प्रोत्साहन का स्रोत बनना चाहिये

प्रधानमंत्री ने गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत द्वारा प्राकृतिक खेती के संबंध में सुझाव का भी उल्लेख किया और अन्य राज्यपाल से राजभवन में प्राकृतिक खेती के मॉडल का अनुकरण करने और अपने परिसरों को रसायनों से मुक्त बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजभवनों को दूसरों के लिये प्रेरणा और प्रोत्साहन का स्रोत बनना चाहिये।

समावेशी विकास का लक्ष्य

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश का विकास राज्यों के समावेशी एवं त्वरित विकास पर निर्भर करता है। सभी राज्यों को एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं एवं अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिये। राष्ट्रपति ने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे, इसके लिये सरकार ने समाज के अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया है। इससे आम नागरिकों का जीवन बेहतर हुआ है। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि वे सुनिश्चित करें कि सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, जिससे समावेशी विकास का लक्ष्य सही मायने में प्राप्त किया जा सके।

महिलाओं की भागीदारी जरूरी

राष्ट्रपति ने कहा कि सार्थक एवं समग्र सामाजिक समावेशन के लिये महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करके महिला सशक्तिकरण को मजबूत किया जा सकता है। साथ ही महिला नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप को बढ़ावा देकर 'महिला नेतृत्व वाले विकास' का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

बांग्लादेश में तख्तापलट

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री का इस्तीफा, भारत में ली शरण

बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया और ढाका छोड़कर भारत पहुंच चुकी हैं। वहां अंतरिम सरकार का गठन हो गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंसा में अब तक 300 लोगों की मौत हो चुकी है। कुछ दिन पहले ढाका में लाठियों और पत्थरों से लैस हजारों छात्र सशस्त्र पुलिस बलों से भिड़ गए थे। प्रदर्शन को दबाने के लिए कई स्थानों पर मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई थीं। दरअसल, बांग्लादेश में आरक्षण प्रणाली के तहत 56 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित हैं। इनमें से 30 प्रतिशत आरक्षण साल 1971 के मुक्ति संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए रिज़र्व है। वहीं, 10 प्रतिशत आरक्षण पिछड़े प्रशासनिक जिलों के लिए और 10 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षण रिज़र्व है। इसके अलावा पांच प्रतिशत आरक्षण जातीय अल्पसंख्यक समूहों के लिए और एक प्रतिशत दिव्यांग लोगों के लिए रिज़र्व है।

जुलाई 2024 तक कुल 52.81 करोड़ प्रधानमंत्री जन-धन खाते खोले गए

केंद्र सरकार ने अगस्त 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के नाम से राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन मिशन की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य बैंकिंग सुविधाओं से वंचित हर परिवार को बैंकिंग सुविधा प्रदान करना, असुरक्षित लोगों को सुरक्षा देना, वित्तपोषण से वंचितों को वित्तपोषित करना तथा वंचित और कम सेवा वाले क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करना है। यह जानकारी केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने दी। केंद्रीय मंत्री ने एक सवाल के जबाव में कहा कि 14 अगस्त 2018 से पीएमजेडीवाई का उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं से वंचित सभी वयस्कों को इसके दायरे में लाना रहा है। उन्होंने कहा कि पीएमजेडीवाई देशभर में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैंकिंग पहुंच बढ़ाने में सफल रही है। पीएमजेडीवाई के तहत 19 जुलाई 2024 तक 2,30,792 करोड़ रुपये की जमा राशि के साथ कुल 52.81 करोड़ जन-धन खाते खोले गए हैं। पीएमजेडीवाई के तहत इनमें से 29.37 करोड़ (55.6 प्रतिशत) जन-धन खाते महिलाओं के हैं और लगभग 35.15 करोड़ (66.6 प्रतिशत) खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं।

इन योजनाओं में हितग्राहियों को मिला लाभ

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रदान करने के लिए कुल 20.48 करोड़ नामांकन किए गए हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत 2 लाख रुपये (मृत्यु या स्थायी पूर्ण विकलांगता) और 1 लाख रुपये (स्थायी आंशिक विकलांगता) का एक वर्षीय दुर्घटना कवर प्रदान करने के लिए कुल 45.08 करोड़ नामांकन किए गए हैं। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत पात्र ग्राहकों को मासिक पेंशन प्रदान करने के लिए कुल 6.71 करोड़ नामांकन किए गए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के अंतर्गत 29.93 लाख करोड़ रुपये (12.07.2024 तक) के कुल 48.92 करोड़ ऋण स्वीकृत किए गए हैं। 7 सितंबर 2023 को शुरू की गई पीएम विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य 18 चिन्हित व्यवसायों में लगे पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों को कौशल प्रशिक्षण, बंधक-मुक्त ऋण, आधुनिक उपकरण, बाजार संपर्क सहायता और डिजिटल लेन-देन के लिए प्रोत्साहन के माध्यम से शुरू से अंत तक समग्र सहायता प्रदान करना है।

जम्मू-कश्मीर भारत की भावी विकास यात्रा का पथ प्रदर्शक बनकर उभरेगा

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू और कश्मीर भारत की भावी विकास यात्रा का पथ प्रदर्शक बनकर उभरेगा। यह बात केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने की पांचवीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर हुए एक विशेष साक्षात्कार में कही।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि पहली बार जम्मू-कश्मीर में बेकार पड़े प्राकृतिक संसाधन और निष्क्रिय रहे मानव संसाधन का उभार हुआ है। इसका ताजा उदाहरण भद्रवाह से शुरू हुई "बैंगनी क्रांति" है जिसने भारत को कृषि-स्टार्टअप की एक नई शैली दी है। उन्होंने कहा कि "बैंगनी क्रांति" भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण मूल्यवर्धन करेगी क्योंकि यह अगले कुछ वर्षों में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी और फिर शीर्ष पर पहुंच जाएगी।

सात दशकों से इससे वंचित थी

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के ऐतिहासिक फैसले ने जम्मू-कश्मीर की बड़ी आबादी को नागरिकता का अधिकार दिलाया, जो पिछले सात दशकों से इससे वंचित थी।

उन्होंने कहा कि हम 5वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, इसलिए कुछ महत्वपूर्ण घटनाक्रम बेहद उल्लेखनीय हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में चार स्तरों लोकतांत्रिक, शासन, विकास और सुरक्षा स्थिति पर बदलाव हुआ है।

वर्ष 2014 के बाद भारतीय कलाकृतियों को स्वदेश वापस लाया गया

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से विभिन्न देशों से कुल 345 पुरावशेष वापस लाए गए हैं। पुरावशेषों को वापस लाने के लिए कोई विशिष्ट बजट आवंटित नहीं किया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) अपने उपलब्ध बजट से आवश्यकतानुसार व्यय करता है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है। लोगों की जागरूकता के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा विभिन्न प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। उदाहरण के लिए, खजुराहो में जी-20 बैठक और नई दिल्ली में विश्व धरोहर समिति की बैठक के दौरान स्वदेश लायी गयी कलाकृतियों की प्रदर्शनियों की प्रतिनिधियों और आगंतुकों द्वारा सराहना की गई। वापस लाए गए चयनित पुरावशेषों को पुराने किले की गैलरी में जनता के लिए भी प्रदर्शित किया गया है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने कहा कि कलाकृतियों की तस्करी को रोकने के लिए, एएसआई विभिन्न कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर काम करता है। उन्होंने कहा कि जब भी किसी पुरावशेष की चोरी की सूचना मिलती है, तो संबंधित पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की जाती है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।